@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 1 फरवरी 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 62 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

गरिमा बनाए रखें न्यायिक अधिकारी: शीर्ष अदालत

नई दिल्लीनई दिल्ली, 31 जनवरी। सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को 2016 के आपराधिक अवमानना के मामले में एक वकील की सजा को बरकरार रखा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों को गरिमा और प्रतिष्ठा बनाने रखने की जरूरत है। उन्हें प्रेरित, आलोचनात्मक और निराधार आरोपों से बचने की जरूरत है। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति पी.एस.नरसिम्हा की पीठ मामले पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने वकील की माफी को स्वीकार न करके अच्छा किया। वकील में ईमानदारी की कमी थी। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता की उम्र और स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों पर विचार किया और उच्च न्यायालय की ओर से दी गई तीन महीने के कारावास की सजा को अदालत के उठने तक कारावास में बदल दी। मामला 17 अगस्त, 2006 को हुआ था। वकील गुलशन बाजवा उच्च न्यायालय में एक मामले में पेश हुए थे। इसी दौरान उन्होंने एक महिला वकील को कथित तौर पर धमकी दी थी। इसके बाद जब उन्हें नोटिस जारी किया तो वह पेश नहीं हुए। बाजवा ने तब उसी मामले में आवेदन दायर किया था। इस आवेदन में उन्होंने उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के खिलाफ ही आरोप लगाए थे। पीठ ने मंगलवार को अपने आदेश में कहा, हम उच्च न्यायालय के उस फैसले से पूरी तरह सहमत हैं, जिसमें न्यायिक अधिकारियों को गरिमा और प्रतिष्ठा बनाए रखने को कहा गया है और प्रेरित, आलोचनात्मक और निराधार आरोपों से बचने की जरूरत पर जोर दिया गया है।

हेमंत सोरेन को ईडी ने किया गिरफ्तार

सिम्मी कौर बब्बर

रांची, 31 जनवरी। प्रवर्तन निदेशालय ने कथित भूमि धोखाधड़ी मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में सात घंटे से अधिक की पूछताछ के बाद बुधवार को झामुमो नेता हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया। अपनी गिरफ्तारी से पहले, सोरेन ने राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को झारखंड के मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा सौंप दिया और फिर उन्हें यहां ईडी कार्यालय ले जाया गया। सूत्रों ने दावा किया कि 48 वर्षीय सोरेन पूछताछ के दौरान अपने जवाबों में आनाकानी कर रहे थे। इसलिए उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में ले लिया गया। सूत्रों ने कहा कि उम्मीद है कि ईडी सोरेन को यहां एक विशेष पीएमएलए अदालत के समक्ष पेश करेगी और एजेंसी हिरासत में पूछताछ के लिए उसकी रिमांड की मांग करेगी। एजेंसी ने मामले में दूसरे दौर की पूछताछ के दौरान सोरेन से 15 सवाल पूछे। उनसे पहली बार 20 जनवरी को पूछताछ की गई थी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर धनशोधन मामले में गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। मंगलवार को उन्होंने झामुमो और सत्तारूढ़ गठबंधन के दलों के विधायकों की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी शामिल हुईं। अमर उजाला के साथ जानें झारखंड का पल-पल का अपडेट... राजभवन पहुंचकर चंपई सोरेन ने नई सरकार

बनाने का दावा पेश कर दिया है। राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात करने के बाद चंपई सोरेन ने कहा कि हमने राजभवन से शपथग्रहण का समय मांगा है। अब तक हमें समय नहीं दिया गया है। उम्मीद है कि जल्द से हमें शपथ लेने के लिए बुलाया जाएगा। हेमंत सोरेन ने बुधवार को झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। इस बीच सत्तारूढ़ झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने नए राज्य प्रमुख के रूप में वरिष्ठ नेता चंपई सोरेन का नाम प्रस्तावित किया। भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा लगभग सात घंटे की पूछताछ के बाद सोरेन ने राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंप दिया। कांग्रेस विधायक राजेश ठाकुर ने कहा, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस्तीफा देने का फैसला किया है। चंपई सोरेन को विधायक दल का नया नेता चुना गया है...सभी विधायक हमारे साथ हैं... झामुमो की राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने कहा कि हेमंत सोरेन ईडी की हिरासत में हैं। सोरेन ईडी की हिरासत में ही राजभवन पहुंचे हैं। वे यहां राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपेंगे। सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के सैकड़ों कार्यकर्ता और समर्थक भूमि सौदे से जुड़े कथित धनशोधन मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पूछताछ के विरोध में बुधवार को रांची के मोरहाबादी मैदान में एकत्र हुए। समर्थकों ने दावा किया कि मुख्यमंत्री को उनकी आदिवासी पहचान के लिए जांच एजेंसी के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार निशाना बना रही है। जमशेदपुर से यहां आईं झामुमो नेता झरना पाल ने कहा कि हेमंत सोरेन को इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वह आदिवासी हैं।

मणिशंकर अय्यर ने अपनी पुस्तक द राजीव आई न्यू में राजनीति से जुड़े कई किस्सों को साझा किया

नई दिल्ली, 31 जनवरी। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने अपनी पुस्तक द राजीव आई न्यू में राजनीति से जुड़े कई किस्सों को साझा किया। साथ ही उन्होंने इसके जरिए कई राजनीतिक सवालों को भी दागा है। उन्होंने एक साक्षात्कार में अपनी किताब से जुड़ी बातों को साझा किया। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी की सरकार ने देश को एकजुट करने के लिए अपने जानदेश का इस्तेमाल किया था, लेकिन मौजूदा मोदी सरकार ठीक इसके विपरित है। वे अपने प्रबल बहुमत के साथ देश की विविधता में एकरूपता लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। राजीव गांधी से जुड़े सवालों पर उन्होंने कहा कि भारत के सबसे गलत प्रधानमंत्री के रूप में राजीव गांधी को दिखाया गया है, जबकि वे बहुत ईमानदार व्यक्ति थे। हालांकि वे राजनीति में परिपक्व खिलाड़ी नहीं थे, उनमें राजनीतिक कुशलता का अभाव था, जो आमतौर सामान्य व्यक्तियों में देखने को मिलता है। उन्होंने कहा राजीव गांधी ने कभी धर्मों को भड़काने का काम नहीं किया, शाहबानो मामले पर पूर्व पीएम की अलोचना अनुचित थी। रामजन्मभूमि मुद्दे पर मणिशंकर अय्यर ने कहा कि पूर्व राज्यमंत्री अरुण नेहरू ने मंदिर का ताला खोला था। जिसके बाद राजीव गांधी द्वारा मंत्रिपरिषद और पार्टी पद से बाहर कर उन्हें दंडित किया गया था। लोग कहते हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री के आदेश पर मंदिर के ताले खोले गए थे। 1986 में जब ताले खोले गए थे, तो किसी को अनुमान नहीं था कि 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर का उद्घाटन होगा।

अलीगढ़ यूनिवर्सिटी के अल्पसंख्यक दर्जे पर सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणियां

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 31 जनवरी। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) को अल्पसंख्यक दर्जा देने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को तमाम दलीलें सुनीं। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि किसी अल्पसंख्यक संस्थान के राष्ट्रीय महत्व का संस्थान होने में कुछ गलत नहीं है, सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी खास है। गौरतलब है कि केंद्र ने कोर्ट में दायर अपनी लिखित दलील में कहा है कि एएमयू एक राष्ट्रीय संस्था हैं, इसे अल्पसंख्यक संस्थान नहीं माना जाना चाहिए। चाहे इस विश्वविद्यालय की स्थापना अल्पसंख्यक द्वारा की गई थी या नहीं। सात जजों की संविधान पीठ मामले की सुनवाई कर रही है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि हमें समझना होगा कि अल्पसंख्यक संस्थानों के राष्ट्रीय महत्व की संस्था होने में कोई कुछ भी असंगत नहीं है। गौरतलब है कि संविधान का अनुच्छेद 30 शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन करने के अल्पसंख्यकों के अधिकार से संबंधित है। 1967 में एस अजीज बाशा बनाम भारत संघ मामले में पांच न्यायाधीशों

की संविधान पीठ ने कहा था कि एएमयू एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है, इसलिए इसे अल्पसंख्यक संस्थान नहीं माना जा सकता है। हालांकि जब संसद ने 1981 में एएमयू (संशोधन) अधिनियम पारित किया तो इसे अपना अल्पसंख्यक दर्जा वापस मिल गया था। बाद में जनवरी 2006 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एएमयू(संशोधन) अधिनियम, 1981 के उस प्रावधान को खारिज कर दिया था, जिसके द्वारा यूनिवर्सिटी को अल्पसंख्यक दर्जा दिया गया था। बुधवार को सुनवाई के दौरान, वरिष्ठ वकील एनके कौल ने एएमयू को अल्पसंख्यक दर्जा देने का विरोध करने वाले एक पक्ष की ओर से बहस करते हुए पीठ को बताया कि 1981 का संशोधन बाशा फैसले के आधार को नहीं हटाता है। उन्होंने तर्क दिया कि स्थापना शब्द को हटाकर और विश्वविद्यालय की परिभाषा में संशोधन करके, आप बाशा के आधार को नहीं हटा सकते, जो ऐतिहासिक तथ्य को मान्यता देता है। उन्होंने कहा कि किसी ऐतिहासिक तथ्य को कानूनी कल्पना या संसदीय आदेश द्वारा संशोधित या बदला नहीं जा सकता है। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि हमें इस तरह की व्याख्या करने से बहुत बचना चाहिए। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक वकील से कहा कि राजनीतिक हस्तियों पर टिप्पणी न करें।

ड्रेस कोड फॉलो नहीं करना है तो दूसरा स्कूल ढूंढ लें: शिक्षा मंत्री मदन दिलावर

जयपुरनई दिल्ली, 31 जनवरी। राजस्थान में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने अमर उजाला के साथ खास बातचीत करते हुए कहा कि मैंने कभी नहीं कहा है कि हिजाब का विरोधी हूं। स्कूल में एक ड्रेस कोड है, जिसकी पालना करनी होगी। मंत्री दिलावर ने कहा कि स्कूल में आना है तो ड्रेस कोड को पहनकर ही आना होगा। स्कूल में किसी और यूनिफॉर्म को अलाउड नहीं किया जाएगा। वहीं, दूसरी तरफ मदन दिलावर ने कहा कि मैंने कभी आदेश जारी नहीं किया है कि सूर्य नमस्कार जरूरी है। सूर्य हमारे आराध्य हैं, सूर्य से हमें सब कुछ मिलता है। इसलिए सूर्य जयंती के दिन सूर्य नमस्कार ग्रामीण लोगों के साथ मिलकर करने का आदेश जारी किया गया है। मदन दिलावर ने स्पष्ट रूप से कह दिया कि अगर कोई भी स्टूडेंट ड्रेस कोड को फॉलो नहीं करता है तो वह अपने लिए कोई दूसरा स्कूल ढूंढ सकता है, जिसमें ड्रेस कोड लागू नहीं होता हो। बताते चलें, इससे पहले भजनलाल सरकार के वरिष्ठ मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने इसको लेकर बड़ा बयान दिया था। उनका कहना था कि वे इस मसले पर मुख्यमंत्री से बात करेंगे। उनका कहना था कि सभी विद्यालयों में समान ड्रेस कोड होना चाहिए। मंत्री मीणा ने आरोप लगाया कि हिजाब का समर्थन करने वाले नहीं चाहते कि मुस्लिम समाज की बच्चियां शिक्षित हों। मीणा ने इतिहास का हवाला देते हुए यह भी कहा कि हिजाब और बुर्का मुगल आक्रांताओं के साथ भारत आया था। दरअसल, हाल ही में जयपुर के हवामहल विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी के विधायक बालमुकुंद आचार्य शहर की गंगापोल स्थित एक स्कूल में आयोजित समारोह में गए थे।

जातीय गणना पर झूठा क्रेडिट ले रहे राहुल गांधी: सीएम नीतीश

कौमी संवाददाता

पटना, 31 जनवरी। एनडीए के साथ मिलकर सरकार बनाने के बाद पहली बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कांग्रेस के वरीय नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया है। पटना में मीडिया ने उसे पूछा कि बिहार में जाति जनगणना का श्रेय राहुल गांधी ले रहे हैं, इस सवाल पर सीएम नीतीश कुमार तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इससे बढ़कर कोई फालतू बात ही नहीं है। जाति आधारित गणना कब हुआ? आप भूल गए। मैंने नौ पार्टियों की मौजूदगी में जाति गणना करवाया। 2019 और 2020 में विधानसभा से लेकर सार्वजनिक बैठकों तक हर जगह जाति

जनगणना कराने की बात कहता रहता था। इसके बाद 2021 में मैं प्रधानमंत्री से भी मिलने गया। नीतीश कुमार ने स्पष्ट कहा कि सभी दलों की सहमति से मैंने जाति गणना करवाया। उस समय विपक्ष दूसरे तरफ थे, उनलोगों को भी मैंने कहा। मैं तो उन्हें ले भी गया था। क्या होना चाहिए यह आपलोग अच्छी तरह जानते हैं। कितने लोग किस काम को कैसे करेंगे, यह तो मैंने करवाया। कितना काम किया है मैंने यह तो सब लोग जान ही रहे हैं। कोई अपना क्रेडिट का ले रहा है, इसे छोड़िए न, अब इन सब बातों का कोई मतलब नहीं है। जितनी बहाली हुई, यह सब सात निश्चय के तरह न हुआ है। इसपर भी कोई अपना दावा कर रहा है तो अब इसका कोई मतलब नहीं है। दरअसल, भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक चुटकुला के जरिए हमला बोला था। उन्होंने यह भी कहा था कि नीतीश कुमार मामूली दबाव भी नहीं सह पाते हैं। थोड़ा सा दबाव पड़ने पर यू-टर्न ले लेते हैं। इसके बाद राहुल ने दावा किया कि बिहार में जातीय गणना उनके ही दबाव में हुई। बिहार की जनता से इंडी गठबंधन ने सामाजिक न्याय का वादा किया था। राहुल गांधी ने कहा कि नीतीश कुमार को हमने स्पष्ट कहस कि आपको जातिगत गणना करानी होगी, हम छूट नहीं देंगे। इसके बाद राजद और कांग्रेस ने दबाव डालकर यह काम करवाया। राहुल ने यह भी कहा था कि सरकार में आने पर इंडी गठबंधन पूरे देश में जातीय गणना कराने पर प्रतिबद्ध है।

लोकसभा सीट से बेटे आनंद के लिए टिकट चाहते हैं हरीश रावत

नैनीतालनई दिल्ली, 31 जनवरी। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता हरीश रावत बुधवार को हल्द्वानी पहुंचे। इस दौरान हरीश रावत ने मीडिया से बातचीत की। मीडिया ने हरीश रावत से हरिद्वार लोकसभा सीट से टिकट के बारे में सवाल किया। इस पर हरीश रावत ने कहा कि ये फैसला कांग्रेस पार्टी को करना है। कहां से किसे लड़ाना है ये मेरा अधिकार नहीं है, लेकिन इसके साथ ही हरीश रावत ने अपने बेटे को टिकट मिलने की इच्छा जता दी। हरीश रावत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जो भी फैसला करेगा, वह उन्हें मंजूर है। लेकिन मेरा मन है और मैं पार्टी से भी कहूंगा कि मेरे बेटे को चुनाव लड़ाया जाए।

लगातार छठा बजट पेश करेंगी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, 31 जनवरी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को लगातार छठा बजट पेश करेंगी। इसके साथ ही उनके नाम कई रिकॉर्ड दर्ज होंगे। वह लगातार पांच पूर्ण बजट और एक अंतरिम बजट पेश कर पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के क्लब में शामिल हो जाएंगी। सीतारमण पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री हैं, जो जुलाई 2019 से अब तक पांच पूर्ण बजट पेश कर चुकी हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने सर्वाधिक 10 बार बजट पेश किए थे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण गुरुवार को अपना पहला अंतरिम बजट पेश करेंगी। इससे पहले साल 2019 में वित्त मंत्री अरुण जेटली की अस्वस्थता के कारण उस समय वित्त मंत्री के प्रभार में रहे पीयूष गोयल ने अंतरिम बजट पेश किया था। आइए जानते हैं गुरुवार को अंतरिम बजट पेश करने से पूर्व कैसा रहेगा वित्त मंत्री का कार्यक्रम और कितने बजे संसद में पेश किया जाएगा बजट 2024 गुरुवार की सुबह 8 बजकर 15 मिनट पर वित्त मंत्री सबसे पहले बजट 2024 तैयार करने वाली अपनी टीम के साथ फोटो सेशन में हिस्सा लेंगी। सुबह 8 बजकर 45 मिनट पर वित्त मंत्री महामहिम राष्ट्रपति से मुलाकात कर बजट की मंजूरी लेंगी। 1 फरवरी 2024 को वित्त मंत्री अंतरिम बजट पेश करेंगी। इस साल पूर्ण बजट आम चुनावों के बाद संभवत: जुलाई में पेश किया जाएगा। एक फरवरी को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पेश होने वाला अंतरिम बजट लेखानुदान होगा। यह सरकार को अप्रैल-मई के आम चुनावों के बाद नई सरकार आने तक कुछ निश्चित मदों में खर्च करने का अधिकार देगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को अंतरिम बजट पेश करने के साथ ही मनमोहन सिंह, अरुण जेटली, पी चिदंबरम और यशवंत सिन्हा जैसे पूर्व वित्त मंत्रियों से भी आगे निकल जाएंगी।

चंद्रशेखर के काले कारनामों की राजदार जैकलीन

सौरभ शर्मा

नई दिल्लीनई दिल्ली, 31 जनवरी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उच्च न्यायालय को बताया कि 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज जानबूझकर कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर के अपराध की आय के कब्जे और उपयोग में शामिल हुई थीं। ईडी ने हाई कोर्ट के समक्ष जैकलीन द्वारा दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की मांग पर आपत्ति जताते हुए हाई कोर्ट के समक्ष यह तर्क रखा। ईडी का यह तर्क फर्नांडीज की याचिका के जवाब में दायर एक हलफनामे में दिया गया है, जिसमें कथित तौर पर चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके खिलाफ एफआईआर को रद्द करने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी के समक्ष फर्नांडीज के वकील ने ईडी के हलफनामे के जवाब में प्रत्युत्तर दाखिल करने के लिए समय मांगा। अदालत ने मामले की सुनवाई 15 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी। अपने जवाब में ईडी ने दावा किया कि फर्नांडीज ने कभी भी चंद्रशेखर के साथ वित्तीय लेनदेन के बारे में सच्चाई का खुलासा नहीं किया और सबूत मिलने तक हमेशा तथ्यों को छुपाया। वह आज तक सच को दबाकर बैठी है। यह भी सच है कि फर्नांडीज ने चंद्रशेखर की गिरफ्तारी के बाद उसके मोबाइल फोन से सारा डेटा मिटा दिया, जिससे सबूतों के साथ छेड़छाड़ हुई। उसने अपने सहयोगियों से सबूत नष्ट

करने के लिए भी कहा। ईडी ने कहा सबूत बिना किसी संदेह के साबित करते हैं कि वह अपराध की आय का आनंद ले रही थी, उसका उपयोग कर रही थी और उसके कब्जे में है। इस प्रकार यह साबित होता है कि फर्नांडीज जानबूझकर आरोपी चंद्रशेखर के अपराध की आय के कब्जे और उपयोग में शामिल रही है। एजेंसी ने कहा कि शुरुआत में अपने बयानों में अभिनेत्री ने यह दावा करके अपने आचरण को छिपाने की कोशिश की कि वह चंद्रशेखर की शिकार रही हैं, हालांकि जांच के दौरान वह उनके द्वारा उत्पीड़न को साबित करने के लिए कोई ठोस सामग्री प्रदान करने में विफल रही। ईडी ने कहा वह चन्द्रशेखर की आपराधिक पृष्ठभूमि से अवगत थी, फिर भी वह अपने और अपने परिवार के सदस्यों के लिए अपराध की आय प्राप्त करती रही उसका आनंद लेती रही और उसे अपने पास रखती रही। ईडी ने कहा कि शुरू में फर्नांडीज ने भारत और विदेश में अपने परिवार के लिए उनसे बड़ी रकम और मूल्यवान उपहार प्राप्त करने की बात स्वीकार नहीं की और कहा कि ये विलासिता की वस्तुएं आपराधिक गतिविधियों से उत्पन्न अपराध की आय नहीं थीं। फर्नांडीज की इस दलील को भी गलत बताया कि अपराध में अभियोजन पक्ष के गवाह के रूप में पेश किया गया है जिसमें दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा प्राथमिकी दर्ज की गई थी और उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी नहीं बनाया जा सकता है। ईडी ने कहा कि अपराध की परिभाषा मनी लॉन्ड्रिंग यह निर्धारित नहीं करती है कि पीएमएलए की धारा 3 को ट्रिगर करने के लिए, किसी व्यक्ति को मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध में शामिल होने के अलावा विधेय अपराध में भी शामिल साबित किया जाना चाहिए।

यूपी में बेईमानी से जीते सभी चुनाव: अखिलेश

मैनपुरीनई दिल्ली, 31 जनवरी। एक निजी कार्यक्रम में मैनपुरी पहुंचे समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर चुनाव में बेईमानी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2022 से पहले के सभी चुनाव भाजपा ने बेईमानी से जीते हैं।

चंडीगढ़ के मेयर चुनाव को लेकर भी उन्होंने भाजपा को घेरा। लोकसभा चुनाव उन्होंने इंडिया गठबंधन के साथ ही लड़ने की बात कहते हुए उत्तर प्रदेश से भाजपा का सफाया करने का दावा भी किया। सपा अध्यक्ष करहल के गांव गुन्हैया में आयोजित एक वैवाहिक समारोह में पहुंचे थे। पत्रकारों से वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ मेयर के चुनाव में जब बेईमानी की जा सकती है तो अन्य चुनावों का अंदाजा लगाया जा सकता है। सपा प्रत्याशियों की घोषणा पर उन्होंने साफ किया कि सपा चुनाव इंडिया गठबंधन के साथ ही लड़ेगी। इसके लिए जल्द ही कांग्रेस के साथ सीटों का निर्धारण हो जाएगा। जिन सीटों से प्रत्याशी घोषित हुए हैं उन्हें सपा की सीटें बताया। अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए ही एनडीए को हराएगा। प्रदेश में जहां भी कोई भी प्रत्याशी भाजपा को हराएगा उसे टिकट दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ खुद स्वीकार कर चुके हैं कि गोरखपुर में भू माफिया बढ़े हैं। प्रदेश में भाजपा सरकार में जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं। सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर माफिया जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। भाजपा अब भू माफिया पार्टी बन चुकी है। इस्राइल में युवाओं को रोजगार के लिए भेजने पर भी उन्होंने सरकार को घेरा। अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव कहां से लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे, इस सवाल पर उन्होंने जल्द इसकी घोषणा होने की बात कही। ईवीएम हटाने की बात भी उन्होंने इस दौरान दोहराई। वहीं उन्होंने मैनपुरी में डीएम कार्यालय के बाहर आत्मदाह के प्रयास की सूचना मिलने पर कहा कि लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। किसान आत्महत्या कर रहे हैं और महिलाओं के साथ भी अपराध बढ़ रहे हैं। इस दौरान पूर्व विधायक करहल सोवरन सिंह यादव, जिलाध्यक्ष सपा आलोक शाक्य, पूर्व एमएलसी अरविंद यादव, पूर्व सांसद तेजप्रताप यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

राज्यसभा में नए सदस्यों ने ली शपथ, 11 सांसदों के निलंबन रद्द

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 31 जनवरी। संसद का बजट सत्र आज से शुरू हो गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 74 मिनट के विस्तृत अभिभाषण में सरकार की नीतियों और विजन का जिक्र किया। संसद में हंगामे और अशोभनीय आचरण के आरोपी सांसदों के मामले में राज्यसभा में विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट पेश की गई। दो नए सदस्यों ने सदस्यता ग्रहण की। पढ़िए संसद से जुड़े अपडेट आप नेता स्वाति मालीवाल को आज राज्यसभा सांसद के तौर पर दो बार शपथ लेनी पड़ी। सूत्रों के मुताबिक, सभापति जगदीप धनखड़ को दो कारणों से ऐसा करना पड़ा। पहला- मालीवाल ने शुरुआत में गलत शपथ ली। उन्होंने नामांकित राज्यसभा सदस्यों के लिए शपथ का संस्करण पढ़ा था। दूसरा कारण बेवजह नारेबाजी बताई गई। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद संसद परिसर में कांग्रेस सासंदों ने टिप्पणी की। पार्टी ने इसे चुनावी भाषण करार दिया। सांसदों ने सरकार पर बेरोजगारी जैसे अहम मुद्दे की अनदेखी करने के आरोप लगाए। केरल से निर्वाचित कांग्रेस सांसद थरूर ने कहा, सरकार ने राष्ट्रपति को देने के लिए एक चुनावी भाषण लिखा है, उन्होंने बेरोज़गारी की बात नहीं की... यह एक तरफा आख्यान है जो कई महत्वपूर्ण मुद्दों की अनदेखी करता है। बकौल थरूर मेरा मानना है कि लोगों को तब सोचना होगा जब वे लोकसभा चुनाव में मतदान करने जाएंगे। संसद में राष्ट्रपति

मुर्मू के अभिभाषण पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, ...उन्होंने राष्ट्रपति को देने के लिए एक चुनावी भाषण लिखा है, उन्होंने बेरोज़गारी की बात नहीं की... यह एक तरफा आख्यान है जो कई महत्वपूर्ण मुद्दों को छोड़ देता है, जिनके बारे में मेरा मानना है असम से निर्वाचित कांग्रेस के लोकसभा सांसद गौरव गोगोई ने कहा, भारत की जो वास्तविक सच्चाई है उसकी झलक हमें राष्ट्रपति के वक्तव्य में नहीं दिखी। जो ऐतिहासिक महंगाई, बेरोजगारी है, उसकी झलक नहीं दिखी। ऐसा लगता है कि सरकार ने देश की सच्चाई को छुपाने और दबाने की पूरी कोशिश की। संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, भारत की जो वास्तविक सच्चाई है उसकी झलक हमें राष्ट्रपति के वक्तव्य में नहीं दिखी। जो ऐतिहासिक महंगाई, बेरोजगारी है, उसकी झलक नहीं दिखी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक घंटे 13 मिनट तक अपने विस्तृत भाषण में सरकार की नीतियों और विजन का खाका खींचा। इसके बाद संसदीय प्रणाली का निर्वाह करते हुए उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने अंग्रेजी में संक्षिप्त रूप से संबोधित किया। उनके संबोधन के बाद राष्ट्रगान हुआ। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उनके आधिकारिक आवास- रायसीना हिल्स पर राष्ट्रपति भवन के लिए विदाई दी गई।

कनाडा में भारतीय युवक की हत्या के मामले में हमवतन किशोर प्रीतपाल गिरफ्तार

ओटावा. कनाडा के एक शहर में भारतीय मूल के एक युवक की हत्या के मामले में उसके हमवतन किशोर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस मामले की जांच में मदद के लिए अन्य जानकारियां जुटाने और वीडियो फुटेज खंगालने में जुटी है। कनाडा के ओंटारियो प्रांत के ब्रैम्पटन शहर में रहने वाले 18 वर्षीय निशान थिंड को पिछले वर्ष 19 दिसंबर को वहां के एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था।पुलिस को सूचना दी गई कि अस्पताल पहुंचने के बाद उसकी मौत हो गई। पील क्षेत्रीय पुलिस ने एक बयान में बताया, ऐसा माना गया कि उसे (थिंड को) किसी अज्ञात स्थान व समय पर गोली मारी गई और बाद में अस्पताल में छोड़ दिया गया।

बयान के मुताबिक, थिंड की मौत के बाद पील क्षेत्रीय पुलिस के होमिसाइड ब्यूरो के कर्मियों ने नौ जनवरी को ब्रैम्पटन के एक घर पर छापेमारी की और बाद में 18 वर्षीय प्रीतपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने बताया, तथ्यों की जांच के बाद उसपर अपराध को अंजाम देने के लिए मुकदमा दर्ज किया गया। ब्रैम्पटन की ओंटारियो कोर्ट ऑफ जस्टिस के समक्ष पेश करने से पहले उसे पुलिस ने हिरासत में रखा था। पुलिस के मुताबिक, गोली चलाने वाला संदिग्ध ब्रैम्पटन का रहने वाला 16 वर्षीय एक किशोर है और हत्या के मामले में कनाडा में वांछित है।

अमेरिका ने H1B वीजा चयन प्रक्रिया में बड़ा किया बदलाव, 6 मार्च से जमा होंगे आवेदन

वाशिंगटन. अमेरिका की ओर से एच-1बी वीजा के लिए लॉटरी के माध्यम से चयन प्रक्रिया में बड़े बदलाव के घोषणा की गई है और इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2025 के लिए वीजा आवेदन जमा करने की प्रक्रिया छह मार्च से शुरू हो जाएगी। एक अमेरिकी संघीय एजेंसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एच-1बी वीजा एक गैर-प्रवासी वीजा है जो अमेरिकी कंपनियों को विदेशी श्रमिकों को विशेष व्यवसायों में नियुक्त करने की अनुमति देता है जिनके लिए सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए इस पर निर्भर रहती हैं। नयी व्यवस्था के तहत कई तरह के प्रावधान किये हैं, जिनमें नियोक्ताओं द्वारा पंजीकरण के लिए लाभार्थी-केंद्रित चयन प्रक्रिया का प्रावधान भी शामिल है। अतीत में अगर किसी व्यक्ति द्वारा एक से अधिक बार आवेदन किए जाने पर व्यवस्था में हेराफेरी की आशंका रहती थी, लेकिन एच-1बी वीजा के लिए आवेदन अब व्यक्तिगत आवेदकों के आधार पर गिने और स्वीकार किए जाएंगे। यहां तक कि अगर एक व्यक्ति विभिन्न कंपनी के लिए कई आवेदन जमा करता है, तो उन्हें पासपोर्ट नंबर जैसे व्यक्तिगत परिचय पत्र के आधार पर एक आवेदन के रूप में गिना जाएगा।

अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने भी नये

नियमों की घोषणा की है, जिसका मकसद एच-1बी पंजीकरण प्रक्रिया में पारदर्शिता को बढ़ाना और हेराफेरी की संभावना को कम करना है। संघीय एजेंसी ने कहा कि नयी व्यवस्था से पंजीकरण प्रणाली में हेराफेरी की आशंका कम रहेगी और यह सुनिश्चित करना आसान होगा कि प्रत्येक लाभार्थी को चयनित होने का समान अवसर मिले। यूएससीआईएस के निदेशक उर एम. जादौ ने कहा, ''हम हमेशा अपनी आवेदन प्रक्रियाओं में सुधार करते हुए पारदर्शिता को बढ़ाने और हेराफेरी की संभावना को कम करने के तरीके तलाशते रहते हैं। यूएससीआईएस ने कहा वित्तीय वर्ष 2025 के लिए एच-1बी वीजा आवेदन छह मार्च से जमा किए जा सकेंगे और यह प्रक्रिया 22 मार्च तक चलेगी।

चुनाव से पहले इमरान को एक और झटका, तोशाखाना केस में खान और बुशरा बीबी को 14 साल जेल की सजा

इस्लामाबाद. पाकिस्तान में चुनाव से पहले जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को एक और बड़ा झटका लगा है। अदालत ने तोशाखाना मामले में 71 वर्षीय खान और उनकी पत्नी 49 वर्षीय बुशरा बीबी को 14 साल जेल की सजा सुनाई है। पाकिस्तान के जियो न्यूज की रिपोर्ट में बताया गया है कि इस दंपति को कैद ए बामुशक्कत की सज़ा सुनाई गई है।इसके साथ ही अदालत ने दोनों को 10 साल तक किसी भी सार्वजनिक पद पर बहाल होने से रोक दिया है।अदालत ने उन पर 78.7 करोड़ रुपए का सामूहिक जुर्माना भी लगाया है। बुशरा बीबी आज कोर्ट में पेश नहीं हुईं। इससे एक दिन पहले ही इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को गोपनीयता का उल्लंघन करने के मामले में मंगलवार को 10-10

साल जेल की सजा सुनाई गई। इसके साथ ही आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव में सत्ता में लौटने के उनके प्रयास को झटका लगा है। इसके बाद एक दूसरी कोर्ट की यह सजा उनके लिए दोहरा झटका है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी के पूर्व पति खावर फरीद मनेका ने 25 नवंबर 2023 को दोनों के खिलाफ व्यभिचार और धोखाधड़ी से शादी करने का आरोप लगाया था। खान और बुशरा बीबी के खिलाफ पाकिस्तान पीनल कोड के मुताबिक विभिन्न धाराओं में इस्लामाबाद पूर्व के वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश कुदरतुल्ला की अदालत में मामला चल रहा था जहां सजा सुनाई गई है।

चीन ने ताइवान के चारो ओर तैनात कर दिए युद्धपोत, NATO ने जताया डर- कहीं यूक्रेन जैसा न हो जाए हाल

बीजिंग. ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका एक बार फिर आमने-सामने हैं। दोनों देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा घटनाक्रम में अमेरिकी जहाजों को ताइवान के पास आने से रोकने के लिए चीन ने ताइवान के चारो ओर स्थाई रूप से चार युद्धपोत तैनात कर दिए हैं। जापानी मीडिया के हवाले से ताइवान न्यूज ने बताया कि चीनी हमले की स्थिति में अमेरिका को सेना भेजने से रोकने के लिए ऐसा किया गया है।

उधर, नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने चीन और ताइवान के बीच बढ़े तनाव की तुलना कीव और मास्को के बीच चल रहे संघर्ष से करते हुए कहा है कि जो यूक्रेन के साथ हुआ वह

अब ताइवान के साथ भी हो सकता है। ताइवान राष्ट्रपति चुनाव के बाद और चीन की धमकियों के बीच अभ्यास आयोजित कर रहा है। बता दें कि चीन ने अगस्त 2022 में पूर्व अमेरिकी स्पीकर नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा पर कड़ी आपत्ति जताई थी और देश भर में बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास आयोजित करके जवाब दिया था। जपानी अखबार योमिउरी शिंबुन के अनुसार युद्धपोत द्वीप को तीन तरफ से घेर रहे हैं। युद्धपोत द्वीप को उत्तर, दक्षिण और पूर्व की ओर से घेर रखे हैं। चीन के तरफ के तट को खुला छोड़ा गया है।

इन जहाजों में से एक उन क्षेत्रों के पश्चिम में है, जिन्हें चीन में डियाओयू द्वीप और जापान में सेनकाकू द्वीप समूह के रूप में जाना जाता है। वहीं, ताइवान न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार से मंगलवार के बीच ताइवान के आसपास नौ चीनी सैन्य विमानों और चार नौसैनिक जहाजों का पता लगाया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, चीन की कार्रवाई के जवाब में ताइवान ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) के विमानों की निगरानी के लिए विमान और नौसैनिक जहाज भेजे हैं और वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली तैनात किए हैं।

अमेरिका का एफ-16 लड़ाकू विमान दक्षिण कोरिया के पश्चिमी तट के पास दुर्घटनाग्रस्त, बाल-बाल बची पायलट की जान

सियोल. अमेरिका का एफ-16 लड़ाकू विमान बुधवार को दक्षिण कोरिया के पश्चिमी तट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दक्षिण कोरिया की स्थानीय मीडिया ने अमेरिकी वायुसेना के हवाले से इस घटना की जानकारी दी है।

पायलट की बची जान

एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया कि विमान का पायलट दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले ही विमान से बाहर निकलने में कामयाब रहा। पायलट को बचा लिया गया है। सियोल से लगभग 180 किलोमीटर दक्षिण में कुनसन एयर बेस में पीले सागर के ऊपर सुबह के करीब 8:41

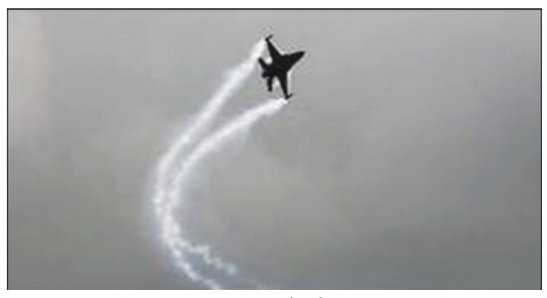

बजे विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

दक्षिण कोरिया और अमेरिकी अधिकारियों के संयुक्त प्रयास से पायलट को साढ़े नौ बजे दुर्घटनास्थल से बाहर निकाला गया। अमेरिकी वायुसेना के अनुसार, पायलट की हालत स्थिर है और विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच भी जारी है। आठवें फाइटर विंग कमांडर कोलोनेल मैथ्यू सी. गेटके ने कहा, हम दक्षिण कोरिया के बचाव दल और अपनी टीम का धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने पायलट की जान बचाई। अब हम विमान को ढूंढने की कोशिश करेंगे।

एक साल में तीसरी घटना

एक साल में तीसरी बार एफ-16 लड़ाकू विमान दक्षिण कोरिया में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। दिसंबर में आठवें फाइटर विंग का एफ-16 विमान पीले सागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

वहीं इससे पहले मई में अमेरिका के 51वें फाइटर विंग का एफ-16 प्योंगटेक के ओसान एयर बेस पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि, इन दोनों ही हादसों में किसी के हताहत होने की जानकार नहीं दी गई थी।

मालदीव की मुख्य विपक्षी जम्हूरी पार्टी जिद पर अड़ी, कहा- राष्ट्रपति मुइज्जू भारत और PM मोदी से मांगें माफी

इंटरनेशनल डेस्क. मालदीव में जम्हूरी पार्टी के नेता जसीम इब्राहिम ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से औपचारिक रूप से माफी मांगने और द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के लिए ''राजनयिक सुलह करने का अनुरोध किया है। इब्राहिम की यह मांग चीन समर्थक माने जाने वाले मुइज्जू की उन टिप्पणियों के संदर्भ में की गयी है जिसमें इस महीने की शुरुआत में उन्होंने किसी देश का नाम लिए बगैर भारत को धमकाने वाला देश बताया था।राष्ट्रपति मुइज्जू ने मालदीव के तीन मंत्रियों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर भारत के साथ राजनयिक विवाद के बीच 13 जनवरी को चीन की पांच दिवसीय हाई-प्रोफाइल यात्रा के बाद स्वदेश लौटने पर कहा था, ''हम छोटे (देश) हो सकते हैं लेकिन इससे उन्हें हमें धमकाने का लाइसेंस नहीं मिल जाता।

रेड कार्पेट बिछा तालिबानी राजदूत का स्वागत करने क्यों पहुंचे शी जिनपिंग, अब US के दो कट्टर दुश्मनों पर नजर

चीनी राष्ट्रपति ने क्यूबा, पाकिस्तान, ईरान और 38 अन्य देशों के राजदूतों के साथ ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में एक समारोह में तालिबान शासन द्वारा नियुक्त राजदूत का स्वागत किया।

बीजिंग.अफगानिस्तान के राजदूत को मान्यता देने वाला चीन पहला देश बन गया है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को पड़ोसी अफगानिस्तान समेत 41 देशों के राजदूतों के परिचय पत्र प्राप्त किए, जो किसी प्रमुख राष्ट्र द्वारा अंतरिम तालिबान सरकार की पहली आधिकारिक मान्यता है। चीनी राष्ट्रपति ने क्यूबा, पाकिस्तान, ईरान और 38 अन्य देशों के राजदूतों के साथ ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में एक औपचारिक समारोह में तालिबान शासन द्वारा नियुक्त अफगान राजदूत बिलाल करीमी का रेड कार्पेट पर स्वागत किया और उनका परिचय पत्र प्राप्त किया।

तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷चीन ने वह समझ लिया है जो बाकी दुनिया नहीं समझ पाई है। मुजाहिद ने अब रूस, ईरान और अन्य देशों से इसी तरह के कदम उठाने और काबुल के साथ द्विपक्षीय राजनयिक संबंधों को उन्नत करने का आह्वान करते हुए कहा, ÷हम एकध्रुवीय दुनिया में नहीं हैं।चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, शी ने नए राजदूतों से कहा कि चीन उनके देशों के साथ गहरी दोस्ती और पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग चाहता है। बता दें कि रूस और ईरान अमेरिका के कट्टर दुश्मन और चीन के सहयोगी देश रहे हैं।इधर, अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा है कि बीजिंग ने तालिबान शासन को आधिकारिक तौर पर मान्यता दी है या नहीं, यह चीनी अधिकारियों को स्पष्ट करना चाहिए। मिलर ने मंगलवार को कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ तालिबान का संबंध उनके कार्यों पर निर्भर करता है।

बता दें कि अगस्त 2021 में अफगानिस्तान पर तालिबान का शासन शुरू होने के बाद दुनियाभर के देशों ने उससे संपर्क तोड़ लिए थे। किसी भी देश ने तालिबान शासन को मान्यता नहीं दी लेकिन अब चीन ने सबसे पहले तालिबान शासन को मान्यता दी है। तालिबान असल में इस्लामिक चरमपंथी गुट है। 1990 के दशक में सुन्नी इस्लामिक शिक्षा के नाम पर ये आगे बढ़ा और जल्द ही अपना असली चेहरा दिखाने लगा। सत्ता में आने के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान में इस्लामिक कानून शरिया लागू कर दिया।

एक तरफ चीन की नजर अफगानिस्तान से संबंध सुधार कर वहां के प्राकृतिक संसाधनों के दोहन पर है, दूसरी तरफ तालिबान चाहता है कि चीन की मदद से कई देश उसे मान्यता दें क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से मान्यता न मिलने का खामियाजा उसे भुगतना पड़ रहा है।

वर्ल्ड बैंक और इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड (IMF) से तालिबान सरकार को तब तक कोई मदद नहीं मिल सकेगी जब तक कि उसे आधिकारिक दर्जा नहीं मिल जाता है।

उद्घाटन से पहले अबु धाबी में BAPS मंदिर पहुंचे कई देशों के प्रतिनिधि, भूटान के राजदूत बोले- यह तीर्थभूमि

बीएपीएस हिंदू मंदिर प्रोजेक्ट के प्रमुख स्वामी ब्रह्मविहारीदास ने भारत और यूएई का आभार व्यक्त किया। यूएई में नेपाल के राजदूत तेज बहादूर छेत्री ने मंदिर को तीर्थभूमि बताया। उन्होंने कहा कि यह एक प्रेरणादायक इमारत है

अबु धाबी.संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारतीय राजदूत संजय सुधीर ने अबु धाबी के बीएपीएस हिंदू मंदिर के उद्घाटन से पहले यहां दुनियाभर के कई राजनायिकों की मेजबानी की। सभी राजनायिक मंदिर की वस्तुकला, जटिल रूपांकनों और एकता के संदेशों को देखकर खुश हुए।

यूएई में भारतीय दूतावास की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी पोस्ट में कहा गया, बीएपीएस मंदिर के उद्घाटन में अब एक महीने से कम का समय शेष है। राजदूत संजय सुधीर ने मंदिर के विशेष दौरे पर दुनियाभर के राजनायिकों की मेजबानी की। वे सभी मंदिर की वस्तुकला और जटिल रूपांकनों को देखकर आश्चर्यचकित रह गए।

42 देशों के प्रतिनिधियों को निमंत्रण

बीएपीएस हिंदू मंदिर की तरफ से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, भारतीय राजदूत संजय सुधीर ने 42 देशों के प्रतिनिधियों को निमंत्रण दिया था। इसमें अर्जेंटीना, अर्मेनिया, बहरीन, बांग्लादेश, बोस्निया, हर्जेगोविना, कनाडा, चैड, चिली, चेक गणराज्य, साइप्रस, डोमिनिकन गणराज्य, मिस्र, यूरोपीय संघ,फिजी, गाम्बिया, जर्मनी, घाना, आयरलैंड, इज़राइल, इटली, मोल्दोवा, मोंटेनेग्रो, नेपाल, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, नाइजीरिया, पनामा, फिलीपींस, पोलैंड, सेशेल्स, सिंगापुर, श्रीलंका, स्वीडन, सीरिया, थाईलैंड, यूएई, यूके, यूएस, जिम्बाब्वे और जाम्बिया के प्रतिनिधि शामिल थे। करीबन 60 गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत माला पहनाकर किया गया। इसके साथ ही उनकी उपस्थिति के महत्व को दर्शाते हुए उन्हें पवित्र धागा भी बांधा गया। भारतीय राजदूत संजय सुधीर ने एक छोटे से संबोधन के साथ अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा, यह असंभव जैसा लग रहा था, लेकिन सपना पूरा हो गया।

फरवरी में होगा मंदिर का उद्घाटन

बीएपीएस हिंदू मंदिर प्रोजेक्ट के प्रमुख स्वामी ब्रह्मविहारीदास ने भारत और यूएई का आभार व्यक्त किया। यूएई में नेपाल के राजदूत तेज बहादूर छेत्री ने मंदिर को तीर्थभूमि बताया। उन्होंने आगे कहा, यह एक प्रेरणादायक इमारत है, जो हमें प्यार, सद्भाव और सहिष्णुता के बारे में बताता है। यह कुछ ऐसा है, जिसे हम अपने आने वाली पीढ़ियों को तोहफे के तौर पर दे सकते हैं। महंत स्वामी महाराज एक महान साधु हैं। उनसे ही लोगों को मंदिर बनाने की प्रेरणा मिली। यह एक बड़ी कामयाबी है।

थाईलैंड के राजदूर सोरायुत चसोम्बत ने कहा, यूएई में यह अबतक का मेरा सबसे अच्छा अनुभव है। मैंने इस मंदिर के निर्माण से लेकर अब अंत देख रहा हूं। मैं यह कहना चाहता हूं कि यह सद्भाव का उदाहरण है। मैं भारत और यूएई का आभार व्यक्त करता हूं।विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों का यह दौरा यूएई के साथ अपने देश की सांस्कृतिक मेलजोल, शांति और राजनीतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए था। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महंत स्वामी महाराज 14 फरवरी को इस मंदिर का उद्घाटन करने वाले हैं।

मालदीव के प्रोसीक्यूटर जनरल हुसैन शमीम पर दिनदहाड़े हथौड़े से जानलेवा हमला

माले. मालदीव के अभियोजक जनरल हुसैन शमीम पर दिन दहाड़े जानलेवा हमले का समाचार है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शमीम पर हथौड़े, चाकू या किसी धारदार हथियार से हमला किया गया। हुसैन को एडीके अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत स्थिर बताई है। हुसैन शमीम को मालदीव की पूर्व सोलिह सरकार ने प्रोसीक्यूटर

जनरल नियुक्त किया था। हुसैन को नियुक्त करने वाली MDP इस समय विपक्ष में है और राष्ट्रपति मुइज्जू के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी कर रही है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में आंतकी हमले में मारे गए 15 लोग

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने तीन हमलों में 4 अधिकारियों समेत 15 लोगों की मौत हो गई । इस दौरान गोलीबारी शुरू हो गई, जिसमें 9 आतंकवादी ढेर हो गए। अधिकारियों ने बताया कि तीन हमलों में से एक हमला उच्च सुरक्षा वाली जेल पर भी किया गया। उन्होंने बताया कि ये हमले सोमवार को प्रांतीय राजधानी क्वेटा से करीब 70 किलोमीटर दूर माच शहर में हुए। मंगलवार रात 'इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशन्स% (आईएसपीआर) की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि 29 और 30 जनवरी की रात को, आत्मघाती हमलावरों सहित कई आतंकवादियों ने बलूचिस्तान में माच और कोलपुर परिसरों पर हमला किया।

विज्ञप्ति के अनुसार, हमलों का कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया। इस दौरान हुई गोलीबारी में नौ आतंकवादी मारे गए और तीन घायल हो गए जिन्हें सुरक्षा बलों ने पकड़ लिया। आतंकवादियों ने उच्च सुरक्षा वाली केंद्रीय माच जेल में घुसने की कोशिश की, जहां कुछ खतरनाक आतंकवादी और ऐसे कैदी हैं जिन्हें मौत की सजा सुनाई गई है। आईएसपीआर ने सोमवार रात से चार सुरक्षाकर्मियों और दो नागरिकों के मारे जाने की पुष्टि की। विज्ञप्ति में कहा गया है कि आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा बल तुरंत तैनात हो गए हैं और आतंकवादियों को पकड़ने के लिए अभियान चला रहे हैं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पहले कहा था कि केंद्रीय माच जेल पर कम से कम 15 रॉकेट दागे गए। प्रतिबंधित अलगाववादी समूह 'बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए), मजीद समूह ने हमलों की जिम्मेदारी ली है। हमलों के बाद, सुरक्षा बलों और पहाड़ों में पीछे हटने की कोशिश कर रहे हमलावरों के बीच कई घंटे भारी गोलीबारी हुई। बलूचिस्तान के कार्यवाहक सूचना मंत्री जान अचकजई ने कहा कि माच में अंतिम निकासी अभियान अभी भी जारी है। अचकजई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर कहा, ''क्षेत्र में स्थिति काबू में है। सुरक्षा बलों पर सोमवार रात का हमला इस साल आतंकवादियों द्वारा किया गया सबसे घातक हमला है।पिछले साल नवंबर में बंदरगाह शहर ग्वादर में आतंकवादियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में कम से कम 14 सैनिक मारे गए थे।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

रेव पार्टिया और एंफेटामाइन ड्रग्स, ग्रेटर नोएडा में नशे की फैक्टरी पर रेड; चार अफ्रीकी गिरफ्तार

द्वारका जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने ग्रेटर नोएडा में ड्रग्स बनाने वाली फैक्टरी पर छापा मारा। अफ्रीकी नागरिक युवाओं को नशे की लत लगाने के लिए यहां एंफेटामाइन नामक ड्रग बनाते थे और देशभर में उसकी सप्लाई करते थे। नारकोटिक्स सेल ने मौके से करोड़ों रुपये की ड्रग्स और कच्चा सामान बरामद कर चार अफ्रीकी नागरिकों को गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि एसीपी ऑपरेशन सेल राम अवतार और इंस्पेक्टर सुभाष, एसआई सपना शर्मा की टीम ने 27 नवंबर को अफ्रीकी नागरिक एजे उचेन्ना जेम्स को गिरफ्तार किया था। उसके पास से 70 ग्राम मेथामफेटामाइन दवाएं मिली थी। इसके बाद 11 जनवरी को उसके साथी शेड्रैक को गिरफ्तार किया।

उसके पास सौ ग्राम दवा बरामद हुई। उससे पूछताछ में दो और अफ्रीकी नागरिकों इको और ओसिता के बारे में पता लगा। दोनों इन दवाओं का निर्माण करते थे। इसके लिए उन्होंने ग्रेटर नोएडा के एलेस्टोनिया एस्टेट, चाई-3 में एक फैक्टरी लगा रखी थी। इस फैक्टरी से देशभर में ड्रग्स की सप्लाई होती थी। इसके बाद पुलिस ने इको और ओसिता को 16 जनवरी को तिलक नगर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने बताया कि वह खुद ही ड्रग्स बनाते हैं और सप्लाई करते हैं। इसके बाद उनकी निशानदेही पर ग्रेटर नोएडा में पर में छापा मारा गया। वहां पर 20 किलो से ज्यादा कच्चा माल और करोड़ों रुपये की ड्रग्स बरामद की गई। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

तीन को मिल चुकी सजा, जमानत पर बाहर आए थे

पुलिस के अनुसार इन चार अफ्रीकी नागरिकों में से तीन को हरियाणा और पंजाब हाईकोर्ट ने 10-10 साल की सजा सुना रखी है। तीनों आरोपी जमानत लेकर बाहर आए हुए हैं। आरोपियों को पंजाब पुलिस ने ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया था। इसके बाद आरोपी ग्रेटर नोएडा से अपना कारोबार करने लगे। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने करीब 4 माह पहले ही यह फैक्टरी तैयार की थी।

रेव पार्टियों में किया जाता है ज्यादा इस्तेमाल

पुलिस अधिकारी ने बताया कि पकड़े गए एंफेटामाइन ड्रग की खूबी है कि इसका इस्तेमाल करने पर मुंह से बदबू नहीं आती। इसका नशा जल्दी और ज्यादा होता है। इसके चलते बड़ी संख्या में युवा इसका इस्तेमाल करने लगे हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि देशभर में आयोजित होने वाली रेव पार्टियों में इसका ही इस्तेमाल किया जाता है। दिन प्रतिदिन इसका प्रयोग बढ़ता ही जा रही है।

दिल्लीवालों का खत्म होगा इंतजार, 21 हजार को रामलला के दर्शन कराएगी BJP; कब जाएगा पहला जत्था

दिल्ली बीजेपी लोगों को आने वाले हफ्तों में रामलला के दर्शन करवाएगी। पार्टी ने इसे लेकर तैयारियां कर ली हैं। बीजेपी दिल्ली के 21,000 लोगों को अयोध्या के मंदिर लेकर जाएगी।

नई दिल्ली. अयोध्या के मंदिर में रामलला विराजमान हो चुके हैं। करोड़ों भक्त ऐसे हैं जो उनके दर्शनों के लिए ललायित हैं। ऐसे कुछ भक्तों को भगवान से मिलाने का काम बीजेपी करने वाली है।

पार्टी दिल्ली के 21,000 लोगों को अगले कुछ हफ्तों में अयोध्या लेकर जाएगी। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि पहला जत्था पांच फरवरी को चांदनी चौक से 1,500 लोगों के साथ रवाना होगा। इसके अगले दिन यानी 6 फरवरी को केशवपुरम से दूसरा जत्थे को ले जाया जाएगा।

बीजेपी दिल्ली के सात लोकसभा क्षेत्रों- नई दिल्ली, दक्षिण, उत्तर पश्चिम, चांदनी चौक, उत्तर पूर्व, पश्चिम और पूर्व, हर सीट से 3,000 लोगों को अयोध्या लेकर जाएगी। कपूर ने कहा कि पहले चरण में 21,000 लोगों को ट्रेन के जरिए अयोध्या ले जाया जाएगा। लोगों को दर्शन कराने का सिलसिला जारी रहेगा। बता दें कि आप ने बताया था कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत दिल्ली सरकार ने रामलला के दर्शन के लिए अतिरिक्त

जत्था अयोध्या भेजने की योजना बनाई है।

लोकसभा चुनाव करीब हैं, ऐसे में दिल्ली बीजेपी ने भी कई आउटरीच कार्यक्रमों की योजना बनाई है। लोकसभा के 543 सदस्यों को चुनने के लिए अप्रैल और मई के बीच देश भर में आम चुनाव होने की उम्मीद है। दिल्ली में लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है।

पिछले दो आम चुनावों में भाजपा ने दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की थी।

वहीं इस बार आप और कांग्रेस इंडिया गठबंधन के तहत मिलकर चुनाव लड़ सकते हैं।

भाजपा के सूत्रों ने कहा कि उम्मीदवार चयन प्रक्रिया शुरू करने से पहले प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में सर्वे किया जा रहा है। एक नेता ने कहा, हम सालों सर्वे करते रहते हैं। वर्तमान में काफी सरल सर्वे किए जा रहे हैं, जिसके परिणाम उम्मीदवारों पर आखिरी फैसला लेने के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ साझा किए जाएंगे।

पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति उम्मीदवारों के चयन पर अंतिम फैसला लेती है। जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करते हैं। इसमें कमेटी में 15

इतिहास गवाह है परिवर्तन की शुरुआत हमेशा हरियाणा से हुई है: दीपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़ (संजय अरोड़ा) हरियाणा राज्य सभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा कड़ाके की ठंड और भारी बारिश के बीच खेड़ीचोपटा में %घर-घर कांग्रेस, हर घर कांग्रेस% अभियान के तहत आयोजित कांग्रेस की जन-आक्रोश रैली में पहुंचे सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने वहां उपस्थित विशाल जनसमूह का अभिवादन करते हुए कहा कि हरियाणा बहादुर लोगों की धरती है और इतिहास गवाह है कि परिवर्तन की शुरुआत हमेशा हरियाणा से हुई है। दिल्ली किसकी है इसका निर्णय भी यहीं से हुआ है चाहे महाभारत हो या पानीपत की लड़ाई रही हो। उन्होंने कहा कि झूठ बोलकर जनता से वोट लेने वालों के दिन अब लद गये हैं। आगामी चुनाव में जनता झूठे वादे करने वालों का सूद समेत हिसाब-किताब कर देगी। ये लड़ाई हरियाणा के नौजवान, किसान, मजदूर, गरीब, वंचित वर्ग के भविष्य को बचाने की लड़ाई है। हरियाणा के चुनाव पर पूरे देश की नजर रहेगी। कड़ाके की ठंड और भारी बारिश के बीच खेड़ीचोपटा में भारी भीड़ उमड़ी थी जिसमें हजारों की संख्या में महिलाएं पहुंची थीं। दीपेंद्र हुड्डा ने जेजेपी पर हमला करते हुए कहा कि 2019 में हरियाणा में जनता से विश्वासघात कर सरकार बनायी गयी। लोगों ने बीजेपी-जेजेपी सरकार नहीं चुनी थी, बल्कि इसे नकारने का काम किया था। जनता ने तो बीजेपी सरकार और पार्टी दोनों को हरा दिया था। भाजपा के 14 में 12 मंत्रियों समेत पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष तक को हराकर वापस घर भेज दिया था। लेकिन जजपा ने अपने मतदाताओं को धोखा देकर 5100 रुपये बुढ़ापा पेंशन के नाम पर

भाजपा को समर्थन दिया, जो आज तक नहीं आई। असल में बीजेपी जेजेपी का समझौता 5100 रुपये बुढ़ापा पेंशन का नहीं बल्कि भ्रष्टाचार और लूट की खुली छूट का था। सरकार बनने के बाद प्रदेश में एक के बाद एक घोटाले किये गये। शराब घोटाला, माईनिंग घोटाला, रजिस्ट्री घोटाला समेत 30 से ज्यादा भर्ती घोटाले अंजाम दिये गए। एचपीएससी, एसएचएससी दफ्तरों में करोड़ों रुपये की घूस पकड़ी गयी। हरियाणा की नौकरियां यहाँ के युवाओं को न मिलकर दूसरे प्रदेश के युवाओं को मिल रही है। जेजेपी ने सारी नैतिकता ताख पर रखकर अपने मतदाताओं, किसानों, महिला खिलाड़ियों समेत हर वर्ग के साथ विश्वासघात किया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में अपने मतदाताओं के साथ विश्वासघात करने वाली जेजेपी की 1 सीट पर भी जमानत नहीं बचेगी।

जनसभा में उमड़ी भारी भीड़ से उत्साहित सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि आज हरियाणा में लोग आशा भरी निगाहों से कांग्रेस की तरफ देख रहे हैं। इस सरकार ने हरियाणा बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महंगाई में और लोगों का अपमान करने में भी नंबर 1 बना दिया। बीजेपी सरकार ने हर वर्ग को अपमानित करने का काम किया है। किसान, मनरेगा मजदूर, खिलाड़ी, चौकीदार, कर्मचारी, सरपंच, महिलाएं, आशा वर्कर, बुजुर्ग और बच्चों तक को इस सरकार के खिलाफ सड़कों पर आना पड़ा। उन्होंने कहा कि हरियाणा की पहचान जय जवान, जय किसान की थी। लेकिन इस सरकार ने न जवान छोड़े, न किसान छोड़े। अग्निवीर योजना लाकर जवानों के फौज में जाने का सपना तोड़ दिया। पहले हर साल साढ़े 5 हजार की भर्ती होती थी अब 900 भर्ती हो रही है इसमें से भी 700 अग्निवीर 4 साल बाद वापस लौट जायेंगे। इसी तरह एक साल तक चले किसान आंदोलन में 750 किसानों को अपनी जान कुर्बान करनी पड़ी। किसानों को देशद्रोही, आतंकवादी और न जाने कैसे कैसे अपमानजनक ताने कसे गए। दीपेंद्र हुड्डा ने अपने संकल्प दोहराते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार आने पर बुजुर्गों को देश में सबसे ज्यादा 6000 रुपये बुढ़ापा पेंशन, कर्मचारियों को पुरानी पेंशन स्कीम, गरीब परिवारों को 100-100 गज के मुफ्त प्लॉट व 3.5 लाख रुपये की लागत से 2 कमरे के मकान, किसान को एमएसपी गारंटी, किसान आंदोलन में शहीद किसानों के परिवार में एक सरकारी नौकरी देंगे, हर परिवार को 300 यूनिट फ्री बिजली, खिलाड़ियों के लिए पदक लाओ पद पाओ नीति से जोड़ेंगे, हर गृहणी को 500 रुपये में घरेलू गैस सिलेंडर, खाली पड़े 2 लाख सरकारी पदों पर नौजवानों को समयबद्ध नियुक्ति दिलाएंगे, हर गाँव शहर को पूर्ववर्ती हुड्डा सरकार के समय वाले विकास से जोड़ेंगे।

नारनौंद संकल्प पद यात्रा के समापन पर इस कार्यक्रम का आयोजन जस्सी पेटवाड़ ने किया था। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश, पूर्व मंत्री सुभाष गोयल, पूर्व विधायक रामनिवास घोड़ेला, पूर्व विधायक रामभगत शर्मा, पूर्व विधायक नरेश सेलवाल, रिटायर्ड आईएएस चंद्रप्रकाश, प्रो. वीरेंद्र सिंह, जस्सी पेटवाड़, धर्मबीर गोयत, अनिल मान, कुलवंत मोर, बीर सिंह दलाल, वीरेंदर गोगड़िया, हनुमान वर्मा, तेजबीर पुनिया, राजेंदर सूरा, प्रदीप बिश्नोई, सुरेंदर पंघाल, सतेंदर सहारण, योगेन्दर योगी, तेलूराम जांगड़ा, सुमन शर्मा, दिलबाग संडील, नरेंदर गागड़वास, छत्रपाल सोनी, जयसिंह पाली, भूपेंदर कासनिया, बिजेंदर हुड्डा, सुखबीर डूडी, कालू पंडित, दिलबाग मोर, कृष्ण नांगली, ओमप्रकाश ढांढा, रणदीप लोहान, किरण मलिक, बाबूलाल शर्मा, राजेश कासनिया, रामनिवास खेड़ी, धर्मवीर सिंह लोहान, शमशेर मलिक समेत बड़ी संख्या में स्थानीय नेता, फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आपके नाम में राम-सीता, लक्ष्मण या हनुमान है? NCR में यहां मुफ्त मिलेगा खाना, नोट कर लें एड्रेस

इन दिनों पूरे भारत राममय नजर आ रहा है। हाल ही में अयोध्या के राम मंदिर में रामलला विराजमान हुए हैं। जिन्हें देखने के लिए रोजाना लाखों भक्त पहुंच रहे हैं। हर कोई अपने आराध्य राम के लिए कुछ करना चाहता है। इसी कड़ी में नोएडा के एक रेस्टोरेंट ने अनोखा कदम उठाया है। रेस्टोरेंट में उन लोगों को फ्री में खाना खिलाया जाएगा जिनके नाम में राम, सीता, लक्ष्मण या हनुमान आता है। वो भी एक-दो बार नहीं बल्कि हमेशा के लिए। नोएडा सेक्टर-16 मेट्रो स्टेशन से उतरते ही यह बैनर आपको दिख जाएगा जोकि आजकल चर्चा का विषय बन गया है।

बैनर में क्या लिखा

बैनर में लिखा है, राम मंदिर बनने की खुशी में श्री राम जी, सीता जी, श्री लक्ष्मण जी, श्री बजरंग बली जी नाम वालों को खाना फ्री हमेशा के लिए। इन लाइनों को पढ़कर हर कोई जानना चाहता है कि ऐसा कौन भलामानस है जिसने राम मंदिर बनने पर हमेशा के लिए मुफ्त खाना खिलाने का ऐलान किया है। तो आपको बता दें कि इस बैनर के नीचे बॉबी फूड कॉर्नर नाम से एक छोटी सी फूड वैन खड़ी रहती है। जिसे ओवैस खान चलाते हैं। इसके जरिए उनके घर की रोजी-रोटी चलती है।

मुस्लिम होकर राम के नाम पर फ्री खाना क्यों

ओवैस खान ने बकायदा बैनर लगाकर ऐसे लोगों को हमेशा फ्री में खाना खिलाने का वादा किया है जिनके नाम में राम, सीता, लक्ष्मण या हनुमान आता है। मुस्लिम होकर उन्होंने ऐसा कदम क्यों उठाया? इसके जवाब में ओवैस खान कहते हैं कि जब राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई तब लोग हमपर तंज कस रहे थे, कह रहे थे कि तुम्हे तो खुशी नहीं हुई होगी। ऐसे ही लोगों को एकता का संदेश देने के लिए यह कदम उठाया गया। उन्होंने कहा कि हिंदू-मुस्लिम एकता को कोई नहीं तोड़ सकता। हमें भी हिंदुओं की ही तरह राम मंदिर बनने की खुशी है।

गृहमंत्री का निजी सचिव बन रुकवाई रजिस्ट्री, कारोबारी से ऐंठे 12 लाख

नई दिल्ली. यूपी के मथुरा के रहने वाले एक कारोबारी से गृहमंत्री का निजी सचिव बनकर ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने कारोबारी की फर्म की रजिस्ट्री को रुकवाकर वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में स्पेशल सेल ने शिकायतकर्ता आशीष कोहली के बयान पर मामला दर्ज कर एक महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं, निजी सचिव बनने वाले शख्स की तलाश चल रही है। आशीष कोहली मथुरा में कारोबार करते हैं। वर्ष 2023 में वह अपनी फर्म की रजिस्ट्री करवाने रजिस्ट्रार के पास पहुंचे। वहां पता चला कि गृहमंत्री के निजी सचिव ने रजिस्ट्रार को कॉल कर रजिस्ट्री रुकवाई है। रजिस्ट्रार की तरफ से दिए गए मोबाइल नंबर पर जब उन्होंने संपर्क किया तो उस शख्स ने खुद को गृहमंत्री का निजी सचिव बताया। उसने बताया कि कानून मंत्री के सलाहकार नितिन गुप्ता के निर्देश पर यह रजिस्ट्री रुकवाई गई है। इसके बाद नितिन गुप्ता ने कॉल कर उन्हें मिलने के लिए दिल्ली बुलाया। उसने खुद को कानून मंत्री का सलाहकार बताया। यहां उसने गृहमंत्री का निजी सचिव बताकर वरुण चौहान (असली नाम) को उनसे मिलवाया। वहीं, शिखा गुप्ता को गृहमंत्री के निजी सचिव का सचिव बताकर मिलवाया। उन्होंने 12 लाख रुपये लेकर यह रोक हटाने की बात कही। आशीष को झांसे में लेने के लिए उन्होंने 12 अप्रैल का एक फर्जी अदालत का आदेश भी दिखाया। उन पर विश्वास होने के चलते पीड़ित कारोबारी ने यह रकम दे दी। बाद में ठगी का एहसास होने पर उन्होंने मामले की शिकायत स्पेशल सेल से की। पुलिस ने नितिन गुप्ता और उसकी पत्नी शिखा गुप्ता को गिरफ्तार किया है। वहीं, गृहमंत्री का निजी सचिव बनने वाला वरुण चौहान फिलहाल फरार है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने आरोपी शिखा गुप्ता की जमानत याचिका और आरोपी वरुण चौहान की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

सुनील जाखड़ ने अश्विनी सेकड़ी को बनाया चीफ कोआर्डिनेटर मीडिया

चंडीगढ़(संजय अरोड़ा), भारतीय जनता पार्टी पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष सुनील

जाखड़ द्वारा सीनियर लीडरशिप के साथ विचार विमर्श के बाद चीफ कॉर्डिनेटर मीडिया की नियुक्ति की गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ द्वारा चीफ कॉर्डिनेटर मीडिया के पद पर अश्वनी सेकडी की नियुक्ति की गई है।

NAME CHANGE

I, KALINDI TIWARI Mother of No. 17005685M Rank-NK Name- SHATRUGHAN TIWARI R/o VILL-BHIMPUR, PO & DIST-DEORIA, UTTAR PRADESH-274001, have changed my name from KALINDI TIWARI to KALINDA for all future purposes vide affidavit dated 31/01/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारे ग्राहक सुश्री रजनी फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट नंबर 18 और 19 की मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 200+200=400 वर्ग गज खसरा नंबर 92/2 है, जो खजूरी खास इलाका शाहदरा दिल्ली-94 की आबादी में ग्राम मीरपुर तुर्क में स्थित है। दिनांक 08.12.2003 के एटीएस और वसीयत के साथ नोटरीकृत जीपीए और दिनांक 15.12.2003 के एटीएस और वसीयत के साथ नोटरीकृत जीपीए के आधार पर, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, वही संपत्ति श्री नितिन गुप्ता को बेची गई और इसे आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड शाखा कौशांबी, उत्तर प्रदेश। द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010,
Contact at-09958871432

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that my client Mrs. Suman Sharma W/o Mr. Prem Chand Sharma who is the owner of Residential Plot on Land area measuring 125+35=160 Sq. Yds, i.e. 133.78 Sq. Meters, out of Khasra No.619, Situated at Village Nangla Firoz Mohanpur, Pargana Jalalabad, Tehsil & District Ghaziabad owner through two Sale Deeds vide (1) Sale Deed dated 28.12.2011 executed by Mr. Devinder Singh in respect of Residential Plot on Land area measuring 125 Sq. Yds, vide Doc. No.13060, & (2) Sale Deed dated 11.12.2013 executed by Mr. Inderpal Singh in respect of Residential Plot on Land area measuring 35 Sq. Yds, vide Doc. No.17461, and same property to be financed by Satya Micro Housing Finance Private Limited, having its registered office at Dpt-519 5th Floor, Dlf Prime Tower Block-F Okhla Phase 1, New Delhi-110020 & having its corporate Office at Prius Heights, 7th Floor, Sector 125, Noida-201303. That, Original Sale Deed dated 27.06.1997 executed by Mr. Inderpal Singh in favour of Mr. Devinder Singh in respect of Plot on land area measuring 125 Sq. Yds., vide Doc. No.1457, Book No.1, Vol. No.417, on pages 88-91, registered on 27.06.1997 in SR-Ghaziabad has been lost/misplaced and FIR for the same has been lodged through FIR dated 27.01.2024 vide L.A.R. No.20240000061136. If any person(s) objection for subject property, then kindly may contact the undersigned along with original property document, within 7 days from date of this notice on below mentioned address, failing which, the claim as per aforesaid shall be treated as null and void in respect of the subject property.

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE

I, ABRAR AHMAD S/O MOHAMMAD NAEEM R/O A-17, MURADI ROAD, BATLA HOUSE, OKHLA, NEW DELHI-110025, mistakenly entered my father name NAEEM AHMAD in my passport whereas the correct name of my father's is "MOHAMMAD NAEEM" and to be known as "MOHAMMAD NAEEM" for all purpose in future

NAME CHANGE

I, PUNAMPUNEET KAUR Daughter of JC-501163H Rank-HONY LT, Name-BALJIT SINGH presently residing at VPO-POOHLI, TEH-NATHANA, DISTRICT-BATHINDA, PUNJAB-151102 have changed my name from PUNAMPUNEET KAUR to POONAMPNEET KAUR for all future purposes vide affidavit dated 31/01/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

This is to inform general public at large that our client, Mr. Mohd Sabir Malik & Mrs. Basrat Malik who have approached Indo Star Home Finance Pvt. Ltd. for the purchasing of Built-Up Ground Floor without Roof/Terrace Rights, Built on West/Back Side Portion of Plot/Property Bearing No. WZ-14 - A, Plot No. 33, area measuring 50 Sq. Yds., Part of Rect No. 32, Killa No. 2, (Khasra No. 32/12), Situated in the area of Village Khyala Delhi, State Delhi Colony Known as Ravi Nagar, New Delhi - 110018. Mrs. Sayara Begam Purchased this property from Mrs. Sagufta Ansari and became owner vide Sale Deed regd. as Doc. No. 3955, Vol. No. 24255, Pages 63-71, Book No.1, dated 09.04.2019, SR-II Basai Darapur. It is to mention that the Original Sale Deed Dated 15.05.2018 Executed by Mr. Asrar Hussain S/o. Mr. Riyaz Hussain in favour of Mrs. Sagufta Ansari W/o. Mr. Mohd Afzal Ansari in respect of Ground Floor Without Roof/Terrace Rights, Built - Up West/Back Side Portion of Plot/Property Bearing No. WZ-14 - A, Plot No. 33, area measuring 50 Sq.Yds. (41.8 Sq.Mtrs), Part of Rect No. 32, Killa No. 12, (Khasra No. 32/12), Situated in the area of Village Khyala Delhi, State Delhi Colony Known as Ravi Nagar, New Delhi - 110018. (Regd. as Doc. No. 5644, Vol. No. 23722, Pages 148-156, SR-II) is lost by the Customer. And the said property is going to be mortgaged in Indo Star Home Finance Pvt. Ltd., Netaji Subhash Place Branch, Pitampura, New Delhi. All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim (Objection to Khasra Number), demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled.

Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF, Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New Delhi-110059

अजन्मे बच्चे का ख्याल रखना भी कोर्ट की ड्यूटी

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि अजन्मे बच्चे और मां के हितों का ख्याल रखना भी अदालतों की एक ड्यूटी है। इसके साथ ही सर्वोच्च अदालत ने 26 वर्षीय एक विधवा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें 32 सप्ताह के गर्भा को समाप्त करने की मांग की गई थी। पीड़ित महिला, जो मानसिक आघात और अवसाद के कारण गर्भावस्था को आगे नहीं बढ़ाना चाहती थी, की ओर से दायर याचिका को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को सही ठहराया। हाई कोर्ट ने इस मामले में पहले ही एम्स के डॉक्टरों का एक मेडिकल बोर्ड गठित कर जांच करवाई थी, जिसमें पाया गया था कि अजन्मा बच्चा सामान्य है। चिकित्सा विशेषज्ञों की राय के आधार पर हाई कोर्ट ने 23 जनवरी को महिला की याचिका खारिज कर दी थी। उसके बाद उस आदेश के खिलाफ महिला ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, भ्रूण में कोई गड़बड़ी या असामान्यता नहीं है बल्कि बच्चा बिल्कुल सामान्य शरीर वाला है। इसलिए इस याचिका पर हम विचार नहीं कर सकते हैं।÷ इस पर याचिकाकर्ता के वकील राहुल शर्मा ने कहा, ÷हमें मां के बारे में सोचना चाहिए न कि अजन्मे भ्रूण के बारे में। वह एक विधवा है और वह इस सदमे के साथ जीना नहीं चाहती। यह गर्भावस्था उसकी पसंद और इच्छा के विरुद्ध है जो और अधिक आघात का कारण बनेगी। याचिकाकर्ता के वकील की दलीलों पर खंडपीठ के दूसरे जज जस्टिस प्रसन्ना बी वराले ने कहा, हमें सिर्फ एक की नहीं बल्कि भ्रूण और मां दोनों की देखभाल करनी है। यह कहते हुए उन्होंने याचिका खारिज कर दी। खंडपीठ ने पाया कि दिल्ली हाई कोर्ट पहले ही केंद्र या राज्य सरकार को निर्देश दे चुकी है कि अगर महिला सरकारी अस्पताल में बच्चे को जन्म देने का विकल्प चुनती है तो उसके सभी चिकित्सा खर्च सरकार उठाएगी।

NAME CHANGE

I, Manjushri W/O No jc-462465w Nb/sub- Bhoite abhaysinh daulat Vill - kinhai Post- kinhai Tah - koregaon Dist - satara Maharashtra Pin code-415021 Have changed name from manjushri to manjushri abhaysinh bhoite for all future purpose vide Affidavit Date 31 Jan 2024 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE

I VARSHA YADAV, W/O MRINAL KHURANA, R/O H. NO.-184 ,First Floor, Sector -5 wavecity ,NH-24, Ghaziabad, Uttar Pradesh -201002 have changed the name of my minor son YUVIN MRINAL KHURANA aged 7 years and he shall hereafter be known as YUVIN YADAV.

NAME CHANGE

I, MAHDUBAI M/O 2801279k Hav thanage milind chhabu Vill-hiware bazar Post-daithane gunjal Tel- ahmednagar District -ahmednagar State Maharashtra Pin 414103 Have changed name from MAHDUBAI to MANDABAI CHHABU THANGE for all future purpose vide affidavit Date 31 Jan 2024 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE

I hitherto known as NIBOO LAL S/O KHILADI YADAV R/O 53 SAPERA BASTI, GHAROLI, EAST DELHI-110096 have changed my name and shall hereafter be known as NEEMBU LAL.

नाम परिवर्तन

मैं,संगीता गुप्ता पुत्री स्वर्गीय श्री राम किशोर गुप्ता पत्नी श्री एम.एन. राव निवासी 41-बी, सेक्टर-11, धवन गिरी अपार्टमेंट, नोएडा, उत्तर प्रदेश, 201301। मैंने श्री एम.एन. राव से शादी के बाद भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए मेरा नाम बदलकर *संगीता राव* कर दिया है।

NAME CHANGE

I, Mohd Zeeshan s/o Hassin Uddin R/o at H.NO.1208/B, Street No.39/4, Nr. Khajoor Wali Masjid, Jafrabad, Delhi-110053, have changed my name to Zeeshan permanently

NAME CHANGE

I, FARAH JAVED W/o ISHRAT ZAFAR residing at K-46, GROUND FLOOR, BATLA HOUSE, OKHLA, DELHI-110025 have changed my name to FARHA JAVED for all future purpose

NAME CHANGE

I, hitherto known as I, SAQIB Son of mohammad hashim residing at h no-2523, kucha baqaullah, tiraha behram khan, darya ganj, delhi-110002 have changed my name and shall hereafter be known as saqib khan.

NAME CHANGE

I, VINOD KUMAR S/O BHRAHMANAND residing at 158-A, DDA FLATS,, HARI NAGAR, ASHRAM, DELHI-110014 have changed my name to VINOD GUPTA permanently.

NAME CHANGE

I,Raviraj son of no-2809615A Nk Rupnur Kashinath Bharmu R/O vill-Khanderajuri POST- Khanderajuri TEH - Miraj DIST - Sangli Maharashtra PIN CODE -416410 have changed my name from Raviraj to Raviraj kashinath rupnur For allfuture purposes vide Affidavit dated 31/01 /2024 before Notary public, Delhi

NAME CHANGE

I, ARTI KUMARI wife of No. 15781099Y Rank-HAV Name-SHIORAJ PANDIT presently residing at BIMARI, BHOJPUR ARA, CHAUGHARA, BHOJPUR, BIHAR-802154 have changed my name from ARTI KUMARI to ARTI DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 31/01/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, KETAKI PRAJAPATI Wife of No. 15210490H Rank-HAV Name-RAJENDRA KUMAR presently residing at VPO-PAPRENDA, TEH+DIST-BANDA, UTTAR PRADESH-210001 have changed my name from KETAKI PRAJAPATI to KETKI PRAJAPATI for all future purposes vide Affidavit Dated 31/01/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, KARIYAV KANWAR Mother of No. 16022383A Rank-NK Name-VIKRAM presently residing at 266 25A, GALI NO-30, B J S COLONY, JODHPUR, RAJASTHAN-342006, have changed my name from KARIYAV KANWAR to DARIYAV KANWAR for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 22/03/1965 instead of my correct date of birth as 01/06/1967 vide affidavit dated 31/01/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I,Pruthviraj son of no-2809615A Nk Rupnur Kashinath Bharmu R/O vill-Khanderajuri POST- Khanderajuri TEH - Miraj DIST - Sangli Maharashtra PIN CODE -416410 have changed my name from Pruthviraj to Pruthviraj kashinath rupnur For allfuture purposes vide Affidavit dated 31/01 /2024 before Notary public, Delhi

NAME CHANGE

I, ZULFIQAR AHMAD S/O KHALID SAIFULLAH residing at E-100 2ND FLOOR ABDUL FAZAL ENCLAVE HARI KHOTI ROAD NEW FRIENDS COLONY DELHI-110025 have changed my name to ZULFIQUAR AHMAD for all future purpose.

NAME CHANGE

It is for general information that I,SUKHDEV SINGH NEGI S/o Late Shri. B.S Negi, R/o H.No.B-86, Phase-1, Aya Nagar, New Delhi-110047, declare that name of mine has been wrongly written as SUKHDEV SINGH in my service record. The actual name of mine is SUKHDEV SINGH NEGI , which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, SAPNA RANI GANDHI W/O SHYAM SUNDAR MALHOTRA residing at 842 MANTOLA PAHAR GANJ SWAMI RAM TIRTH NAGAR DELHI-110055 have changed my name to SAPNA MALHOTRA for all future purpose.

NAME CHANGE

I hitherto known as SHANTI BHATNAGAR VERMA W/o PRANAYA VERMA, R/o House No.78, Anukampa Chitra Vihar, Behind, Swasthya Vihar, Vikas Marg, Delhi-110092, have changed my name and shall hereafter be known as SHURUTI BHATNAGAR

मिशन कर्मयोगी हरियाणा के तहत 31 जनवरी को एचपीए मधुबन में होगा एथिक्स कॉन्क्लेव का आयोजन

करनाल। हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान गुरूग्राम (हिपा) द्वारा मिशन कर्मयोगी हरियाणा कार्यक्रम के तहत 31 जनवरी को दोपहर 2 बजे हरियाणा पुलिस एकेडमी मधुबन के हर्षवर्धन सभागार में आयोजित होने वाले एथिक्स कॉन्क्लेव में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। इस मौके पर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज जी की भी गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। इस कार्यक्रम में हरियाणा के सीनियर आईएएस, आईपीएस, आईएफएस तथा एचसीएस स्तर के करीब 361 अधिकारी शामिल होंगे।

उपायुक्त अनीश यादव ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को अधिकारियों की टीम के साथ कार्यक्रम स्थल का दौरा करके प्रबंधों का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने इस मौके पर एचपीए मधुबन से आईजी डॉ. राजश्री सिंह, एसपी करनाल शशांक कुमार सावन, मधुबन से एसपी पुष्पा खत्री के साथ तैयारियों को लेकर एक-एक बिंदू पर विस्तार से चर्चा की। उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और स्टाफ की ड्यूटियां भी लगाई गई हैं।

बता दें कि हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान, गुरुग्राम (हिपा) मिशन कर्मयोगी हरियाणा प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह कार्यक्रम 20 नवंबर, 2023 से शुरू किया गया था। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम मिशन कर्मयोगी हरियाणा (एमकेएच) का उद्देश्य हरियाणा सरकार के सभी कर्मचारियों और हित धारकों के साथ शासन में नैतिक व्यवहार, मूल्यों और सिद्धांतों के महत्व को सुदृढ़ करना है। हरियाणा सरकार द्वारा अपने 3 लाख से अधिक कर्मचारियों के नैतिक प्रशिक्षण के लिए मिशन कर्मयोगी हरियाणा कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। यह किसी राज्य के सभी अधिकारियों को शामिल करने वाला पहला नैतिक प्रशिक्षण है। मिशन कर्मयोगी हरियाणा कार्यक्रम हरियाणा को देश में नैतिकता प्रशिक्षण में अग्रणी बनाएगा और हरियाणा के भविष्य के लिए तैयार, ईमानदार और नागरिक केंद्रित प्रशासन के इरादे को स्थापित करेगा। नैतिकता और मूल्य, सुशासन के महत्वपूर्ण अंग हैं। वे व्यक्तियों और संगठनों के व्यवहार और निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

स्काई लार्क पर्यटन केंद्र सभागार में एक्सपोर्ट एंड इकनोमिक विषय पर राष्ट्र स्तरीय सम्मेलन आयोजित

पानीपत। केंद्र सरकार के सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के एम.एस.एम.ई-विकास कार्यालय, करनाल द्वारा मंगलवार को स्काई लार्क पर्यटन केंद्र के सभागार में एक्सपोर्ट एंड इकनोमिक विषय पर एक राष्ट्र स्तरीय के सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में लगभग 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सम्मेलन में विभिन्न विभागों के प्रतिभागियों ने भाग लेकर सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम की योजनाओं व लाभों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता एम.एस.एम.ई-विकास कार्यालय, करनाल के निदेशक संजीव चावला ने की। कार्यक्रम में आद्योगिक नगरी के कई उद्यमियों ने भाग लिया। सेमिनार के दौरान जिले की विभिन्न एसोशिएसनों ने भी अपने विचार सांझा किये तथा अपनी सफलता में एम.एस.एम.ई-विकास कार्यालय, करनाल की भूमिका का उल्लेख किया। सेमिनार में प्रश्नोतरी सेशन का भी आयोजन किया गया। एम.एस.एम.ई-विकास कार्यालय, करनाल के सहायक निदेशक सतपाल ने कार्यक्रम में आये हुए अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया। सेमिनार में एमएसएमई सेंटर पानीपत जिला के सहायक निदेशक दीपक वर्मा ने राज्य सरकार की निर्यात नीतियों पर प्रकाश डाला। सेमिनार में संजीव चावला ने कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी व बताया कि कैसे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयां एक्सपोर्ट एवं ई कामर्स पद्धति को अपना कर आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को अवगत कराया कि उद्यमियों में उर्जा का अपार भंडार है जो सभी समस्यायों को झेलते हुए आगे बढने की क्षमता रखते हैं और उद्यमियों को क्यूसीडी (क्विालटी, कोस्टिंग एंड डिलवरी) मंत्र को हमेशा याद रखने के लिए कहा तथा भिन्न भिन्न तरह के विजनेस टूल के बारे में जानकारी दी। सेमिनार में निर्यात से सम्बंधित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने अपने विभागों की विभिन्न नीतियों और योजनाओं की जानकारी प्रतिभागियों के साथ सांझा की तथा जिले की विभिन्न एसोशिएसनों ने निर्यात के लिए सुझाव दिए और अपनी समस्याओं के बारे में भी चर्चा की।

सेमिनार में इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद के क्षेत्रीय निदेशक (नई दिल्ली) राकेश सूरज ने उत्पादों के लिए निर्यात के अवसरों के बारे में प्रतिभागियों को संबोधित किया व अपने अनुभव सांझा किये। कार्यक्रम में विदेश व्यापार कार्यालय (पानीपत) के संयुक्त निदेशक विशाल शर्मा ने निर्यातकों के लिए जरूरी पंजीकरण प्रक्रिया और योजनाओं के बारे में बताया। सेमिनार में कुलदीप सिंह, शाखा प्रबंधक, निर्यात ऋण गारंटी निगम लिमिटेड (इसीजीसी) ने प्री, पोस्ट शिपमेंट क्रेडिट, इन्शोरैंस कवर, विदेशी बाजार की पहचान आदि विषयों पर व्याख्यान दिया।

सेमिनार में इंडियन ट्रेड पोर्टल के प्रतीक अशोक नावले, तथा मनीष शर्मा, फेडरेशन ऑफ़ इंडियन एक्सपोर्ट ओर्गेनाईजेशन (एफआईईओ) ने ट्रेड इनफोमेंसन पोर्टल के माध्यम से निर्यात से संबंधित विस्तार से चर्चा की। सेमिनार में कॉ-फाउंडर डिजीटल द्रौणाचार्य प्राईवेट लिमिटेड सोनीपत के आकाश शर्मा और गवर्मेंट आफ इक्पेंशन प्रोजेक्ट ओएनडीसी (दिल्ली) सुश्री अदिति सिंघा ने ई कामर्स मार्केटिंग के बारे में विस्तार से चर्चा की। सेमिनार में स्माल इंडस्ट्रीज इंजीनियरिंग वर्कशॉप एसोसिएशन पानीपत के प्रधान सुखवीर सिंह मलिक ने सभी प्रतिभागियों का आभार प्रकट किया।

हरियाणा राज्य सरकार के पेंशनभोगी के लिए पुरानी आयकर व्यवस्था के तहत ऑनलाइन/ऑफलाइन (12बीबी फार्म) जमा करने के लिए सुविधा उपलब्ध करवाई गई

पानीपत। जिला खजाना अधिकारी हजारा सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार के पेंशनभोगियों की सुविधा के लिए, पुरानी आयकर व्यवस्था के तहत पेंशनभोगी द्वारा अस्थायी बचत की ऑनलाइन घोषणा और उसके प्रमाण (12बीबी फार्म) जमा करने के लिए ई-पेंशन प्रणाली के तहत एक मॉड्यूल विकसित किया गया है। यह विकल्प वेबपेज एचटीटीपीएस:-//ईपेंशनएचआरवाईडॉटएनआईसीडॉटइन/ पर दिए गए पेंशनभोगी लॉगिन के तहत उपलब्ध है, जिसमें पेंशनभोगी यूजर-आईडी के रूप में पीपीओ नंबर/यूनिक कोड (यूसीपी) और अपनी जन्मतिथि का उपयोग करके लॉगिन कर सकते हैं। पेंशनभोगी वित्तीय वर्ष के 1 अप्रैल से 30 जून के बीच पेंशनभोगी के लॉगिन में ऑनलाइन प्रदान किए गए 1288 फार्म के तहत अपनी बचत की घोषणा कर सकते हैं और उन्हें 1 जनवरी से 10 जून तक उपर्युक्त मॉड्यूल के माध्यम से बचत का प्रमाण पीडीएफ प्रारूप में अपलोड करना होगा। जो पेंशनभोगी अपनी लॉगिन आईडी के माध्यम से अपनी बचत घोषित/अपलोड करने में सक्षम नहीं हैं, उनके लिए ट्रेजरी/उप-कोषागार के स्तर पर समान प्रावधान दिया गया है ताकि टीओ/एटीओ पेंशनभोगियों द्वारा जमा की गई बचत की घोषणा और उसके प्रमाण अपलोड कर सकें। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर पेंशनभोगी द्वारा बचत का प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया जाता है, तो ई-पेंशन प्रणाली बचत आदि पर विचार किए बिना स्वचालित रूप से टीडीएस की पुनर्गणना करेगी और पुरानी आयकर व्यवस्था के अनुसार देय टीडीएस काटा जाएगा।

प्रदेश में हुआ सीसीटीवी खरीद घोटाला : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री, कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य, हरियाणा कांग्रेस की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और उत्तराखंड की प्रभारी कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार की नाक के तले प्रदेश में सैकड़ों करोड़ रुपये का सीसीटीवी खरीद घोटाला हुआ है। हजारों करोड़ रुपये के कैमरों की खरीद अलग-अलग महकमों के मार्फत की गई। इस घोटाले को कमीशनखोरी के चक्कर में अंजाम दिया गया। यही वजह है कि प्रदेश के अधिकतर शहरों में सीसीटीवी कैमरे ठप पड़े हैं।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि सुरक्षा के नाम पर भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार ने सीसीटीवी कैमरे खरीदने और इन्हें लगाने की एवज में प्रदेश भर में हजारों करोड़ रुपये खर्च किए। एक ही कंपनी के कैमरे अलग-अलग शहरों में अलग-अलग दाम पर खरीदे जाने से साफ है कि बड़े खरीद घोटाले को अंजाम दिया गया। टेंडर फाइनल करते समय नीचे से ऊपर तक खूब कमीशन बंटा। कैमरे, पोल और इंस्टालेशन के कार्य भी अलग-अलग फर्म से कराए गए। जिसने ज्यादा कमीशन दिया, उसे ज्यादा

काम अलॉट कर दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह कितनी हैरानी की बात है, इन्हें किसी एक एजेंसी के जरिए खरीदने की बजाए अलग-अलग महकमों के जरिए खरीदा गया। कहीं पुलिस के खाते से पेमेंट कराई गई तो कहीं नगर निगम, नगर परिषद या नगर पालिका का खजाना लुटाया गया। भारी-भरकम खर्च के बाद अधिकतर शहरों में कैमरे ठप पड़े हैं, क्योंकि खरीदते समय क्वालिटी की बजाए कमीशनखोरी पर ही सारा ध्यान था। एक-आध शहर को छोड़ दें तो बाकी में 50 प्रतिशत से अधिक कैमरे खराब हो चुके हैं।

कुमारी सैलजा ने कहा कि सीसीटीवी कैमरों की खरीद की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराई जानी चाहिए। निष्पक्ष जांच से ही पता चल पाएगा कि चंडीगढ़ में बैठे सत्ताधारियों के पास कितना कमीशन पहुंचा है। जांच न होने पर इनके हौंसले और अधिक बुलंद हो जाएंगे और सीसीटीवी खरीद का यह घोटाला आगे भी निरंतर चलता रहेगा। किसी भी अपराध के बाद आरोपियों का कैमरों की नजर में न आना कमीशनखोरी का ही परिणाम है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार के कृत्यों पर नजर दौड़ाएं तो यह कोई पहला घोटाला नहीं है। प्रदेश सरकार के कितने ही घोटाले सामने आ चुके हैं। लेकिन, इनकी जांच को अंजाम तक पहुंचाने की बजाए इन पर पर्दा डालने का प्रयास किया जाता है। हर बार आरोपियों को सिर्फ इसलिए संरक्षण दिया जाता है, ताकि सरकार में बैठे कमीशनखोरों पर कोई आंच न आए।

एक फरवरी को भिवानी के कैरू से शुरू होगी कांग्रेस संदेश यात्रा

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला और विधायक एवं पूर्व मंत्री किरण चौधरी 01 फरवरी को सुबह 09.30 बजे पूर्व मंत्री एवं विधायक किरण चौधरी के आवास पर प्रेस वार्ता, सुबह 10.15 बजे भिवानी के कैरू से कांग्रेस संदेश यात्रा प्रस्थान कर तोशाम, भिवानी (सेंट्रल जेल के सामने), भिवानी (हांसी गेट), भिवानी (रोहतक गेट), भिवानी जित्तू पतित पावन, भिवानी (घंटा घर), शाम 04.00 बजे जींद की जाट धर्मशाला अर्बन एस्टेट में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे।

अग्रवाल वैश्य समाज के युवा प्रदेश अध्यक्ष रवि गर्ग ने राज्यसभा में अग्रवाल समाज को प्रतिनिधित्व देने की मांग की

चरखी दादरी। देश मे वैश्य समाज की जनसंख्या करीब 16 करोड़ से अधिक है। यह समाज एक धर्मपरायण व सामाजिक व्यस्था चलाने वाला जन-जन की सेवा करने वाला समाज है। देश की आजादी एवं निर्माण में इसका अहम योगदान है। वहीं हरियाणा विधानसभा में भाजपा के 40 में 7 विधायक व एक निर्दलीय विधायक जिसका समर्थन भाजपा को हैं अग्रवाल समाज से हैं। इसी आधार पर अग्रवाल समाज को राज्यसभा में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। ये बात वैश्य अग्रवाल समाज युवा प्रदेश अध्यक्ष रवि गर्ग बधवानिया ने मंगलवार को प्रेस को जारी बयान में कही। बधवानिया ने कहा कि अग्रवाल समाज का हरियाणा में अभी तक कोई भी सांसद ना ही लोकसभा में है और ना ही राज्यसभा में। इसलिए हरियाणा में एक राज्यसभा सीट पर व एक लोकसभा सीट पर अग्रवाल समाज के किसी वरिष्ठ एवं सक्रिय कार्यकर्ता को प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज से अनेक नेता ऐसे हैं जिन्होंने सालों से पार्टी के निष्ठावान सिपाही बनकर पार्टी की सेवा की है। पार्टी का भी दायित्व है कि इन्हीं में से किसी योग्य व निष्ठावान कार्यकर्ता को प्रतिनिधित्व का अवसर प्रदान कर अग्रवाल समाज को सम्मान देने का काम करें। रवि गर्ग ने कहा कि अग्रवाल समाज के व्यक्ति को प्रतिनिधित्व का अवसर देने से समाज में भाजपा के प्रति एक सकारात्मक संदेश जाएगा और समाज के लोग पहले से भी अधिक निष्ठा से पार्टी के साथ जुड़कर कार्य करेंगे और पार्टी को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे। इसलिए पार्टी हाईकमान को इस पर संज्ञान लेकर व विचार विमर्श कर अग्रवाल समाज के व्यक्ति को राज्यसभा सांसद के लिए आगे करना चाहिए।

गोहाना बंद तो एक ट्रेलर है पूरी पिक्चर 3 दिन बाद दिखाई जाएगी: बजरंग गर्ग

हिसार। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा है कि मातु राम हलवाई की दुकान पर लगभग 40 राउंड फायरिंग करके फिरौती मांगने वाले अपराधियों को 9 दिन बीत जाने के बाद भी गिरफ्तार ना करने से व्यापारियों में दहशत का माहौल है। जिसके विरोध में आज गोहाना पूरी तरह से बंद रहा। जहां चाय के ठेले तक बंद रहे और गोहाना बंद ऐतिहासिक रहा। गोहाना बंद तो एक ट्रेलर है असली पिक्चर तीन दिन बाद दिखाई जाएगी।

बजरंग गर्ग ने कहा कि अगर पुलिस प्रशासन ने तुरंत अपराधियों को पड़कर चिरा नहीं लगाया तो व्यापार मंडल हरियाणा बंद करके सड़कों पर उतरेगा। बड़े अफसोस से कहना पड़ रहा है कि पुलिस द्वारा बार-बार झूठे आश्वासन दे रही है कि हम अपराधियों के नजदीक है मगर अभी तक एक भी अपराधी पुलिस की पकड़ नहीं पाई है।

बजरंग गर्ग ने कहा कि अपराधियों द्वारा दिन-दहाड़े अनेकों

फायरिंग करने के बाद भी अपराधियों के हौसले इतने बुलंद है कि वह व्यापारी को दोबारा फोन करके जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। उसे बावजूद भी पुलिस अपराधियों को पकड़ने में विफल सिद्ध हुई है। जब तक अपराधियों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा तब तक हरियाणा में व्यापारियों का आंदोलन जारी रहेगा।

बजरंग गर्ग ने कहा कि प्रदेश में हर रोज व्यापारियों के साथ लूटपाट, फिरौती,अपहरण, हत्या व चोरियों की वारदातें आम बात हो गई है। सरकार अपराध पर अंकुश लगाने में पूरी तरह से फेल सिद्ध हुई है। सरकार गोहाना के व्यापारी पर जानलेवा हमला करने वाले अपराधी व प्रदेश में जो भी अपराधी है उनको पकड़ कर उनका पक्का इलाज करना चाहिए ताकि व्यापारी व आम जनता को राहत मिल सके जबकि प्रदेश का व्यापारी व आम जनता अपनी जान वालों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह भयभीत है।

दिल्ली और पंजाब के बाद हरियाणा में बनेगी आम आदमी पार्टी की सरकार : सुरेंद्र राठी

पंचकूला। आम आदमी पार्टी के हरियाणा प्रवक्ता सुरेंद्र राठी ने कहा है कि प्रदेश की जनता मनोहर लाल खट्टर सरकार से त्रस्त है और बदलाव चाहती है। जींद में उमड़े जन सैलाब ने दिखा दिया कि हरियाणा के लाल केजरीवाल की गारंटी के साथ हरियाणा की जनता खड़ी है और 2024 में दिल्ली और पंजाब के बाद हरियाणा में भी आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी।

सुरेंद्र राठी ने कहा कि जींद महासभा में अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने बताया कि पंजाब में 40 लाख घरों में जीरो बिजली के बिल आते हैं। वहीं पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार में महज 20 महीने में 42,000 युवाओं को सरकारी नौकरी मिली। इसके साथ पंजाब में 664 मोहल्ला क्लिनिक चल रहे हैं। जबकि 125 बनकर तैयार हैं। इनमें अबतक 1 करोड़ से ज्यादा लोग फ्री इलाज, फ्री टेस्ट और फ्री दवाइयों की सुविधा ले चुके हैं।

सुरेंद्र राठी ने कहा कि बदलाव जनसभा में केजरीवाल 1 लाख जीरो बिजली के बिल लेकर पहुंचे। इसकी पूरे हरियाणा में चर्चा है। दिल्ली में जनता को फ्री बिजली मिल रही है। पंजाब में 90 प्रतिशत ने ज्यादा लोगों को फ्री बिजली मिल रही है। इस बार हरियाणा की जनता भी आम आदमी पार्टी की सरकार लाकर अपने बिजली के बिल को जीरो करवाएगी। उन्होंने कहा कि जींद जनसभा में अरविंद केजरीवाल ने दिखा दिया कि वे ईडी और सीबीआई से नहीं डरते हैं। उनमें हरियाणवी खून है। जो जनता की भलाई के लिए जेल जाने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

आम आदमी पार्टी के एक एक कार्यकर्ता उनके

सच्चे सिपाही हैं। हरियाणा के हरेक घर तक अरविंद केजरीवाल की नीतियों को पहुंचाने का काम करेंगे। पंजाब के जीरो बिजली के बिलों को हरियाणा के हरेक गांव में जनता के बीच लेकर जायेंगे। इस बार हरियाणा की जनता भी आम आदमी पार्टी की सरकार बनाएगी।

राजेश जोगपाल दूसरी बार पायथियन काउंसिल आफ इंडिया के महासचिव बने

चंडीगढ़। सहकारी समितियां हरियाणा के रजिस्ट्रार (आईएएस) राजेश जोगपाल को चंडीगढ़ में पायथियन काउंसिल आफ इंडिया की गवर्निंग बोर्ड की बैठक में दूसरी बार राष्ट्रीय महासचिव चुना गया। साथ ही उनकी बेहतरीन कार्यशैली को देखते हुए एक बार फिर हरियाणा की कमान सौंपते हुए अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

मिलनसार, अनुभवी एवं स्पोर्टसमैन की भावना रखने वाले राजेश जोगपाल यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया, चंडीगढ़ राज्य शाखा के संस्थापक और अध्यक्ष भी रहे हैं। उन्होंने 1996 में वियना में अंतर्राष्ट्रीय युवा सम्मेलन और 2000 में नई दिल्ली में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

राजेश जोगपाल ने बताया कि आधुनिक पायथियन खेलों की शुरुआत प्राचीन ग्रीस में लगभग 582 ईसा पूर्व पैन हेलेनिक खेलों के युग में हुई थी। इसे ओलंपिक के बाद दूसरा सबसे महत्वपूर्ण खेल माना जाता है। आधुनिक पाइथियन गेम एक नई आशा के साथ आता है जो कई संरचनाओं को जोड़ता है जो

कारीगरों और सहयोगियों के लिए नौकरी के अवसर खोलकर पर्यटन और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद करता है।

आधुनिक पायथियन खेलों के बारे में, राजेश जोगपाल ने कहा, यह एक दुर्लभ अवसर है जो बहुत सारी जिम्मेदारियों के साथ आता है, और मैं दूसरे कार्यकाल के लिए महासचिव के रूप में अंतर्राष्ट्रीय पायथियन आंदोलन का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने आगे कहा कि भारत का एक लंबा और अद्वितीय कला इतिहास है, जिसमें हजारों स्वदेशी शिल्प और संस्कृतियां कारीगर समुदायों और सांस्कृतिक राजदूतों की पीढ़ियों से चली आ रही हैं।

सिंधु घाटी सभ्यता से चली आ रही ये हजारों अनूठी कलाएं और शिल्प हमारे बौद्धिक और सौंदर्य गुणों का प्रतीक हैं। पाइथियन आंदोलन में इस आवश्यक उभरते अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उन्हें प्रदर्शित करने, लाभ उठाने और बढ़ावा देने के बजाय तेजी से पुनर्जीवित करने की क्षमता है। शिल्प क्षेत्र का पुनरुद्धार हमारे पाइथियन आंदोलन के माध्यम से वैश्विक बाजार में उन्नयन, आधुनिकीकरण और मूल्यवर्धन द्वारा ग्रामीण समुदायों की आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक स्थितियों में सुधार करने के अपार अवसर प्रदान करेगा। इसके परिणामस्वरूप कई ग्रामीण परिवारों का आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण होगा।

राजेश जोगपाल हमेशा एक व्यावहारिक अधिकारी रहे हैं जिन्होंने कारीगरों सहित ग्रामीण समुदायों के साथ जमीनी स्तर पर समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ काम किया है। वह समाज के उत्थान और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कई कला और संस्कृति से संबंधित त्योहारों का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं मॉडर्न पायथियन गेम्स के विचार को संकल्पित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पायथियन गेम्स के पुनरुद्धार की दिशा में लगातार काम करने के लिए संस्थापक बिजेंदर गोयल का आभारी हूं।

भारतीय वायु सेना अग्निवीर वायु प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी: डीसी

पानीपत। भारतीय वायु सेना ने अग्निवीर योजना के तहत अग्निवीर वायु प्रवेश वर्ष 2025 हेतु चयन परीक्षा के लिए अविवाहित भारतीय पुरुष और महिला उम्मीदवारों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी हैं। ऑनलाइन पंजीकरण 6 फरवरी तक किए जा सकते हैं, जिसके लिए ऑनलाइन परीक्षा 17 मार्च 2024 से आयोजित होगी। पात्र उम्मीदवार पंजीकरण के लिए वेब पोर्टल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट अग्निपथवायुडॉट सीडैक डॉट आईएन पर लॉगिन कर सकते हैं। उम्मीदवारों का जन्म 2 जनवरी, 2004 से 2 जुलाई, 2007 के बीच (दोनों तिथियां सम्मिलित) होना चाहिए। डीसी डॉ वीरेंद्र कुमार दहिया ने जानकारी देते हुए बताया कि अनुसार विज्ञान विषय के उम्मीदवारों के लिए केंद्रीय/राज्य/सरकार द्वारा अनुमोदित शिक्षा बोर्डों से गणित, भौतिकी और अंग्रेजी के साथ इंटरमीडिएट/10+2 समकक्ष परीक्षा कुल मिलाकर न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों और अंग्रेजी में 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हो या केंद्र/राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पॉलिटेक्निक संस्थान से इंजीनियरिंग में तीन साल का डिप्लोमा कोर्स (मैकेनिकल/इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रोनिक्स/ऑटोमोबाइल/कंप्यूटर साइंस/इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्नोलॉजी/ इंफॉर्मेशन/ टेक्नोलॉजी) कुल 50 प्रतिशत अंकों के साथ और डिप्लोमा कोर्स (या इंटरमीडिएट/मैट्रिकुलेशन) में अंग्रेजी में 50 प्रतिशत अंकों के उत्तीर्ण, यदि अंग्रेजी कोर्स में विषय नहीं है या गैर-व्यावसायिक विषय के साथ दो वर्षीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम उत्तीर्ण। केंद्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षा बोर्डों से भौतिक विज्ञान और गणित में कुल मिलाकर 50 प्रतिशत अंकों के साथ और वोकेशनल कोर्स में अंग्रेजी में 50 प्रतिशत अंक (या इंटरमीडिएट/मैट्रिकुलेशन में, अगर अंग्रेजी वोकेशनल कोर्स में एक विषय नहीं है) होने चाहिए। डीसी ने बताया कि विज्ञान विषयों के अलावा के उम्मीदवारों के लिए केंद्रीय/ राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षा बोर्डों से किसी भी स्ट्रीम/ विषयों में इंटरमीडिएट/10+2 समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो, जिसमें कुल मिलाकर न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक और व्यावसायिक पाठ्यक्रम में अंग्रेजी में 50 प्रतिशत अंक (या इंटरमीडिएट/मैट्रिकुलेशन में अगर अंग्रेजी वोकेशनल कोर्स में एक विषय नहीं है)

बेटियों के स्वर्णिम भविष्य हेतु सुकन्या समृद्धि योजना कारगर : उपायुक्त अनीश यादव

करनाल। उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि बेटियां समाज का गौरव है और बेटियों को बेहतर शैक्षणिक एवं सुरक्षित माहौल प्रदान करने में सरकार सजगता से अपना दायित्व निभा रही है। केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत अनेक महत्वाकांक्षी योजनाओं को लागू करते हुए क्रियान्वित किया गया है।

उपायुक्त ने बताया कि सुकन्या समृद्धि योजना बेटियों के सुरक्षित भविष्य के लिए वरदान है। इस योजना में जमा की गई राशि भविष्य में बेटियों को उच्चतर शिक्षा दिलवाने व उनकी शादी में आर्थिक रूप से मददगार साबित हो रही है। ऐसे में सभी पात्र व्यक्तियों को इस योजना के तहत अपनी बेटी का खाता खुलवाना चाहिए। सुकन्या समृद्धि खाता योजना बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान का ही एक भाग है। घरेलू बचत के लिए भी सरकार की यह एक अच्छी पहल है। उन्होंने बताया कि सुकन्या समृद्धि खाता एक डाकघर से दूसरे डाकघर में निशुल्क ट्रांसफर किया जा सकता है। जमा राशि पर लगने वाला ब्याज पूर्णत: कर रहित है तथा इसमें आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत छूट भी प्राप्त है। उपायुक्त ने बताया कि सुकन्या समृद्धि योजना के तहत माता-पिता या कानूनी अभिभावक दो लड़कियों के लिए यह खाता खुलवा सकते हैं। बेटी के जन्म से 10 वर्ष तक की उम्र में सुकन्या समृद्धि एकाउंट खोला जा सकता है। यह खाता लडक़ी के नाम से ही खोला जा सकता है। जमाकर्ता माता-पिता (अभिभावक) में से एक होगा जो नाबालिग लडक़ी की ओर से पैसा जमा करेगा। उन्होंने कहा कि मात्र 250 रुपये से खाता खोला जा सकता है लेकिन साल में कम से कम एक हजार रुपये हर खाते में जमा होने चाहिए, अधिकतम एक लाख 50 हजार रुपये वर्ष में जमा किए जा सकते है। एक वित्त वर्ष में पैसे नकद, चेक या ड्राफ्ट के जरिए कितनी बार ही जमा किए जा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि सुकन्या समृद्धि खाता योजना में जमा राशि पर ब्याज की गणना सालाना की जाती है। अभिभावक इस खाते में 14 साल तक ही पैसे जमा करवा सकते हैं और 21 वर्ष में यह खाता परिपक्व हो जाएगा। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष के बाद बेटी की उच्चतर शिक्षा के लिए तथा विवाह के समय जमा राशि में से आधा हिस्सा निकलवाया जा सकता है। यह खाता इसके खोले जाने की तिथि से लेकर लडक़ी की आयु 21 वर्ष होने तक तथा उसके विवाह के बाद बंद किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि खाता खुलवाने के लिए बेटी के जन्म का प्रमाण पत्र, अभिभावक के पते का प्रमाण तथा फोटो पहचान पत्र (पैन कार्ड, वोटर आईडी या आधार कार्ड) की जरूरत पड़ती है। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत यह खाता पोस्ट ऑफिस या बैंक में खुलवाया जा सकता है।

अब बेटा-बेटी में लोग नहीं करते अंतर, हो रहा सुधार : नेहा

करनाल। गांव ककराला में लिंगानुपात कम होने के चलते महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से एक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक सर्कल सुपरवाईजर नेहा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर पर ककराला की एमसी नीलम व वन स्टॉप सेंटर करनाल से काउंसलर यशोदा व आंगनवाडी वर्कर एवं हेल्पर भी मौजूद थी। इस अवसर पर बैठक को संबोधित करते हुए सर्कल सुपरवाईजर नेहा ने कहा कि जिले में लिंगानुपात को लेकर अब लोगों की सोच में बदलाव आया और जागरुकता भी आई है। इसका नतीजा ये है कि अब साल दर साल लिंगानुपात में सुधार आता जा रहा है और बेटा-बेटी के बीच लिंगानुपात का अंतर कम होता जा रहा है। इस साल 2024 में और ज्यादा सुधार आने की उम्मीद जताई जा रही है। अब लोगों की सोच में बदलाव आने की वजह से लोग बेटा-बेटी में अंतर नहीं मानते। इसके अलावा सरकार की तरफ से चल रही कन्या सुगम योजना और कन्या समृद्धि आदि योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं को जागरूक करते हुए कहा कि गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार लेना चाहिए। समय-समय पर अपनी जांच करवानी चाहिए। इसके साथ ही लिंग परीक्षण पर रोक लगाया जाना भी इसका प्रमुख कारण माना जा रहा है।

पेपाल 2,500 कर्मचारियों को निकालेगी, PS 12 हजार नौकरियों की करेगी छंटनी

बिजनेस डेस्क. पेमेंट फर्म पेपाल (PayPal) होल्डिंग्स 2024 में लगभग 2,500 नौकरियों या अपने वैश्विक वर्कफोर्स के 9 प्रतिशत की कटौती करने पर विचार कर रही है। इस योजना का खुलासा 30 जनवरी को कंपनी सीईओ एलेक्स क्रिस के एक लेटर में किया गया था। इसके अलावा एक और कंपनी यूनाइटेड पार्सल सर्विस इंक (UPS) ने भी 12,000 नौकरियों की छंटनी करने का ऐलान किया है।क्रिस ने एक आधिकारिक घोषणा में कहा, ÷आज, मैं यह कठिन खबर साझा करने के लिए लिख रहा हूं कि हम वर्ष के दौरान प्रत्यक्ष कटौती और ओपन रोल्स को खत्म करने के जरिये अपने वैश्विक वर्कफोर्स को लगभग 9 प्रतिशत तक कम कर देंगे।÷ उन्होंने कहा, ÷हम अपने व्यवसाय को सही आकार देने के लिए ऐसा कर रहे हैं, जिससे हम अपने ग्राहकों के लिए आवश्यक गति के साथ आगे बढ़ सकें और लाभदायक विकास कर सकें। साथ ही, हम व्यवसाय के उन क्षेत्रों में निवेश करना जारी रखेंगे जिनके बारे में हमें विश्वास है कि वे बनाएंगे और ग्रोथ में तेजी लाएंगे।बाजार बंद होने के बाद कंपनी ने यह लेटर अपनी वेबसाइट पर भी पोस्ट किया। पेपाल के शेयर 0.13 प्रतिशत की गिरावट लेकर बंद हुए। नवंबर में, क्रिस ने कहा कि उन्हें विशुद्ध रूप से लेन-देन से संबंधित मात्रा के अलावा राजस्व में वृद्धि की उम्मीद है और इसके लागत आधार को कम करके फिनटेक फर्म को कम करने का वादा किया है।

सेल्सफोर्स 700 कर्मचारियों को बाहर करेगी

टेक इंडस्ट्री में छंटनी के अपने दौर में सेल्सफोर्स कंपनी के लगभग 700 कर्मचारियों को पिंक स्लिप सौंपेगी यानी उन्हें बाहर कर देगी। कंपनी ने 2023 में अपने 10 फीसदी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था।

सरकार ने 16वें वित्त आयोग में 4 सदस्यों को किया शामिल

बिजनेस डेस्क. सरकार ने 16वें वित्त आयोग में चार सदस्यों को नियुक्त किया है। इसमें पूर्व एक्सपेंडिचर सेक्रेटरी अजय नारायण झा और SBI ग्रुप के चीफ इकनॉमिक एडवाइजर सौम्य कांति घोष के साथ-साथ दो और मेंबर्स हैं। अजय नारायण झा पिछले वित्त आयोग में भी थे। नीति आयोग के पूर्व वाइस चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया की अगुवाई में इस वित्त आयोग के चार सदस्य होंगे। इनके सहयोग के लिए सेक्रेटरी रित्विक रंजनम पांडे, दो संयुक्त सचिव और एक इकनॉमिक एडवाइजर साथ होंगे। वित्त आयोग एक संवैधानिक बॉडी है जिसका काम केंद्र और राज्यों के बीच के वित्तीय संबंधों पर सुझाव देना है।

इन्हें-इन्हें मिली है जिम्मेदारी

16वें वित्त आयोग के बाकी सदस्यों की बात करें तो इसमें अजय नारायण झा के अलावा रिटायर्ड ब्यूरोक्रेट ऐनी जॉर्ज मैथ्यू और अर्थ ग्लोबल के एग्जेक्यूटिव डायरेक्टर निरंजन राजध्यक्ष को फुल टाइम मेंबर्स के तौर पर आयोग में रखा गया है। वहीं वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक सौम्य कांति घोष पार्ट-टाइम मेंबर होंगे। आयोग के चेयरमैन और बाकी सदस्य जिस दिन से अपना पद संभालेंगे, उस दिन से रिपोर्ट दाखिल होने या 31 अक्टूबर 2025, इनमें जो पहले हो, उस समय तक पद पर बने रहेंगे।

कब तक दाखिल होगी रिपोर्ट

सरकार ने 31 दिसंबर, 2023 को अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता में इस आयोग का गठन किया था। पैनल 31 अक्टूबर 2025 तक अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंप देगा। रिपोर्ट 1 अप्रैल 2026 से शुरू होने वाली पांच साल की अवधि को कवर करेगी। केंद्र और राज्यों के बीच टैक्स के बंटवारे और रेवेन्यू बढ़ाने के उपायों का सुझाव देगी। वित्त आयोग डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट, 2005 के तहत फाइनेंसिंग डिजास्टर मैनेजमेंट की पहल को लेकर जो इंतजाम हुए हैं, उनकी समीक्षा करेगा।

नोवा एग्रीटेक के IPO की दमदार लिस्टिंग! निवेशक हुए मालामाल, हुई इतनी कमाई

नई दिल्ली. एग्रीकल्चर इनपुट बनाने वाली कंपनी नोवा एग्रीटेक (Nova Agritech) के आईपीओ की आज यानी बुधवार को लिस्टिंग हो गई है। इस आईपीओ में पहले ही दिन निवेशकों को बंपर मुनाफा हुआ है। नोवा एग्रीटेक के शेयर की लिस्टिंग इश्यू प्राइस 41 रुपये के मुकाबले 56 रुपये पर हुई है। निवेशकों को इस आईपीओ में 36 फीसदी से ज्यादा का लिस्टिंग गेन मिला है। निवेशकों को आईपीओ में पहले ही दिन शानदार मुनाफा हुआ है। नोवा एग्रीटेक के शेयर लिस्टिंग के बाद से ही रॉकेट की स्पीड से भाग रहे हैं। शेयर अभी 40 फीसदी से ज्यादा के उछाल के साथ 58.79 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। लिस्टिंग के कुछ समय बाद ही नोवा एग्रीटेक के शेयरों में अपर सर्किट लग गया है। शेयरों में निवेशकों की अच्छी खरीदारी देखी जा रही है।

शेयर बाजार में आज एग्रीकल्चर इनपुट बनाने वाली कंपनी नोवा एग्रीटेक के शेयर की लिस्टिंग हो गई है। शेयर की लिस्टिंग इश्यू प्राइस 41 रुपये के मुकाबले 56 रुपये पर हुई है। इस आईपीओ में निवेश करने वालों को अच्छा मुनाफा हुआ है। नोवा एग्रीटेक के आईपीओ को निवेशकों का शानदार रिस्पांस मिल रहा था।

निवेशकों का शानदार रिस्पांस

ग्रे मार्केट में नोवा एग्रीटेक के शेयरों को पॉजिटिव रिस्पांस मिल रहा था। इसके चलते नोवा एग्रीटेक के शेयरों की अच्छी लिस्टिंग की संभावना जताई जा रही थी। शेयर के इश्यू प्राइस 41 रुपये के मुकाबले 58 रुपये से 72 रुपये के बीच खुलने की उम्मीद जताई जा रही थी। हालांकि इस आईपीओ की लिस्टिंग से पहले ग्रे मार्केट प्रीमियम (GMP) में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। मार्केट में उतार-चढ़ाव और एग्री इनपुट के ज्यादा कंपटीटिव सेगमेंट में काम करने के बावजूद इस आईपीओ में सभी कैटेगरी के निवेशकों ने जमकर दांव लगाया था।

22 को खुला था आईपीओ

नोवा एग्रीटेक (Nova Agritech) अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ (IPO) बीती 22 जनवरी 2024 को खुला था। इस आईपीओ में निवेशकों के पास 24 जनवरी तक बोली लगाने का मौका था। झ

खेती-बाड़ी से जुड़ी चीजें बना कर किसानों का जीवन आसान करने वाली कंपनी नोवा एग्रीटेक का आईपीओ (Nova Agritech IPO) इस कैलेंडर ईयर का सबसे बड़ा आईपीओ बन कर उभरा है। इस आईपीओ में 109.39 गुना ज्यादा सब्सक्रिप्शन मिला था।

नोवा एग्रीटेक आईपीओ (Novi Agritech IPO) को निवेशकों ने हाथों-हाथ लिया था। इसे नव्वेस्टर्स से जोरदार प्रतिक्रिया मिली और तीन दिनों की बोली में इश्यू को 109 गुना से अधिक बुक किया गया था।

एलन मस्क को झटका, कोर्ट ने 465 करोड़ का पैकेज प्लान किया रद्द

बिजनेस डेस्कः टेस्ला के CEO एलन मस्क का 465 करोड़ रुपए का पैकेज कोर्ट ने रद्द कर दिया है। चांसरी के डेलावेयर कोर्ट की जज ने मस्क के पैकेज कॉन्ट्रैक्ट को रद्द करते हुए कहा कि कंपनी इस बात पर काम करे कि मस्क अभी तक मिले अतिरिक्त वेतन को कैसे लौटाएंगे।

जज ने कहा कि मस्क को पब्लिक मार्केट के इतिहास में सबसे बड़ा पैकेज मिल रहा है। यह एक अथाह राशि है और इसे देने से पहले कंपनी के बोर्ड ने विचार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि मस्क के पैकेज प्लान को मंजूरी देने की प्रक्रिया में बड़ी खामियां थीं। इसके बाद टेस्ला के शेयर में लगभग 3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

2018 में शेयरहोल्डर ने की थी शिकायत

दरअसल 5 साल पहले कुछ शेयर होल्डर्स ने मस्क और टेस्ला के बोर्ड पर कॉर्पोरेट संपत्तियों को बर्बाद करने और एलन मस्क को गैरकानूनी.

देश की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी बनी टाटा मोटर्स, जानिए कौन है दुनिया में नंबर वन

नई दिल्ली. टाटा मोटर्स मार्केट कैप के लिहाज से देश की सबसे मूल्यवान ऑटो कंपनी बन गई है। उसने देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया को पछाड़कर यह उपलब्धि हासिल की है। टाटा मोटर्स का मार्केट कैप मंगलवार को 2,85,515.64 करोड़ रुपये पहुंच गया जबकि टाटा मोटर्स लि. -डीवीआर का बाजार पूंजीकरण 29,119.42 करोड़ रुपये रहा। कुल मिलाकर यह 3,14,635.06 करोड़ रुपये रहा। यह मारुति के 3,13,058.50 करोड़ रुपये के मार्केट कैप से 1,576.56 करोड़ रुपये अधिक है। टाटा कंपनी के मार्केट कैप में उसके वैल्यूएशन के अलावा डीवीआर (डिफरेंशियल वोटिंग राइट्स) शेयर शामिल हैं। टाटा मोटर्स का शेयर मंगलवार को बीएसई में 2.19त्न चढ़कर 859.25 रुपये पर पहुंच गया।

टाटा मोटर्स देश की सबसे मूल्यवान ऑटो कंपनी बन गई है। मंगलवार को कंपनी के शेयरों में तेजी आई और उसने मार्केट कैप के मामले में मारुति सुजुकी को पछाड़ दिया। जानिए दुनिया में कौन है सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी...

कारोबार के दौरान यह 5.40 उछलकर 886.30 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया था। टाटा मोटर्स-डीवीआर शेयर 1.63 की बढ़त के साथ 572.65 रुपये पर पहुंच गया। वहीं मारुति का शेयर 0.36त्न की गिरावट के साथ 9,957.25 रुपये पर बंद हुआ।

सेंसेक्स और निफ्टी कंपनियों में टाटा मोटर्स सबसे ज्यादा लाभ में रहने वाली कंपनियों में शामिल रही। डीवीआर शेयर सामान्य इक्विटी शेयरों की तरह होते हैं लेकिन इसमें वोटिंग राइट और डिविडेंड राइट अलग होते हैं। कंपनियां जबरिया अधिग्रहण को रोकने और खुदरा निवेशकों को जोड़ने के लिए डीवीआर जारी करती हैं। देश में इलेक्ट्रिक वीकल्स और एसयूवी की सफलता के साथ ही जगुआर लैंड रोवर के शानदार प्रदर्शन से टाटा मोटर्स के शेयरों में तेजी आई। हाल की तिमाहियों में कंपनी के मुनाफे में काफी सुधार देखने को मिला। एसयूवी सेगमेंट में दमदार बिजनस के दम पर कंपनी की प्रॉफिटैबिलिटी में सुधार आया है।

दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी

टाटा मोटर्स फाइनेंशियल ईयर 2019 से 2022 तक लगातार घाटे में रही। लेकिन देश में इलेक्ट्रिक वीकल के भी तेजी से बढ़ रहे मार्केट से टाटा मोटर्स को फायदा हुआ है।

Rolls-Royce से हुआ कंपनी का कॉन्ट्रैक्ट, लगा 20% का अपर सर्किट, पिछले महीने आया था IPO

नई दिल्ली. कोरोना महामारी का असर कम हो चुका है लेकिन यह लोगों को घर से काम करने की लत लगा चुका है। हालत यह हो गई है कि कंपनियों के बार-बार चेताने के बाद भी कर्मचारी ऑफिस नहीं आ रहे हैं। अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी आईबीएम (IBM) ने अपने मैनेजर्स से कहा है कि अगर वे ऑफिस नहीं आए तो उन्हें अपनी नौकरी गंवानी पड़ सकती है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि मैनेजर्स को जल्द से जल्द किसी ऑफिस के नजदीक खुद को रिलोकेट करना होगा, नहीं तो उनकी नौकरी जा सकती है। उन्हें हफ्ते में कम से कम तीन दिन किसी ऑफिस या क्लाइंट लोकेशन पर रहना होगा।

आईबीएम ने 16 जनवरी को अपने कर्मचारियों को एक इंटरनल मेमो भेजा था। इसमें कहा गया है कि अगस्त से सभी कर्मचारियों को खुद को कंपनी के किसी ऑफिस के करीब रिलोकेट करना होगा। बीमारी या मिलिट्री सर्विस में लगे कर्मचारियों का इससे दूर रखा गया है। कंपनी का कहना है कि वह हरेक कर्मचारी की उपस्थिति का पता लगाने के लिए बेज-इन डेटा का यूज करेगी। मेमो के मुताबिक कर्मचारी को आईबीएम के ऑफिस या क्लाइंट लोकेशन से 50 मील के दायरे में रहना होगा। जो कर्मचारी इसका पालन नहीं करेंगे, उन्हें आईबीएम से जाना पड़ सकता है।

नियमों में सख्ती

आईबीएम के सीईओ अरविंद कृष्णा कई बार इन-पर्सन वर्क की वकालत कर चुके हैं। उनका कहना है कि जो कर्मचारी घर से काम करने का विकल्प चुनेंगे, उनका प्रमोशन प्रभावित हो सकता है। पिछले साल नवंबर में कंपनी ने अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर बिजनस के कर्मचारियों को हफ्ते में तीन दिन कंपनी लोकशन पर मौजूद रहने को कहा था।

पिछले एक साल में कई कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को ऑफिस बुलाने के लिए सख्त पॉलिसीज बनाई हैं। खासकर टेक सेक्टर में नियमों को सख्त बनाया गया है। ऐमजॉन और एटीएंडटी जैसी कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को ऑफिस लोकेशन के करीब शिफ्ट होने को कहा है।

बजट से पहले केंद्र सरकार का बड़ा ऐलान, सस्ते हो सकते हैं मोबाइल फोन

बिजनेस डेस्क. बजट से पहले केंद्र सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। मोबाइल फोन को बनाने में जिन चीजों का इस्तेमाल होता है, उनके आयात पर इंपोर्ट ड्यूटी घटा दी गई है। अब इनके आयात पर 10 फीसदी की ड्यूटी लगेगी। पहले इस पर 15 फीसदी की ड्यूटी चुकानी होती थी। इन कंपोनेंट्स में बैट्री एनक्लोजर्स, प्राइमरी लेंसेज, रियर कवर्स के सा-साथ प्लास्टिक और मेटल से बने कई मैकेनिकल कंपोनेंट्स शामिल हैं। अगले वित्त वर्ष 2024-25 का बजट कल यानी गुरुवार 1 फरवरी को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पेश करेंगी।

Apple जैसी कंपनियों को मिलेगा फायदा

केंद्र सरकार ने इंपोर्ट ड्यूटी में कटौती का जो फैसला किया है, उससे मोबाइल फोन सेक्टर को तगड़ा फायदा मिलेगा। इससे न सिर्फ इस सेक्टर को आगे बढ़ने में मदद मिलेगा बल्कि वैश्विक मार्केट में कॉम्पटीशन भी बढ़ेगा। इस महीने की शुरुआत में न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने खुलासा किया था कि केंद्र सरकार प्रीमियम मोबाइल फोन को बनाने में इस्तेमाल होने वाली चीजों पर इंपोर्ट ड्यूटी घटाने पर विचार कर रही है। सरकार के इस फैसले से एपल जैसी कंपनियों को फायदा मिल सकता है और निर्यात भी बढ़ सकता है।

12 कंपोनेंट्स पर ड्यूटी घटाने की वकालत

एक रिपोर्ट के मुताबिक मोबाइल इंडस्ट्री करीब 12 कंपोनेंट्स पर ड्यूटी घटाने की वकालत कर रही है ताकि भारत में स्मार्टफोन बनाने की लागत कम की जा सके। इसके अलावा यह मांग चीन और वियतनाम जैसे पड़ोसी प्रतिद्वंद्वी देशों के खिलाफ अधिक प्रतिस्पर्धी माहौल बनाने के लिए है। वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोबाइल फोन का प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए मोबाइल कैमरा फोन के कुछ कंपोनेंट्स पर 2.5 फीसदी कस्टम ड्यूटी को हटा दिया था।

बजट से पहले देश की इकोनॉमी को लेकर IMF ने जारी की रिपोर्ट, जीडीपी ग्रोथ बढ़ने की जताई उम्मीद

Interim Budget 2024 1 फरवरी 2024 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरिम बजट (Interim Budget) पेश करने वाली है। इस बजट से पहले इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (IMF) ने एक रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट के अनुसार 2024-25 में भारत की जीडीपी ग्रोथ (GDP) 6.5 फीसदी रह सकती है। आइए इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं। पढ़ें पूरी खबर ..

नई दिल्ली। कल यानी 1 फरवरी 2024 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरिम बजट (Interim Budget) पेश करेंगी। इस बजट से पहले इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (IMF) ने एक रिपोर्ट जारी की।समें उन्होंने 2024 में भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ रेट बढ़ने की उम्मीद जताई है। उनके अनुमान के अनुसार 2024-25 में भारत की जीडीपी ग्रोथ (GDP) 6.5 फीसदी रह सकती है।

वहीं, आईएमएफ ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक पर फ्रेश रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर 2024 नें 3.1 फीसदी और 2025 में 3.2 फीसदी रह सकती है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत इकोनॉमिक ग्रोथ के मामले में बड़े देशों की तुलना काफी तेजी से विकास कर रहा है। वहीं, चीन में इकोनॉमी ग्रोथ लगातार घट रही है।इसके अलावा अमेरिका के सामने कई तरह की चिंताएं खड़ी है। जिसका असर अमेरिका के इकोनॉमी पर देखने को मिल रहा है।

आईएमएफ की रिपोर्ट

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की विकास दर 2.1 फीसदी, जर्मनी की विकास दर 0.5 फीसदी, फ्रांस की विकास दर 1 फीसदी, जापान की विकास दर 0.9 फीसदी और चीन की विकास दर 4.6 फीसदी रहेगी।

वैश्विक मौद्रिक संगठन के अनुसार भारत की जीडीपी 2024 और 2025 में 6.5 फीसदी रहने की उम्मीद है।

यह अक्टूबर 2023 में जताए गए अनुमान से 0.2 फीसदी ज्यादा है।इस बीच वित्त मंत्रालय ने अपनी मासिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा कि इस अप्रैल से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था लगभग 7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है।

घरेलू मांग की मजबूती ने पिछले तीन वर्षों में अर्थव्यवस्था को 7 प्रतिशत से अधिक की विकास दर तक पहुंचा दिया है।भारत की अर्थव्यवस्था 2022-23 में 7.2 प्रतिशत और 2021-22 में 8.7 प्रतिशत बढ़ी। भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 7.3 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है और यह सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी।

Wipro में छंटनी का माहौल, 100 से ज्यादा कर्मचारियों की नौकरी पर खतरा

नई दिल्ली. Wipro layoff: देश की दिग्गज आईटी कंपनी विप्रो में एक बार फिर छंटनी की खबरें आई हैं। कंपनी के मिड लेवल के 100 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी की आशंका है। इसके जरिए कंपनी मार्जिन में सुधार करना चाहती है। बता दें कि विप्रो वर्तमान में शीर्ष 4 भारत-सूचीबद्ध आईटी कंपनियों में सबसे कम मार्जिन रखती है। यही वजह है कि कंपनी पर प्रॉफिट बढ़ाने का दबाव है। इकोनॉमिक्स टाइम्स की खबर के मुताबिक दिसंबर तिमाही के दौरान विप्रो के 16त्न के मार्जिन के उलट प्रतिस्पर्धी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस और एचसीएल टेक्नोलॉजीज ने क्रमशः 25त्न, 20.5त्न और 19.8त्न के मार्जिन हासिल किया है।

फैसले की वजहः इस निर्णय का श्रेय ब्रिटिश कंस्लटेंसी कंपनी कैपको (Capco) में कंपनी के महंगे संसाधनों को दिया जाता है। बता दें कि कैपको को विप्रो ने साल 2021 में 1.45 बिलियन डॉलर में अधिग्रहण किया था। यह एक कंस्लटेंसी फर्म है, जिसके सीईओ थिएरी डेलापोर्टे हैं। हालांकि, कोविड के बाद जैसे-जैसे वैश्विक आर्थिक स्थितियों में उतार-चढ़ाव आया, इस व्यवसाय में मंदी आ गई। इसका असर विप्रो के कारोबार पर भी पड़ा है।

ईटी प्राइम की खबर के मुताबिक विप्रो के प्रवक्ता ने मार्केट आउटलुक के साथ व्यावसायिक रणनीतियों पर जोर दिया। विप्रो के प्रवक्ता ने प्रौद्योगिकी और प्रतिभा में निवेश के माध्यम से ग्राहक, कर्मचारी अनुभवों को बढ़ाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। कर्मचारियों की संख्या में आ रही गिरावट

दिसंबर तिमाही के दौरान आईटी कंपनी Wipro के 16% के मार्जिन के उलट प्रतिस्पर्धी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस और एचसीएल टेक्नोलॉजीज ने क्रमशः 25त्न, 20.5% और 19.8% के मार्जिन हासिल किया है।

बीते दिनों विप्रो ने दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी किए थे। इस दौरान विप्रो की कर्मचारियों की संख्या में लगातार पांचवीं तिमाही में गिरावट आई।

दिसंबर तिमाही में पिछली तिमाही की तुलना में 4,473 कम कर्मचारी थे। दिसंबर तिमाही में कंपनी की कर्मचारियों की संख्या 2,40,234 है।

शेयर का हाल

इस बीच, सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को विप्रो के शेयर की कीमत 475 रुपये के स्तर पर थी। ट्रेडिंग के दौरान शेयर ग्रीन जोन में था। यह शेयर पिछले 15 फरवरी को 526.45 रुपये के 52 वीक हाई पर पहुंच गया था।

रात को क्यों ज्यादा रोते हैं न्यूबॉर्न बेबी, दिन में सोने और रातभर जागने का क्या है संकेत, डॉक्टर से जानें वजह

अक्सर आपने देखा होगा कि न्यूबॉर्न बेबी दिन में चैन की नींद सोते हैं, लेकिन रात होते ही रोने लगते हैं. कई बच्चे तो रातभर जागते हैं और बीच-बीच में रोने लगते हैं. आखिर छोटे बच्चे रात में ही क्यों जागते है? इसके पीछे क्या वजह हो सकती हैं? चलिए डॉक्टर से जरूरी बातें जान लेते हैं.

छोटे बच्चों की नींद का हिसाब पूरी तरह अलग होता है. वे दिन में सोते हैं, लेकिन रात होते ही जागना शुरू कर देते हैं. इतना ही नहीं, जागने के बाद बार-बार रोने लगते हैं. नवजात शिशु रात में अक्सर जागते रहते हैं. ऐसा अधिकतर बच्चों के साथ होता है और नॉर्मल माना जाता है. हालांकि कई बार परेशानी के चलते भी छोटे बच्चे रोना शुरू कर देते हैं. बाल रोग विशेषज्ञ की मानें तो न्यूबॉर्न बेबीज के सोने का चक्र बड़े लोगों की तुलना में अलग होता है. वे रात में जागते हैं, जबकि दिन में आराम से सो जाते हैं. इसकी वजह भी बेहद दिलचस्प है. चलिए विस्तार से जान लेते हदिल्ली के फोर्टिस ला फेम हॉस्पिटल के पीडियाट्रिक्स एंड नियोनेटोलॉजी डिपार्टमेंट के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. अवधेश आहूजा के मुताबिक नवजात शिशु का जगने-सोने का चक्र कुछ इस तरह होता है कि रात में जागना और दिन में सोना. गर्भावस्था में मां जब दिन में चलती है तो बच्चे को झूला मिलता है और बच्चा आराम से सो जाता है. न्यूबॉर्न बेबी के साथ भी कुछ ऐसा ही होता है. वैसे तो छोटे बच्चों का रोना नॉर्मल होता है, लेकिन रात के वक्त अगर बच्चा ज्यादा रो रहा है, तो इसकी वजह पेट में दर्द और गैस हो सकती है. रात के समय नवजात शिशु को पेट में दर्द ज्यादा होता है और गैस ज्यादा बनती है. आमतौर पर इस वजह से बच्चे ज्यादा रोते हैं.

डॉक्टर की मानें तो ?नजात शिशु रात में पेशाब करने के बाद भीग जाएं, तब भी रोने लगते हैं. ऐसे में रात में कई बार उनके डायपर को चेक करना चाहिए और जरूरत हो, तो बदलना चाहिए. बच्चे को भूख लगती है, तब भी वह रोने लगता है. ऐसे में रात में भी बीच-बीच में दूध पिलाएं. बच्चों को जन्म के बाद 6 महीने तक केवल स्तनपान करवाना चाहिए. ब्रेस्टफीडिंग के बाद 10 मिनट तक कंधे पर रखकर डकार निकालनी चाहिए. शिशु को रात में अपने साथ सुलाना चाहिए, ताकि वह बेहतर तरीके से सो पाए. ?नवजात शिशु रोए, तो अपनी मर्जी से किसी भी तरह का इलाज नहीं करना चाहिए. उसके कान या नाक में तेल आदि नहीं डालना चाहिए. ऐसा करने से इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है. अगर बच्चा ज्यादा रोए, तो डॉक्टर को दिखाएं.

क्सपर्ट के अनुसार बच्चों को हेल्दी रखे के लिए उनकी साफ सफाई का विशेष खयाल रखना चाहिए. बच्चे को गोद लेने से बच्चे अपने हाथ धो लेने चाहिए, ताकि किसी तरह का इंफेक्शन न फैले. अगर घर में किसी को सर्दी खांसी या बुखार हो, तो शिशु से दूर रहें या मास्क का उपयोग करें. इसके अलावा एक बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि नवजात शिशु को पेट नीचे करके एक वर्ष तक ना सुलाएं. ऐसा करने से उसकी तबीयत खराब हो सकती है.

आर्थिक संकट और अंतरिम बजट

कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक की सख्त आवश्यकता है। इस समय जिस तरह से बेरोजगारी भयावह स्तर पर है, इससे बड़ी संख्या में लोग कृषि कार्य में जुटे हैं,क्योंकि उनके पास दूसरा कोई विकल्प नहीं है। फलत- ग्रामीण परिवारों में गरीबी की समस्या और बढ़ गई है। किसानों के खेत का आकार छोटा रह गया है। 85 प्रतिशत किसानों के पास 5 एकड़ से भी कम जमीन उपलब्ध है। इस स्थिति में ग्रामीण क्षेत्र में अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने में मनरेगा की भी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

केंद्र सरकार की ओर से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2024 को अंतरिम बजट पेश करने वाली हैं। अंतरिम बजट एक अस्थायी वित्तीय बजट है,जो वार्षिक या आम बजट से अलग होता है। आम चुनाव के बाद और नई सरकार के गठन के बाद वित्त वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट पेश किया जाएगा। अंतरिम बजट से सरकार अपनी आय और व्यय की रूपरेखा तैयार करती है,जिससे नई सरकार के गठन तक खर्च संबंधी कोई परेशानी नहीं हो।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अनेक आर्थिक संकटों के बीच अंतरिम बजट प्रस्तुत कर रही हैं। केंद्रीय सांख्यिकी संगठन के अनुसार चालू वित्त वर्ष में कृषि क्षेत्र की विकास दर 4 वर्ष के सबसे निचले स्तर पर 1.8 प्रतिशत पर है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2022 में किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य रखा था। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए केंद्र सरकार ने 13 अप्रैल 2016 को अशोक दलवाई समिति का गठन किया था। इस समिति ने 2017 में कहा था कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कृषि विकास दर कम से कम 12 प्रतिशत रहनी चाहिए। मनमोहन सरकार में कृषि विकास दर 4 प्रतिशत के ऊपर लगातार बनी हुई थी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। वर्तमान सरकार ने भले ही कृषि विकास दर का लक्ष्य 12 प्रतिशत रखा हो, लेकिन अब स्वयं सरकार के आंकड़ों से पुष्टि हो रही है कि चालू वित्त वर्ष में यह आंकड़े 2त्न तक पहुंचना भी मुश्किल है।

भारत में कृषि क्षेत्र सहित ग्रामीण अर्थव्यवस्था अभी गंभीर संकट से जूझ रही है। ग्रामीण क्षेत्र में निम्नस्तरीय क्रय क्षमता के कारण अर्थव्यवस्था अभी मांग के गंभीर संकट से जूझ रही है। कृषि क्षेत्र की धीमे विकास दर से ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था में मांग की भारी कमी है। ऐसे में चर्चा है कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण अपने अंतरिम बजट में प्रधानमंत्री किसान सम्माननिधि की राशि को 6 हजार से बढ़ाकर 9 हजार कर सकती हैं। परंतु सवाल यह है कि ऐसी स्थितियां क्यों आई? चाहे 2008 का आर्थिक संकट हो या कोरोना काल, दोनों में ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था ने इंजन का कार्य किया तथा देश को संकट से बाहर निकाला। परंतु इसके बावजूद सरकार कृषि क्षेत्र को लेकर गंभीर नहीं रही है।दिल्ली की सीमाओं पर एक वर्ष से ज्यादा समय तक किसानों का शांतिपूर्ण धरना- प्रदर्शन चलता रहा, जिसमें 750 से ज्यादा किसान शहीद हो गए, लेकिन अब तक सरकार %न्यूनतम समर्थन मूल्य गारंटी कानून% को लेकर गंभीर नहीं हुई। प्रधानमंत्री किसान सम्माननिधि की 6 हजार की राशि इस भीषण महंगाई में किसानों की जरूरत से बेहद कम है, इसे कम से कम दोगुनी करने की जरूरत है इससे भी ज्यादा आवश्यक है कि कृषि लागत को कम किया जाए तथा उत्पादकता में वृद्धि की जाए।

कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक की सख्त आवश्यकता है। इस समय जिस तरह से बेरोजगारी भयावह स्तर पर है, इससे बड़ी संख्या में लोग कृषि कार्य में जुटे हैं,क्योंकि उनके पास दूसरा कोई विकल्प नहीं है। फलत- ग्रामीण परिवारों में गरीबी की समस्या और बढ़ गई है। किसानों के खेत का आकार छोटा रह गया है। 85 प्रतिशत किसानों के पास 5 एकड़ से भी कम जमीन उपलब्ध है। इस स्थिति में ग्रामीण क्षेत्र में अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने में मनरेगा की भी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। चालू वित्त वर्ष में मनरेगा के बजट में कटौती कर दी गई थी,जबकि देश भर में मनरेगा के तहत काम मांगने वालों की संख्या में वृद्धि हुई है। ऐसे में समय आ गया है कि सरकार अंतरिम बजट में मनरेगा के बजट में वृद्धि करे। विशेषज्ञों का आकलन है कि अंतरिम बजट में अगले वित्त वर्ष के लिए कृषि ऋण लक्ष्य को बढ़ाकर 22 से 25 लाख करोड़ रूपये तक कर सकती है।सरकार का यह प्रयास होना चाहिए कि प्रत्येक पात्र किसान की संस्थागत ऋण तक पहुंच हो। लेकिन इसके साथ सीमांत किसानों की कर्जमाफी भी आवश्यक है। सरकार जब पूंजीपतियों के लाखों करोड़ रूपयों को राइट ऑफ कर सकती है, तो किसानों की कर्ज माफी क्यों नहीं? साथ ही प्रधानमंत्री कृषि सम्माननिधि की राशि बढ़ाने की जो चर्चा लगातार वित्त मंत्रालय के गलियारे में हो रही है,क्या वह केवल चुनावी जुमलेबाजी तो नहीं? अभी मध्यप्रदेश में चुनाव से कुछ दिन पूर्व लाडली लक्ष्मी योजना के लाभार्थियों को नगद हस्तांतरण कर बीजेपी वोट लेने में सफल हो गई थी। लाडली लक्ष्मी योजना में दूसरे मद के बजट का भी प्रयोग किया गया। क्या सरकार केवल चुनावी लाभ के लिए लाडली लक्ष्मी योजना की तरह %प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि% का तो प्रयोग लोकसभा चुनाव में तो नहीं करना चाहती? इस अंतरिम बजट में केन्द्र सरकार को वास्तव में कृषि क्षेत्र एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर फोकस करने की आवश्यकता है।

कोविड काल और उससे 1 साल पहले के समय को नजरअंदाज करें, तो वित्त वर्ष 2023-24 में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि दर 21 साल में सबसे कम रहने का अनुमान है। इस दौरान 7.9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। केन्द्र सरकार 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का नारा जोर-शोर से लगाती है और बताती है कि भारत ने ब्रिटेन को पीछे छोड़ दिया है परन्तु ब्रिटेन की प्रति व्यक्ति आय 47 हजार डॉलर से ऊपर है, जबकि भारत की प्रति व्यक्ति आय केवल 2450 डॉलर प्रति व्यक्ति है।

भारत जीडीपी के मामले में आज दुनिया में 5वें नम्बर पर है,लेकिन वहीं प्रति व्यक्ति आय के मामले में 128वें स्थान पर है। सरकार कई बार कम प्रति व्यक्ति आय के लिए भारत की भारी भरकम जनसंख्या को मानती है। लेकिन इस तर्क में भी ज्यादा दम नहीं है। चीन भी एक विशाल जनसंख्या वाला देश है,लेकिन उसके बावजूद प्रति व्यक्ति आय में भारत से काफी आगे है। चीन में प्रति व्यक्ति आय 12,720 डॉलर है। भारत ने तो अमृत काल में लक्ष्य रखा है कि देश की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2047 तक 10,000 डॉलर होगी। सरकार के कई मंत्री तर्क देते है कि देश का जनसंख्या घनत्व काफी ज्यादा है,इसलिए भारत की प्रति व्यक्ति आय कम है। लेकिन तथ्य इस तर्क की भी पुष्टि नहीं करते। भारत में जनसंख्या घनत्व 382 व्यक्ति प्रति किलोमीटर है,जबकि बांग्लादेश का जनसंख्या घनत्व 1253 व्यक्ति प्रति किलोमीटर है।

बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति आय 2793 डॉलर है। इसका प्रमुख कारण है कि बांग्लादेश ने जीडीपी विकास में ऐसे उद्योगों को प्रमुखता दी, जो अत्यंत सघन श्रम प्रधान वाले हैं,जिससे लोगों को भारी संख्या में रोजगार मिल रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था 6-7 वर्षों से रोजगारविहीन विकास की ओर अग्रसर हो रही है। अंतरिम बजट में सरकार को प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के लिए गंभीरता प्रकट करनी चाहिए। रोजगार सृजन व प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि दर के लिए जीडीपी में उच्च विकास दर आवश्यक है। 2004 से 2014 के बीच जीडीपी में कुल 183फीसदी वृद्धि रही, तो 2014 से 2023 के बीच जीडीपी में केवल 83फीसदी का इजाफा हुआ।

इसके अतिरिक्त अंतरिम बजट में सरकार को मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर भी ध्यान देना चाहिए। दिसंबर माह में यह सेक्टर 18 माह के निचले स्तर पर पहुंच गया। दिसंबर में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 54.9 पर रहा,जो नवंबर में 56 था। मैन्युफैक्चरिंग के सिकुड़ने से ग्रोथ को झटका लग रहा है। सेवाओं की तुलना में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में रोजगार बढ़ाना एक तेज प्रक्रिया है। कारखाना के निर्माण का वास्तविक कार्य न केवल रोजगार सृजन है, बल्कि इसमें कम कुशल श्रमिकों की मांग में भी वृद्धि होती है। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र को मजबूत किए बिना न तो तीव्र आर्थिक विकास संभव है और न ही आय में वृद्धि।

ग्रोथ रेट के प्रथम एवं द्वितीय अनुमान का मुख्य मकसद सरकार को बजट निर्माण से पहले ग्रोथ रेट के भरोसेमंद स्थितियों से अवगत कराना है। प्रथम अग्रिम अनुमान में चालू वित्त के दौरान जीडीपी में वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। यह प्रथमदृष्टया संतोषप्रद लगता है,परंतु जब भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न चुनौतियों के संदर्भ में इसे देखा जाए,तो एक जटिल स्थिति दिखाई देती है। केंद्र सरकार कर्ज जाल में डूबती जा रही है। वर्ष 2014 में देश पर 55 लाख करोड़ का कर्ज था,जो अब 205 लाख करोड़ तक पहुंच चुका है। कर्ज - जीडीपी अनुपात 90 प्रतिशत के खतरनाक स्तर को पार कर गया है। अंतरिम बजट में सरकार को बढ़ते कर्ज और कॉरपोरेट टैक्स पर विचार करना होगा। सरकार ने पिछले बजटों में कारपोरेट टैक्स में अप्रत्याशित रूप से कटौती की है, वहीं जीएसटी में जबरदस्त वृद्धि।

संपादकीय

चमक खोते सुप्रीम कोर्ट की हीरक जयंती

जनता की अपेक्षा के अनुरूप पर्याप्त एवं वक्त पर न्याय देने में असफल रहने के बावजूद लोगों की अंतिम आशा बने हुए भारत के शीर्ष न्यायालय ने रविवार को अपना हीरक जयंती समारोह मनाया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बताया कि %आज के कानून कल के मजबूत भारत का आधार हैं।% सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कोर्ट की कार्रवाई के डिजिटलाइजेशन एवं न्यायदान सरल भाषा में करने जैसी उपलब्धियों पर संतोष जताया। जो बहुत सी बातें इस अवसर पर किसी भी जागरूक नागरिक के जेहन में उभरती हैं, वे वर्तमान परिस्थितियों में यह सवाल करने पर मजबूर करती हैं कि एक समर्थ, स्वतंत्र व निष्पक्ष न्यायपालिका के रूप में वह लोकतंत्र की सुरक्षा और नागरिक अधिकारों के संरक्षण के मामले में कितनी सफल हुई है। ईमानदारी से अगर इस बात की समीक्षा की जाये तो कह सकते हैं कि सर्वोच्च न्यायालय को अभी लम्बा सफर तय करना है। ऐसे में यह भी सवाल उठता है कि इन मोर्चों पर जैसे भारत का लोकतंत्र आहत होता दिख रहा है, क्या सबसे बड़ी अदालत उसे बचाने में कामयाब हो रही है? %हां% कहने में किसी को भी संकोच हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के कुछ गिने-चुने न्यायाधीश ही ऐसे हुए हैं जिन्होंने अपनी जिम्मेदारी को वाकई गम्भीरता से लिया है, साहस के साथ। शीर्ष कोर्ट कई मसलों पर जन आकांक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाया है, खासकर हाल के वर्षों में। और भी सटीक तौर पर वह कालखंड रेखांकित किया जाये तो वर्तमान दौर, जिसमें न्यायदान एवं न्याय प्रणाली दोनों की ही दुर्दशा सामने आई है। जो प्रधानमंत्री मोदी न्यायपालिका में अनेक सुधारों की बात करते थे, वे भी यथास्थिति कायम रखने में स्वहित मानने लगे हैं।014 में जब वे प्रधानमंत्री बने थे, उन्होंने राजनीति को अपराधमुक्त बनाने के लिये सर्वोच्च न्यायालय से उम्मीद की थी कि गम्भीर आरोपों के साथ विधायिका में पहुंचने वाले सदस्यों के बारे में फैसले एक वर्ष के भीतर सुना दिये जायें ताकि लोकतंत्र के मंदिरों को साफ किया जा सके। आशा अच्छी थी, लेकिन न्यायपालिका अपेक्षित व्यवस्था न कर सका और मोदी सरकार को भी इससे राहत ही मिली क्योंकि बाद में पाया गया कि अनेक आरोपी न केवल लोकप्रतिनिधि बनकर देश की विधान मंडलों एवं संसद के सदनों में पहुंचने लगे जिन्हें श्री मोदी बाहर ही रोकना चाहते थे।विरोधाभास व विडम्बना यह रही कि भाजपा ने ही ऐसे अनेक लोगों को टिकटें दीं और उन्हें भीतर बिठाया। और तो और, सदन की सदस्यता के दौरान लगे आरोपों में उनके खिलाफ कार्रवाई करना तो दूर, उनका पुरजोर बचाव किया। फिर ऐसे लोगों में महिलाओं का उत्पीड़न करने वाले हों या दुष्कर्म अथवा निर्दोषों को अपने वाहनों से जानबूझकर कुचलने वाले मंत्री पुत्र ही क्यों न हों। करोड़ों रुपयों की डील करने वाले केन्द्रीय मंत्री के पुत्र भी सरकार का संरक्षण पाकर बचे रहे। केन्द्रीय जांच एजेंसियों की एकतरफा कार्रवाइयों को कोर्ट महसूस तो करता है परन्तु सरकार से जवाब तलब नहीं कर पाया।इसी कालखंड में अनेक आपराधिक कृत्य सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के लोगों की ओर से किये जाते रहे परन्तु न उन्हें सजा मिल सकी और न ही पीड़ित पक्षों को न्याय मिला। सामान्य सिविल व क्रिमिनल केसों का बात क्या की जाये, अधिक गम्भीर तथ्य तो यह है कि भारत में अब दो तरह के कानून जारी हैं- एक भाजपा के लिये, शेष सरकार विरोधी व्यक्तियों या संगठनों के लिये। इसी न्यायपालिका ने सत्ता दल के एक मंत्री व एक सांसद को यह कहकर छोड़ दिया था कि उन्होंने हेट स्पीच मुस्कुरा कर दी थी इसलिये वह अपराध नहीं है। अपने कई आदेशों को शब्दों व भावना के अनुरूप अनुपालन कराने में सुप्रीम कोर्ट नाकाम रहा है। यहां मामला पहुंचने का अर्थ ही मान लिया जाता है कि फैसला सरकार के और भाजपा के पक्ष में होगा। इक्के-दुक्के निर्णयों को छोड़ दें तो जनता की भी यही राय है; और उसकी वजहें ठोस हैं- उदाहरणों सहित वे उद्धत किये जा सकते हैं। किसान आंदोलन से लेकर शाहीन बाग आंदोलन, नोटबन्दी, जीएसटी और यहां तक कि धार्मिक मुद्दों पर आधारित मसले भी सरकार के पक्ष में छूटे हैं।जिस प्रकार से न्यायाधीशों को रिटायर होने के बाद महत्वपूर्ण जगहों पर बिठाया गया, वह लोगों को उंगली उठाने का मौका तो देता ही है, यह भी बतलाता है

कि देश की नियति तय करने वाले फैसले गुण-दोषों के आधार पर नहीं वरन रिटायर्ड होने पर अपनी पुनर्वास योजना के अंतर्गत सुनाये जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट को इस बाबत कोई आचार संहिता लागू की जानी चाहिये- वह भी इतने कड़े प्रावधानों के साथ कि कोई भी जज सेवानिवृत्त होने के बाद किसी पद पर कानूनन ही न बैठ सके ताकि कोई सरकार या व्यक्ति उसके लिये ऐसी व्यवस्था ही न कर पाये। इस दौरान कार्यपालिका द्वारा न्यायपालिका के अधिकार को छीनते हुए भी देखा गया है (बुलडोज़र संस्कृति) या उसे यह बतलाया जाता है कि कैसे फैसले लेने चाहिये। पिछले दिनों उस पर सत्ताधारी पार्टी से जुड़े लोगों द्वारा जो हमले किये गये हैं वे बेहद चिंताजनक हैं।

छोटे-छोटे दलों के संपर्क में है बसपा, यूपी-उत्तराखंड को छोड़कर अन्य राज्यों में कर सकती है गठजोड़

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने एनडीए और इंडी गठबंधन से भले ही दूरी बना ली हो, लेकिन अपनी ताकत बढ़ाने के लिए उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को छोड़ दूसरे राज्यों के क्षेत्रीय दलों से गठबंधन कर लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावनाएं जरूर तलाश रही है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा जैसे राज्यों की पार्टियों से बसपा का गठबंधन तय माना जा रहा है। सीटों की संख्या तय होने के साथ ही गठबंधन की घोषणा कर दी जाएगी।बसपा नेताओं के मुताबिक, हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो), जबकि छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश में गोंड़वाना गणतंत्र पार्टी (गोगपा) से गठबंधन की बात अंतिम दौर में है। गठबंधन कर बसपा हरियाणा की छह सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार सकती है। मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद इस संबंध में विभिन्न क्षेत्रीय दलों से बात कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मायावती ने आकाश को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड छोड़कर दूसरे राज्यों में बसपा की ताकत बढ़ाने का जिम्मा सौंप रखा है। बसपा के इस समय कुल 10 सांसद हैं जो सभी यूपी से चुनाव जीते हैं। अन्य राज्यों से बसपा का एक भी सांसद नहीं है।बसपा सुप्रीमो मायावती में एक और बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। यह बदलाव मायावती के हाल के कई बयानों से भी साफ ज़ाहिर होता है। मायावती अब उन राजनीतिक नारों से पीछा छुड़ाती दिख रही हैं, जिनके सहारे वे उत्तर भारत में दलितों और अति पिछड़े वर्गों यानि बहुजन समाज की शीर्ष नेता और देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री भी बनीं। नब्बे के दशक में बसपा के चर्चित नारों से किनारा करते हुए अब मायावती कह रही हैं कि ये नारे तो समाजवादी पार्टी ने बसपा को बदनाम करने के लिए गढ़े थे। नारों की बात की जाये तो छह दिसंबर 1992 को बाबरी ढांचा ध्वंस के बाद 1993 में हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव में मुलायम सिंह यादव की समाजवादी पार्टी और कांशीराम की बहुजन समाज पार्टी के बीच ऐतिहासिक गठबंधन हुआ था। इस दौरान एक नारा खूब चर्चित हुआ था, 'मिले मुलायम-कांशीराम, हवा में उड़ गए जय श्रीराम'। इस नारे का ज़िक्र करते हुए कुछ समय पूर्व मायावती ने ट्वीट किया कि वास्तव में उत्तर प्रदेश के विकास और जनहित की बजाय जातिद्वेष एवं अनर्गल मुद्दों की राजनीति करना समाजवादी पार्टी का स्वभाव रहा है।

वह एक अन्य ट्वीट में कहती हैं कि अयोध्या, श्रीराम मंदिर और अपर कास्ट समाज आदि से संबंधित जिन नारों को प्रचारित किया गया था वे बसपा को बदनाम करने की सपा की सोची समझी साज़िश थी। अतः सपा की ऐसी हरकतों से ख़ासकर दलितों, अन्य पिछड़ों और मुस्लिम समाज को सावधान रहने की सख़्त ज़रूरत है। पुराने नारों से पीछा छुड़ाने की मायावती की यह कोशिश दिखाती है कि वे भविष्य में बीजेपी में तरफ़ जा सकती हैं। ठीक उसी तरह जैसा वे पहले कर चुकी हैं, लेकिन अब उनके मुंह से 'मनुवादी' शब्द सुनने को नहीं मिलता जो पहले उनका प्रिय शब्द था। हालांकि यह कहना मुश्किल है कि वे इस लाइन पर राजनीति करके अपनी पार्टी के लिए सफलता की उम्मीद कर रही हैं या उनके दिगाम में और कुछ चल रहा हैं।

उधर, जैसे-जैसे लोकसभा के चुनाव नज़दीक आ रहे हैं, बसपा के नेताओं की बेचैनी बढ़ रही है। वे समझ नहीं पा रहे हैं कि उनकी पार्टी क्या करेगी और उन्हें क्या करना चाहिए।

दरअसल, बसपा नेताओं, ख़ासकर पार्टी के सांसदों की परेशानी विधानसभा चुनाव के समय से बढ़ी हुई है।

अपने-अपने दृढ़ विचारों के दौर में दोस्ती पर खतरे

मैं ऐसे लोगों से दोस्ती करता था, जिनके पास कोई नैतिक सलाह हुआ करती थी, लेकिन जब से उन्होंने मेरे लेख पढ़ने शुरू किए हैं, मैंने उनमें से कई दोस्तों को खो दिया है। मैं अभी भी कुछ ऐसे लोगों को जानता हूं, जो अपने कुछ दोस्तों से छुटकारा पाने के बारे में सोच रहे हैं। यह परखने का समय ही ऐसा है।

पिछले सप्ताह मेरी एक दोस्त अयोध्या में थीं। वहां नए मंदिर के उत्साह में वह बही नहीं, लेकिन उसने सोशल मीडिया पर अपने अनेक दोस्तों को बड़ी खुशी का इजहार करते देखा। वह सोच में पड़ गई कि क्या वह अब अपने इन दोस्तों से पहले की तरह लगाव रख सकेगी? वह सोचने लगीं कि बदलते दौर में ऐसे दोस्तों के प्रति सच्चा कैसे बने रहा जाए?

आखिर क्या हो रहा है? लोग उन दोस्तों को खो रहे हैं, जिन्हें वे दशकों से प्यार करते थे। वे उन्हें सोच या विचार की वजह से खो रहे हैं। पहले बहुत कम लोगों के पास कोई विचारधारा हुआ करती थी। दरअसल, पहले केवल बुजुर्गों के पास ही विचारधारा होती थी। अब कोई न कोई विचारधारा हमारी पूरी मानव जाति-प्रजाति के स्वभाव में शामिल हो गई है। लोग अब आगे बढ़कर आपसे विचार या विचारधारा पूछने लगे हैं, और ऐसा लगता है कि अब कोई भी अपनी विचारधारा को छिपा नहीं सकता। परिणामस्वरूप, पूरे देश में, विशेषकर शिक्षित मध्यम वर्ग में लोग अब अपने पुराने दोस्तों से हाथ धोने लगे हैं।

एक समय हम लोगों को सिर्फ इस बात के लिए नापसंद करते थे कि उन्होंने हमारे साथ कुछ बुरा किया; पर अब लोग अपने करीबी लोगों को भी उनकी सोच की वजह से नापसंद करने लगे हैं। जब मैंने अपनी दोस्त से यही बात कही, तो वह बोलीं, हो सकता है कि अब तुम मुझसे भी अपनी नजरें फेर लोगे, लेकिन मैं एक महिला होने के नाते ऐसा सोचती हूं। हमें या कम से कम मुझे, हमेशा यह जानने की जरूरत है कि जिस व्यक्ति से मैं बात कर रही हूं, वह क्या सोच रखता है? आखिर किसी व्यक्ति को उसके विचार से अलग करके कैसे देखा जा सकता है?

वाकई, अब अनेक चीजें बहुत तेजी से बदली हैं। अब हर कोई एक लेखक की तरह व्यवहार कर सकता है, जिससे महानगरीय मित्रता में भी उथल-पुथल मच गई है। आप महसूस कर सकते हैं कि मित्रताएं घट गई हैं। हालांकि, एक नई पीढ़ी भी उभरी है, जो दोस्तों के अलग-अलग खुशनुमा समूहों में मस्त है, पर ये ऐसे लोग हैं, जिन्होंने अभी तक गंभीरता से अखबार पढ़ना शुरू नहीं किया है। ये जब राजनीति में कुछ खोजना शुरू करेंगे, तब इनकी दोस्ती में भी गांठ पड़ने लगेगी। जो लोग खुद को उदारवादी मानते हैं, उनकी उन लोगों से पुरानी दोस्ती टूटने की आशंका ज्यादा है, जो धुर दक्षिणपंथी, बहुत धार्मिक, बहुत रूढ़िवादी या बहुत राष्ट्रवादी किस्म के हैं। यह हमारे समय का एक आश्चर्य है कि जानने योग्य दुनिया का ज्यादातर हिस्सा दक्षिणपंथी हो गया है। मेरी दोस्त के अनुसार, लंबे समय तक उन्हें लगता था कि किसी दक्षिणपंथी के साथ उनका लगाव नहीं हुआ, लेकिन यह सच नहीं है। देखा जाए, तो अधिकांश पुरुषों में दक्षिणपंथ की छाया होती है। वे महिलाओं को विशेष ढंग से देखते-समझते हैं। हो सकता है कि देखने-समझने की ऐसी ही दृष्टि महिलाओं में भी हो। आज किसी के लिए भी यह कहना आसान नहीं कि वह दक्षिणपंथी लोगों के साथ नहीं है, लेकिन क्या दोस्ती केवल एक राय से बर्बाद हो सकती है?

ध्यान रहे, पति-पत्नी बहुत ही व्यक्तिगत रूप से एक-दूसरे पर आरोप लगाते हैं, पर इसके पीछे स्त्री-पुरुष के सोचने का अलग बुनियादी ढंग ही ज्यादा जिम्मेदार है।

कम नींद लेने से बच्चों

का विकास होता है बाधित, अच्छी सेहत के लिए जानें कितना सोएं

अब डॉक्टर सिर्फ रक्त परीक्षण कर बता सकते हैं कि बच्चे में नींद की कमी है या नहीं। एक हालिया शोध में यह खुलासा किया गया है। बच्चों को रात में कम से कम नौ घंटे की नींद लेनी चाहिए जब तक वे 16 साल के नहीं हो जाते। नौ घंटे की नींद नहीं लेने से बच्चों के स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है।

मोटापे का खतरा बढ़ जाता है-

कम नींद से बच्चों का विकास बाधित होता है। इससे वे स्कूल और पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते और उनमें मोटापे व मधुमेह से ग्रस्त होने का जोखिम बढ़ जाता है। यह बताना बेहद मुश्किल है कि बच्चे को कितनी नींद मिलती है क्योंकि ये बच्चे और उसके माता-पिता पर निर्भर करता है।

अभिभावकों को भी इस बात की सही जानकारी नहीं होती कि बच्चा कितनी देर तक सोता है। लेकिन, वैज्ञानिकों का कहना है कि उन्होंने एक ऐसा रक्त परीक्षण विकसित कर लिया है जिससे बच्चों के सोने की आदतों के बारे में सही जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

आरएनएज अणु की करता है पहचान-

इटली के इंस्टीट्यूट ऑफ फूड साइंस ऑफ द नेशनल रिसर्च काउंसिल के शोधकर्ताओं ने इस रक्त परीक्षण को विकसित किया है। यह रक्त परीक्षण खून में मौजूद माइक्रो आरएनएज नामक अणु की पहचान कर नींद के बारे में पता लगाता है। माइक्रो आरएनएज शरीर के सबसे सक्रिय जीन को नियंत्रित करते हैं। वैज्ञानिकों ने नींद के समय के अनुसार माइक्रो आरएनएज में काफी बदलाव देखा।दो विभिन्न प्रकार के माइक्रो आरएनएज को देखने के बाद उन्होंने बताया कि कौन-सा बच्चा नौ घंटे सोता है और कौन कम सोता है।

कितनी नींद लेना जरूरी- अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग के अनुसार तीन साल से कम उम्र के बच्चों को हर रात 12 घंटे से ज्यादा सोना चाहिए और हर साल नींद में 15 मिनट की कटौती करते हुए 16 की उम्र में नौ घंटे की नींद पर आ जाना चाहिए।

बच्चों की बेहतर देखभाल करती है कामकाजी महिलाएं, शोध में खुलासा

आमतौर पर माना जाता है कि नौकरी करने वाले दंपत्ति को संतान की बेहतर देखभाल करने में तमाम मुश्किलों का सामना करना पड़ता है लेकिन एक शोध ने इस धारणा को न सिर्फ गलत साबित किया है बल्कि आधुनिकता का जीवन बसर करने वाली कामकाजी महिलाओं को योग्य मां करार दिया है। महिलाओं के प्रमुख ब्रांड फेमिना ने भारतीय महिलाओं पर %ऑल अबाउट वीमन' शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें बताया गया है कि नौकरीपेशा माताओं के लिए उनके बच्चे पहली प्राथमिकता है।

अपनी व्यस्तता में से समय निकालकर आधुनिक दौर के माता-पिता यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई एक अभिभावक बच्चों की निगरानी के लिए उनके साथ हर समय मौजूद रहे।रिपोर्ट में आधुनिक नौकरीपेशा माताओं के जीवन के कई पहलुओं, जैसे उपभोक्ता व्यवहार, जीवनशैली, आदत, नया सामान खरीदने की ताकत और आपसी संबंधों समेत कई पक्षों को प्रस्तुत किया गया है।यह शोध देश के 10 बड़े और छोटे शहरों में रहने वाली 1500 से ज्यादा शहरी महिलाओं पर किया गया।कामकाजी महिलाओं की लाइफस्टाइल के दिलचस्प उदाहरण पेश करते हुए रिपोर्ट में खुद की देखभाल के प्रति महिलाओं की बढ़ती दिलचस्पी को भी उभारा गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि टाइम की कमी, बिजी शेड्यूल और थकाने वाले डेली रूटीन के बावजूद नौकरीपेशा कामकाजी महिलाओं ने स्वस्थ खान-पान की आदतों से कोई समझौता नहीं किया। कामकाजी माताएं अपने और अपने परिवार की सेहत के प्रति काफी जागरूक हैं।

दफ्तर की जिंदगी और व्यक्तिगत जीवन में तालमेल के सवाल पर शोध में शामिल महिलाओं ने बताया कि वह अपने परिवार और सहयोगियों की सक्रिय मदद से नौकरी और निजी जिंदगी में संतुलन बनाने में कामयाब हो पाई हैं।

शारीरिक, भावनात्मक बोझ तले दबे होते हैं ऑटिज्म ग्रस्त बच्चों के पेरेंट्स: अध्ययन

ऑटिज्म से ग्रस्त बच्चों के परिवारों को अत्यंत शारीरिक और भावनात्मक बोझ सहना पड़ता है और कई बार उनपर बच्चों के साथ बदसलूकी के भी आरोप लगते हैं। यह बात एक अध्ययन के परिणामों में कही गयी है। ऑटिज्म बच्चों की विकास प्रक्रिया से जुड़ा एक विकार है जो उनकी संवाद करने और बातचीत करने की क्षमता को प्रभावित करता है।

अमेरिका में रुटजर्स विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं समेत अन्य विशेषज्ञों ने ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार से ग्रस्त पाये गये 2 से 20 साल की उम्र के 16 लोगों की देखभाल करने वाले 25 लोगों पर यह अध्ययन किया अध्ययन में इस बात का आकलन किया गया कि इन बच्चों की देखभाल उनके पारिवारिक विन्यास, परिवार के लोगों के शारीरिक तथा भावनात्मक स्वास्थ्य, सामाजिक कामकाज आदि पर क्या असर डालती है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑटिज्म एंड रिलेटेड डिसैबिलिटीज में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार ऐसे परिवारों में भावनात्मक गुबार उठना लाजिमी है जहां ऑटिज्म से जूझ रहे बच्चे रहते हैं। अध्ययन में पाया गया कि ऐसे परिवार सामाजिक अलगाव से भी ग्रस्त हैं। रुटजर्स यूनिवर्सिटी में न्यूरोलॉजी के प्रोफेसर तथा अध्ययन के सह-लेखक शु मिंग ने कहा, "ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से लोगों पर पड़ने वाले असर को लेकर तो समझ बढ़ी है,

सर्दियों में छोटे बच्चों को सुलाने का क्या है सही तरीका, जानें इस मौसम में कैसे करें उनकी देखभाल

सर्दियों में बच्चों का ख्याल रखना आसान नहीं है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि न्यू बोर्न बेबी का ध्यान रखने के लिए कुछ बेसिक बातों पर गौर किया जाए। वहीं, अगर आप पहली बार पैरेंट बने हैं, तो आपकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। आइए, जानते हैं सर्दियों में कैसे रखें बच्चों का ध्यान-

-जिस कमरे में आपने न्यू बॉर्न बेबी को रखा है, ठंड के मौसम में उस कमरे का टेंप्रेचर हल्का गर्म रखें। इसके लिए आप रूम हीटर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। लेकिन इसे बच्चे के पास ना जलाएं। डायरेक्ट हीट उसे नुकसान पहुंचा सकती है।-अगर आपने एक फुल स्लीव्स की शर्ट और एक कार्डिगन पहना है तो बच्चे को एक शर्ट, एक बॉडी वॉर्मर और एक कार्डिगन पहना दें। उसके हाथ और पैर को वूलन सॉक्स और दस्ताने से कवर करके रखें। सिर पर वूल की कैप के नीचे न्यू बॉर्न को पहले एक कॉटन के कपड़े की कैप पहनाएं।पहनाने चाहिए बल्कि उन्हें लाइट लेकिन वॉर्म फैब्रिक से बने कपड़े पहनाने चाहिए। आप हल्के गर्म कपड़ों की कई लेयर पहनाएं बजाय एक हेवी कोट के। इस बात का ध्यान तब जरूर रखें, जब आप कार से बेबी के साथ बाहर जा रहे हों।

घर से बाहर जाने से पहले अपने न्यू बॉर्न बेबी को अच्छी तरह कपड़े पहनाने के साथ ही एक वॉर्म शॉल या बेबी रैप कवर में अच्छी तरह लपेट लें। ज्यादा ठंड हो तो बच्चे का फेस किसी लाइट कॉटन हैंकी से कवर करें। उसके फेस को लपेटें नहीं।-ठंड के वक्त बच्चे को सुलाते समय उसे पूरी तरह कंबल (ब्लैंकेट) में न लपेटें। बल्कि कंबल को उसके आर्म्स तक रखें और ऊपर की तरफ से एक शॉल लेकर उसके सिर का एरिया कवर कर दें। बच्चे को इस तरह सुलाते समय दिन में भी उसके ऊपर मच्छरदानी का उपयोग करें।

बच्चों से ज्यादा पैरेंट्स हो रहे हैं

मोबाइल लत के शिकार

आजकल जमाना डिजिटल हो गया है। बच्चे ही नहीं, बड़े भी मोबाइल पर खासा समय बिताते हैं। ऐसे में माता-पिता के भी मोबाइल में व्यस्त रहने की बात सामने आई है। एक सर्वे के अनुसार, 70 फीसदी माता-पिता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे जरूरत से ज्यादा समय ऑनलाइन रहते हैं। इसका नकारात्मक असर परिवार पर पड़ता है।अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि उनके बच्चे हद से ज्यादा मोबाइल, लैपटॉप और अन्य गैजेट्स का इस्तेमाल करते हैं। मगर इस ओर कम ध्यान देते हैं कि कहीं उन्हीं से तो बच्चों में यह आदत विकसित नहीं हो रही। एक हालिया अध्ययन की मानें तो अभिभावक खुद जरूरत से ज्यादा वक्त तकनीक पर बर्बाद कर रहे हैं। अध्ययन में 72 फीसदी अभिभावकों ने माना है कि इंटरनेट और मोबाइल के ज्यादा इस्तेमाल का असर परिवार पर पड़ता है और उनका सामान्य पारिवारिक जीवन भी इसकी वजह से बाधित हो रहा है।

बीते दिन जारी हुई एक रिपोर्ट में यह बात सामने आयी। बुरी लत की तरह है- सर्वे के मुताबिक, 70 फीसदी माता-पिता इस बात से सहमत हैं कि इंटरनेट पर समय बिताना उनके लिए व्यसन सरीखा हो गया है। हालांकि 51 प्रतिशत लोग इंटरनेट और मोबाइल को खुद की और अपने बच्चों की बातचीत को प्रभावित करने की अनुमति दे देते हैं। ऐसे अभिभावक अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविध के साथ-साथ खुद भी मोबाइल फोन के प्रयोग की अपनी आदतों को रोकने का प्रयास नहीं करते हैं।बच्चों पर भरोसा रिपोर्ट के अनुसार, माता-पिता इंटरनेट के इस्तेमाल को लेकर बच्चों पर भरोसा करते हैं। कैस्परस्काई द्वारा कराए गए सर्वे में 52 प्रतिशत अभिभावकों ने इस बात को लेकर सहमति जताई कि उनके बच्चे जानते हैं कि कब इसका इस्तेमाल अधिक हो चुका है और उन्हें इसे बंद कर देना चाहिए।

सर्वे के अनुसार, माता (48 फीसदी) की तुलना में पिता (57 प्रतिशत) बच्चों पर उनकी इंटरनेट आदत को लेकर अधिक विश्वास करते हैं। सर्वे में यह बात भी सामने आई कि 40 प्रतिशत पैरेंट्स को ऐसा लगता है कि उन्हें अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों को नियंत्रित करने की जरूरत नहीं है। हालांकि यह खतरनाक हो सकता है, क्योंकि साइबर खतरे महज एक क्लिक की दूरी पर होते हैं।आकर्षक लगती है इंटरनेट की दुनिया-सर्वे कराने वाली कंपनी कैस्परस्काई की अधिकारी मरीना टिटोवा के अनुसार इंटरनेट और डिजिटल दुनिया पर बच्चों को आकर्षक सामग्री मिलती है। इससे उनका ध्यान लंबे समय तक उसी में लगा रहता है।

जानकारी

बच्चों को दूसरी महिला से स्तनपान कराना कितना सुरक्षित?

खतरनाक नहीं, लेकिन सुरक्षा भी जरूरी

कई महिलाएं होती हैं, जिनके स्तनों में बच्चे के जन्म के बाद भी दूध नहीं आता। ऐसे में कई बार सवाल आता है कि क्या कोई दूसरी महिला किसी के बच्चे को स्तनपान करा सकती है?

दूसरे के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग कराना वेट-नर्सिंग कहलाता है, लेकिन क्या यह बच्चे के लिए सुरक्षित है। हालांकि यह स्थिति तब बनती है जबकि बच्चे के जन्म के बाद महिलाओं के स्तनों में दूध नहीं आता या बहुत कम दूध आतो है, जो बच्चे के लिए पर्याप्त नहीं होता। हर शिशु के लिए मां का दूध शुरुआती समय में एक संपूर्ण आहार माना जाता है, लेकिन, ऐसी कई महिलाएं होती हैं जिनके स्तनों में बच्चे के जन्म के बाद भी दूध नहीं आता। ऐसे में कई बार सवाल आता है कि क्या कोई दूसरी महिला किसी के बच्चे को स्तनपान करा सकती है? आपको बता दें कि दूसरे के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग कराना वेट-नर्सिंग कहलाता है, लेकिन क्या यह बच्चे के लिए सुरक्षित है। आपने अपनी दादी या नानी से भी इसके बारे में सुना ही होगा कि उन्होंने घर या रिश्तेदारों में किसी और के बच्चे को अपना स्तनपान करवाया है और दोनों ही पूरी तरह से स्वस्थ हैं। अगर आपके स्तनों में दूध की मात्रा बहुत ही कम बनती है या दूध होता ही नहीं है, तो ऐसी स्थिति में वेट-नर्सिंग की मदद ले सकते हैं।

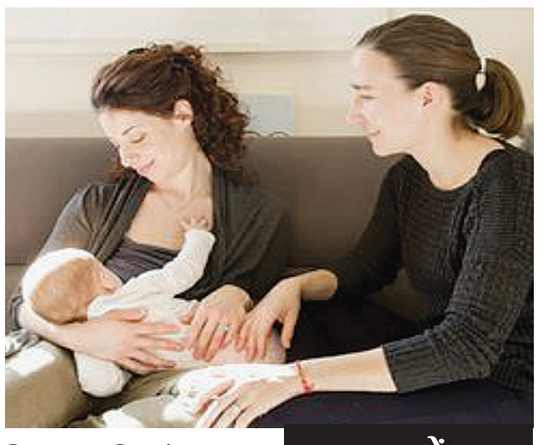

कितना सुरक्षित है वेट-नर्सिंग?

विशेषज्ञों की मानें, तो किसी और के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग करवाना खतरनाक नहीं है, लेकिन, यह पूरी तरह से सुरक्षित भी नहीं है। यह बच्चे के लिए कितना सुरक्षित है, यह स्तनपान करवाने वाली महिला के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। बहुत-सी कामकाजी महिलाएं आज के समय में एक-दूसरे के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग कराती हैं। कई मामलों में यह पूरी तरह से सुरक्षित पाया गया है, लेकिन कुछ हालातों में किसी और से अपने बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग करवाने से बचना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर स्तनपान कराने वाली महिला गंभीर बीमारी की मरीज हो, जैसे: एचआईवी, कैंसर या दूसरी कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या तो यह बच्चे के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। अगर महिला किसी तरह के नशीले पदार्थों का सेवन करती हों, जैसे शराब, सिगरेट आदि। अगर महिला नियमित तौर पर किसी तरह के दवा की आदी हो।

नहाकर आप हमेशा ही फ्रेश फील करते हैं पर क्या आप भरोसा करेंगे कि नहाने के कुछ नुकसान भी हैं। नहीं न! तो आइए हम आपको बताते हैं नहाते वक्त ऐसी कौन सी चीजें न करें, जिससे आपके शरीर या त्वचा को कोई नुकसान पहुंचे।

ठंड में नहाते समय 5 गलतियां खराब कर सकती है आपकी त्वचा और बाल

आपको हर दिन नहाने की जरूरत है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि क्या कभी हर दिन नहाना भी आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है? हो सकता है कि नहाने के कारण भी आपकी त्वचा को नुकसान पहुंच रहे हो। आपको न पता हो पर नहाते वक्त आपकी त्वचा के नेचुरल ऑयल भी पानी के साथ बह जाते हैं। इसके अलावा बहुत देर तक गर्म और ठंडे पानी से नहाने के भी अपको नुकसान होते हैं। इसके लिए जरूरी है हम कुछ चीजों को नहाते वक्त करने से बचें। आइए हम आपको बताते हैं इन्हीं कुछ चीजों को बारे में।

गर्म पानी से न नहाएं

हमें न तो बहुत गर्म पानी से नहाना चाहिए, न ही बहुत ठंडे पानी से, क्योंकि इसके कारण आपके शरीर को कुछ नुकसान भी हो सकते हैं तो कोशिश करें कि हमेशा ही गुनगुने पानी से नहाएं, जिसका तापमान बैलेंस हो। पर कुछ लोग ज्यादा आराम पाने के लिए गर्म पानी से नहाते हैं, लेकिन इससे आपकी त्वचा को नुकसान हो सकता है। दरअसल गर्म पानी आपकी त्वचा से प्राकृतिक तेलों को निकाल सकता है। गर्म पानी की वजह से भी आपकी त्वचा खुजली और सूखी हो सकती है। यदि आप ठंडे स्थान पर भी रहते हैं, तो सुनिश्चित करें कि पानी का तापमान नहाते वक्त ज्यादा न हो, जिससे आपकी त्वचा के नेचुरूल ऑयल बने रहे।

बहुत लंबे समय तक नहाने से बचें

शॉवर में 30 मिनट बिताना आपके लिए आकर्षक हो सकता है, लेकिन आपकी त्वचा के लिए यह हानिकारक हो सकता है। यह आपकी त्वचा से नेचुरल लिपिड को हटा सकता है, जो त्वचा को नम रखने के लिए पानी को त्वचा में बांधकर रखने में मदद करते हैं। इसलिए कोशिश करें कि शॉवर में 10 मिनट से ज्यादा न बिताएं। साथ ही बाल्टी के पानी से धीरे-धीरे नहाएं। इससे आपकी त्वचा पर सीधे पानी की धार नहीं पड़ेगी और त्वचा एक दम से ठंडी और गर्मी के लिए सेंस्टिव भी नहीं होगा।

बहुत ज्यादा सुगंध वाले साबुन के इस्तेमाल से बचें

सुगंध वाले साबुन में ऐसी सामग्री भी होती है, जो आपकी त्वचा से नमी को छीन सकती है। वे त्वचा में अत्यधिक सूखापन पैदा कर सकते हैं। अक्सर साबुनों में पैराबिन्स, सिंथेटिक रंग, सुगंध, सोडियम लॉरिल सल्फेट और फॉर्मलाडेहाइड शामिल होते हैं, जिससे शरीर की त्वचा पर अलग-अलग तरीकों से नुकसान पहुंचता है। कुछ लोगों को तो इन साबुनों से इंफेक्शन भी हो जाता है। ऐसे में कोशिश करें कि बिना सुगंध वाले और मिल्क प्रोटीन वाले साबुनों का इस्तेमाल करें। अगर आप साबुन से नहाकर अपने पसीने की बदबू को हटाना चाहते हैं, तो आप नहाते वक्त पानी में इत्र डाल सकते हैं। इसके अलावा आप साबुन लगाने के बाद एक बार नहाकर कोई सुगंधित तेल लगा लें और फिर नहा लें। इससे आपके शरीर की त्वचा सुगंधित भी रहेगी और मॉइश्चराइज भी।

नहाने के बाद शरीर को अच्छे से सुखाएं

कुछ लोग नहाने के बाद शरीर को बिना अच्छे से सुखाए ही कपड़े पहन लेते हैं। ऐसे में शरीर में लगे हुए पानी के कण बाद में दाद और खुजली का कारण भी बन सकते हैं। इसके साथ ही सुनिश्चित करें कि आप साबुन और अन्य उत्पादों को अच्छी तरह से धोकर नहाएं। इससे आपके त्वचा के पोर्स भी ब्लाक हो सकते हैं, जिससे मुंह पर मुंहासे होने की संभावना बढ़ जाती है। इसके लिए मुंहासों को रोकने के लिए अपने बालों को अच्छी तरह से साफ करें।

गीले तौलिए से शरीर न पोंछे

कोशिश करें कि नहाने के बाद सूती कपड़े से शरीर को पोंछे। दरअसल सूती तौलिया शरीर के पानी को अच्छे से पोंछता है और साफ कर देता है। साथ में कोशिश यह भी करें कि नहाने के बाद शरीर को गीले तौलिए से न पोंछे। इससे स्किन इंफेक्शन्स हो सकते हैं। इससे आप दाद-खाज और खुजली से हमेशा बचे रह सकते हैं।

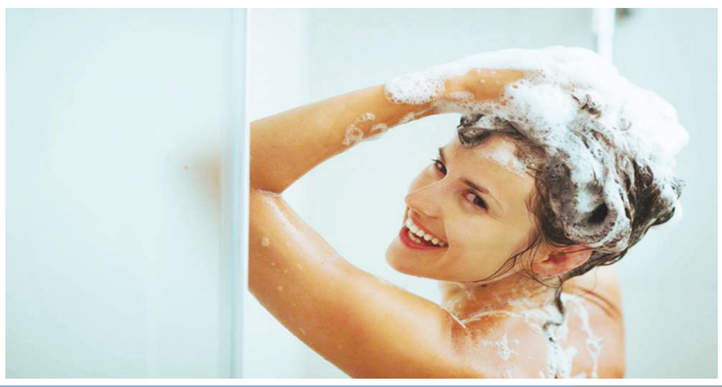

सेहत

वैज्ञानिकों ने बताया भारतीयों में क्यों छोटा होता है दिमाग

छोटा दिमाग होने का है फायदा

भारतीयों में पश्चिमी व पूर्वी देशों की तुलना में छोटा दिमाग होता है, इस बात का खुलासा हाल में हुए एक अध्ययन में किया गया। शोधकर्ताओं ने पहली बार भारतीय ब्रेन एटलस बनाया है, जिसमें कि अध्ययन से पता चला है कि पश्चिमी और अन्य पूर्वी देश की आबादी की तुलना में भारतीय मस्तिष्क, औसतन, ऊंचाई, चौड़ाई और मात्रा में छोटा है, लेकिन इसमें कोई बुरा मानने या नुकसान वाली कोई बात नहीं है, बल्कि फायदा है। जी हां शोधकर्ताओं ने बताया कि छोटा दिमाग, अल्जाइमर यानि भूलने की बीमारी और मस्तिष्क संबंधी अन्य बीमारियों के जल्दी ठीक करने में मदद मिलती है। यह शोध 'जर्नल न्यूरोलॉजी इंडिया' में प्रकाशित हुआ है। सेंटर फॉर विजुअल इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के जयंती शिवस्वामी, जिन्होंने इस प्रोजेक्ट पर काम किया ने कहा कि मॉन्ट्रियल न्यूरोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (MNI) टेम्पलेट, जो मानक के रूप में उपयोग किया जाता है, उसे कोकेशियान ब्रेन का उपयोग करके बनाया गया था। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह भारतीय आबादी में मस्तिष्क के अंतर का विश्लेषण करने के लिए आदर्श नहीं है, क्योंकि भारतीयों का दिमाग टेम्पलेट से छोटा होता है, जो कि कई स्कैन में साबित हुआ है।

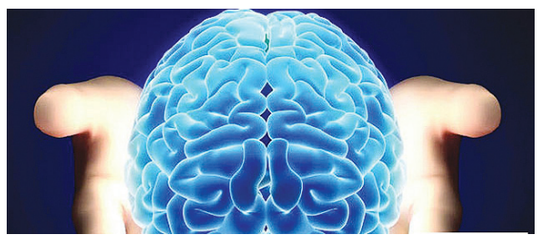

जयंती शिवस्वामी ने बताया कि मॉन्ट्रियल न्यूरोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (MNI) की तुलना में भारतीय दिमाग आकार में छोटा होता है, स्कैन में आने वाले अंतर चिंताजनक और खतरनाक भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि एमआरआई इमेज की तुलना एमएनआई टेम्पलेट से की गई। अध्ययन के आधार पर स्पष्ट सबूत हैं कि बड़े एटलस का निर्माण करना जरूरी है, क्योंकि यह संरचनात्मक रूप से समझना महत्वपूर्ण है कि सामान्य क्या है। इससे मस्तिष्क की कई स्थितियों को जल्द पकड़ने में मदद मिलेगी।

कैसे किया गया अध्ययन?

इस अध्ययन में जयंती ने बताया कि टेम्पलेट निर्माण के लिए उन्होंने चीन और कोरिया की आबादी का ब्रेन स्ट्रक्चर तैयार किया। जबकि भारतीयों के दिमाग का एटलस बनाने का यह पहला प्रयास था, जिसमें भारतीय मस्तिष्क एटलस बनाने में आईआईआईटी-हैदराबाद टीम द्वारा पहले प्रयास में 50 महिलाएं और 50 पुरुष शामिल थे, जिसमें स्कैनिंग मशीनों में भिन्नता का पता लगाने के लिए इन विषयों के दिमाग के एमआरआई स्कैन को तीन अलग-अलग अस्पतालों में तीन अलग-अलग स्कैनरों में लिया गया। पायलट अध्ययन के परिणामों के अनुसार, एटलस के अंतिम निर्माण में 100 इच्छुक प्रतिभागियों को भर्ती करने के लिए आगे बढ़े, जिन्हें आईबीए 100 कहा जाता है।

जयंती ने कहा एटलस को विभिन्न आबादी के लिए अन्य एटलस के खिलाफ मान्य किया गया था। ऊंचाई, चौड़ाई और मात्रा यानि वॉल्युम में ये अंतर संरचनात्मक स्तर पर भी पाए जाते हैं, जैसे कि हिप्पोकैम्पस की मात्रा, लेकिन कुल मिलाकर, IBA 100 चीनी और कोरियाई एटलस के साथ दूर के कोकेशियान एक (MNI) की तुलना में अधिक है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम वर्तमान में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को समझने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कई परिवर्तन हैं जो मस्तिष्क में बढ़ती उम्र के कारण होते हैं, जिसमें सबसे विशिष्ट है, संरचनाओं का सिकुड़ना उन्होंने यह भी कहा कि इससे डिमेंशिया या अल्जाइमर का इलाज करने में मदद मिल सकती है, क्योंकि वे हिप्पोकैम्पस से जुड़े हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 1974

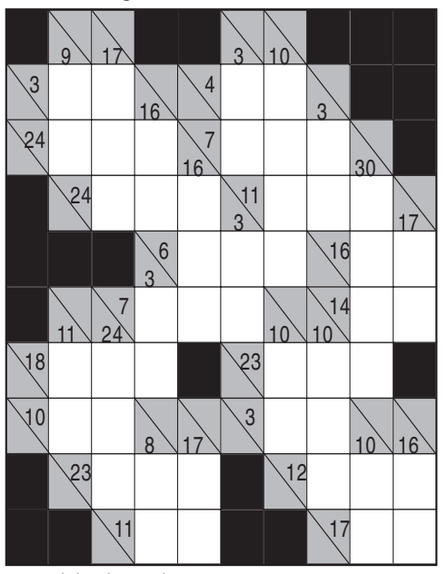

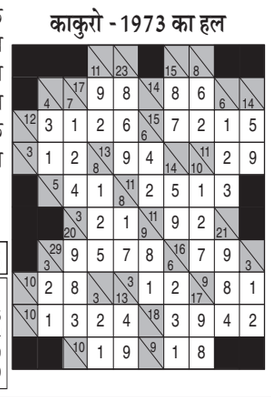

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 1973 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने कहा, 'आज इंसानियत है कहाँ?'

दूसरा व्यक्ति झट से बोला, 'क्यों आपके घर में 'शब्दकोश' नहीं हैं.

आप चार बार तलाक देने के बाद पाँचवीं बार विवाह करने क्यों जा रहे हैं? पहले व्यक्ति ने पूछा.

'क्यों, क्या पाँचों अंगुलियाँ बराबर होती हैं?' दूसरे व्यक्ति ने कहा.

पत्नी-'आप नींद में बहुत बोलते हैं.'

पति-'तो क्या तुम चाहती हो कि मैं नींद में भी तुम्हारी ही सुनता रहूँ.'

रमेश बहुत शर्मीला था.

एक दिन पार्टी में उसने अपनी प्रेमिका को फूलों का एक गुलदस्ता भेंट किया. प्रेमिका एकदम से भाव-विभोर होते हुए उससे लिपट गई और उसने उसका चुम्बन ले लिया.

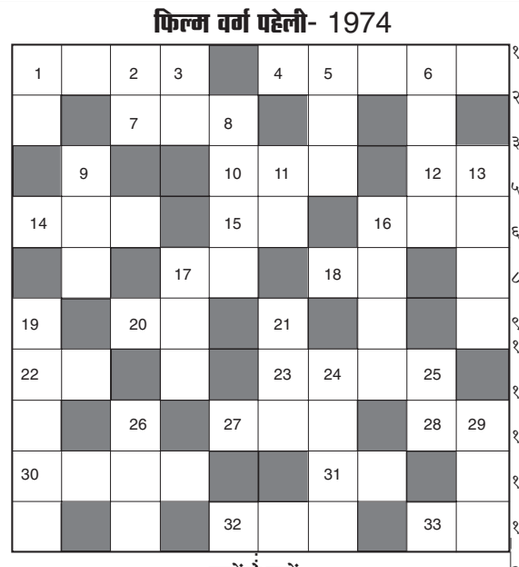

रमेश झेंपकर हॉल से बाहर जाने लगा. इस पर उसकी प्रेमिका ने डरते हुए पूछा-''नाखुश हो गए ?''

''नहीं.''

रमेश जल्दी से बोला-''नाखुश होने की कोई बात नहीं है. मैं और फूल लेने जा रहा हूं.''

फिल्म वर्ग पहेली- 1974

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1973

सूडोकु -1974

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1973 का हल

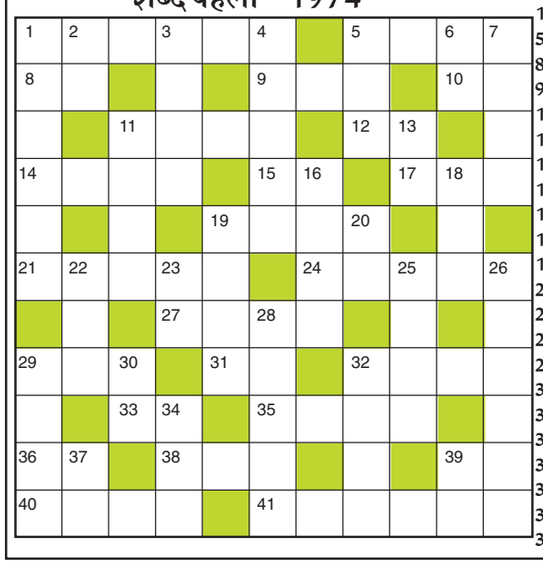

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 1974

बाएँ से दाएँ

1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.दौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टौंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणतः-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

शब्द पहेली - 1973 का हल

आगरा, बुंदेलखंड व पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर काम करेगा हेल्पलाइन नंबर 14449, मदद तुरंत

आगरा, बुंदेलखंड व पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हेल्पलाइन नंबर 14449 काम करेगा। शिकायत करने पर लोगों की तुरंत सहायता दी जाएगी।

लखनऊ. एक्सप्रेसवे पर जनता की सहूलियत के लिए यूपीडा ने अब एक नया हेल्पलाइन नंबर-14449 जारी किया है। कोई भी यात्री एक्सप्रेसवे पर आपात स्थिति में इस नंबर के जरिए तत्काल मदद ले सकेगा। यह नंबर आगरा एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे व पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के लिए प्रभावी होगा।

यूपीडा के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीहरि प्रताप शाही ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। अभी तक तीनों एक्सप्रेसवे के लिए दस अंक के अलग-अलग हेल्पलाइन नंबर थे। इनको याद करने में दिक्कत थी और हर एक्सप्रेसवे के लिए अलग-अलग नंबर याद करने पड़ते थे। अब इन्हें खत्म कर नया नंबर-14449 लागू किया है। एकीकृत नियंत्रण कक्ष बनाया गया है जो तीनों एक्सप्रेसवे एक साथ नियंत्रित करेगा। इस सेंटर में आधुनिक संचार उपकरण लगाए गए हैं जो हादसे की सूचना मिलने पर तत्काल क्रेन, एंबुलेंस, पुलिस सेवा, रेस्क्यू व राहत पहुंचा सकेंगे।

इसी सेंटर में हर दुर्घटना की जानकारी इसी नए नंबर पर दर्ज होगी। अगर किसी वाहन ने पशु को टक्कर मारी है या पशु सड़क पर आ गया है तो इसकी शिकायत भी हेल्पलाइन नंबर-14449 पर दर्ज कराई जा सकेगी। शिकायत पंजीकृत होने के कुछ सेकंड में ही यूजर्स की शिकायत संबंधित अधिकारियों को बता दी जाएगी। हर शिकायत पर नागरिकों से फीडबैक लिया जाएगा।

लोकसभा चुनाव 2024: पटना में युवा वोटर्स होंगे जीत की गारंटी, जानिए क्या है वजह?

लोकसभा चुनाव 2024 में पटना की सीटों पर युवा वोटर्स जीत की गारंटी होंगे। 30-40 साल के वोटर्स की संख्या 12 लाख से ज्यादा है। वहीं 40 से 49 साल के 11 लाख से ज्यादा मतदाता हैं।

पटना. पटना जिले में 49 लाख से अधिक मतदाता हैं, जिनमें आधे से अधिक युवा हैं। कमोबेश हर विधानसभा में युवा मतदाताओं की यही स्थिति है। आगामी लोकसभा चुनाव में युवा जिसे वोट करेंगे जीत का सेहरा उसी के सिर बंधेगा। 30 से 49 साल के मतदाता सबसे अधिक हैं। पटना जिले में कुल 14 विधानसभा क्षेत्र हैं। इनमें पाटलिपुत्र लोकसभा में फुलवारी, बिक्रम, दानापुर, मनेर, पालीगंज और मसौढ़ी विधानसभा का क्षेत्र आता है। पटना साहिब में दीघा, बांकीरपुर, कुम्हरार, पटना साहिब, फतुहा, बख्तियारपुर आते हैं। जिले के बाढ़ और मोकामा विधानसभा क्षेत्र मुंगेर लोकसभा के अधीन हैं। पटना जिले में 30 से 39 आयु वर्ग में 12 लाख 26 हजार 502 और 40 से 49 साल के 11 लाख 22 हजार 697 मतदाता हैं। दोनों आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 23 लाख 49 हजार 199 है। इसी तरह 18 से 19 आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 55 हजार 410 जबकि 20 से 29 आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 8 लाख 29 हजार 251 है। दोनों आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या मिला दे तो यह 8 लाख 84 हजार 661 होती है। चारों आयु वर्ग के युवाओं को शामिल कर दिया जाए तो उनकी संख्या 32 लाख 33 हजार 860 है, जो कुल मतदाताओं के आधे से

अधिक है। पटना जिले में 55 हजार 410 ऐसे युवा मतदाता हैं जो पहली बार लोकसभा चुनाव में मतदान करेंगे। इसमें 32 हजार 931 छात्र और 22 हजार 477 कॉलेज की छात्राएं हैं। जिला प्रशासन ने दिसंबर में शैक्षणिक संस्थानों में अभियान चलाकर छात्र-छात्राओं को मतदाता बनाया था।

12 हजार से अधिक हैं सर्विस वोटर पटना जिले में 12 हजार 833 सर्विस वोटर हैं। सर्विस वोटर ऐसे होते हैं जो नौकरी में रहते हैं। वे दूसरे स्थान के भी हो सकते हैं लेकिन उनकी वर्तमान पोस्टिंग पटना जिले में है। एक सामान्य मतदाता और सर्विस वोटर में अंतर होता है। साधारण मतदाता उस निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में पंजीकृत होता है, जिसमें उसका सामान्य निवास स्थान स्थित है। सेवा योग्यता रखने वाला व्यक्ति अपने मूल स्थान पर 'सर्विस वोटर' के रूप में नामांकित हो सकता है। सर्विस वोटर के पास अपनी पोस्टिंग के स्थान पर खुद को सामान्य निर्वाचक के रूप में नामांकित करने का विकल्प रहता है। जिले में 100 साल से अधिक आयु वर्ग के 1375 मतदाता हैं। इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 606 तथा महिला मतदाता की संख्या 769 है। इसी प्रकार 110 से 119 आयु वर्ग के पांच तथा 120 साल से अधिक उम्र के आठ मतदाता हैं। बुजुर्ग मतदाताओं के लिए लोकसभा चुनाव में विशेष व्यवस्था रहेगी। उन्हें अपने घर से ले आने और मतदान केंद्र से घर तक ले जाने के लिए ई-रिक्शा की व्यवस्था की जाएगी। यह सुविधा दिव्यांग मतदाताओं के लिए भी रहेगी। ट्रांसजेंडर में 90 साल से अधिक उम्र के कोई मतदाता नहीं हैं। ट्रांसजेंडर में सबसे अधिक 30 से 39 आयु वर्ग में 59 मतदाता हैं।

दीघा विस में सबसे अधिक वोटर

दीघा विधानसभा में सबसे अधिक पुरुष और महिला मतदाताओं की संख्या हैं। यहां दो लाख 25 हजार 153 महिला मतदाता हैं। फतुहा में सबसे कम

एनआईवीएच की दृष्टि दिव्यांग नाबालिग छात्राओं से गंदी हरकत, यौन उत्पीड़न में शिक्षक-उपप्राचार्य को सजा

देहरादून. एनआईवीएच, राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान-एनआईईपीवीडी(एनआईईपीवीडी) में छात्राओं के यौन शोषण मामल में शिक्षक और उपप्राचार्य को कोर्ट ने सजा सुनाई है। दोषी तत्कालीन संगीत शिक्षक सुचित नारंग को कोर्ट ने 20 साल कठोर करावास की सजा सुनाई है। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जज पंकज तोमर ने दोषी पर कुल 60 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। केस में आरोपी को बचाने में मदद की दोषी की तत्कालीन उप प्राचार्य अनुसूया शर्मा को कोर्ट ने छह महीने की सजा सुनाने के साथ ही पांच हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। शासकीय अधिवक्ता किशोर कुमार सिंह ने बताया कि 18 अगस्त को राजपुर थाने में बाल आयोग की तरफ से केस दर्ज कराया गया।

आरोप था कि एनआईईपीवीडी (उस वक्त संस्थान का नाम एनआईवीएच) के तत्कालीन संगीत शिक्षक सुचित नारंग निवासी वासु एस्टेट जाखन ने संस्थान की एक नाबालिग छात्रा का यौन शोषण किया। कई अन्य छात्राओं के साथ भी अश्लील हरकतें की।

पुलिस ने जांच के बाद दाखिल की चार्जशीट में सुचित को मुख्य आरोपी बनाने के साथ ही संस्थान की तत्कालीन निदेशक अनुराधा डालमिया, पूर्व उप प्राचार्या डॉ. अनुसूया शर्मा, संस्थान कर्मचारी तेजी और लखनऊ के जिस आश्रम से पीड़ित छात्रा को एनआईवीएच में पढ़ाई के लिए भेजा गया था, उसकी संचालिका पूर्णिमा को भी सह आरोपी बनाया था।कोर्ट ने सुचित और तत्कालीन उप प्राचार्य अनुसूया शर्मा निवासी इंजीनियर्स एंक्लेव जाखन फाइल ट्रायल के दौरान अलग की गई थी। वहीं हाईकोर्ट के आदेश पर निदेशक अनुराधा डालमिया का नाम ट्रायल से हटा दिया गया था। मंगलवार को कोर्ट ने सुचित नारंग और अनुसूया शर्मा की सजा पर फैसला दिया।

उप प्राचार्य ने दबा दी थी पीड़िता की शिकायत

एनआईवीएच में छात्रा के यौन शोषण मामले में पीड़िता ने तत्कालीन उप प्राचार्य से शिकायत की थी। उन्होंने मामले तत्काल कार्रवाई करने के बजाए उसे दबा दिया था। इसलिए उप प्राचार्य को भी कोर्ट ने सजा सुनाई।

पूर्व महिला सिपाही पर फिर आई मुसीबत, रील बनाने पर छिनी थी वर्दी, अब पति-सास से ऐसे परेशान

आगरा. रील से चर्चा में आई आगरा की पूर्व महिला सिपाही प्रियंका मिश्रा फिर से सुर्खियों में है। एक बार इस्तीफा दिया और फिर नौकरी प्राप्त की। लेकिन 48 घंटे में ही वर्दी छिन गई। इसके बाद वे ससुराल में रह रही थीं। अब उनका नया मामला सामने आया है। महिला द्वारा बनाए गए पांच वीडियो इंस्टाग्राम पर अपलोड हुए हैं। इसमें वह ससुरालवालों पर गंभीर आरोप लगा रही है।

आगरा में रील बनाकर ट्रोल होने वाली महिला सिपाही की पुलिस विभाग से नौकरी गई तो अब वह नई मुसीबत में पड़ गई हैं। कानपुर की रहने वाली महिला

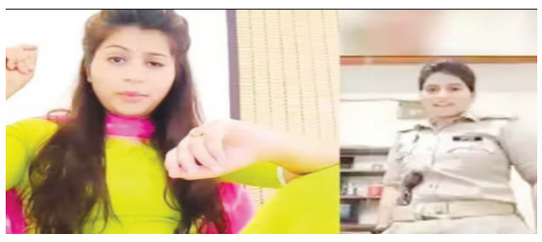

ने अपने ससुरालवालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इतना ही नहीं उन्होंने इंस्टाग्राम पर पांच वीडियो अपलोड कर अपना दर्द बयां किया है। महिला वीडियो में कह रही है कि पति की कई युवतियों से दोस्ती है। ससुरालवालों से शिकायत की तो वह भी पति को समझाने की जगह उसका उत्पीड़न कर रहे हैं। इतना ही नहीं महिला ने मोबाइल के स्क्रीनशॉट भी अपलोड किए हैं।

एमएम गेट थाने में तैनाती के दौरान बनाई थी रील: मूलत: कानपुर निवासी महिला वर्ष 2020 में पुलिस विभाग में सिपाही बनी थीं। उन्हें झांसी में प्रशिक्षण के बाद वर्ष 2021 में आगरा भेजा गया। थाना एमएम गेट में महिला हेल्प डेस्क पर तैनात थीं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर रिवाल्वर हाथ में लेकर रील बनाई थी। उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया था। ड्यूटी पर रहते हुए रील बनाने पर कई लोगों ने सवाल उठाए थे।

मामला तत्कालीन एसएसपी मुनिराज जी. तक पहुंचा था। सिपाही को लाइन हाजिर किया। सिपाही ने आहत होकर खुद ही त्यागपत्र दे दिया। उनसे प्रशिक्षण में खर्च धनराशि भी जमा करा ली गई थी। इसके बाद 2023 में तथ्य छिपाकर महिला ने क्लर्क की मदद से दोबारा नौकरी प्राप्त कर ली, लेकिन 48 घंटे बाद भी उन्हें फिर से नौकरी से निकाल दिया गया था।

बिहार के डेढ़ करोड़ बच्चों के खाते में आएगा इस योजना का पैसा, लेकिन शिक्षा विभाग की एक शर्त भी है

पटना. राज्य के डेढ़ करोड़ छात्र-छात्राओं को साइकिल, पोशाक और छात्रवृत्ति योजना की राशि का भुगतान अगले एक सप्ताह में किया जाएगा। पहली से 12वीं कक्षा के विद्यार्थी इसमें शामिल होंगे। इसको लेकर शिक्षा विभाग की तैयारी अंतिम चरण में है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के अंतर्गत इन बच्चों को राशि का भुगतान उनके बैंक खाते में किया जाएगा।

विभाग के पदाधिकारी बताते हैं कि अप्रैल से सितंबर 2023 तक जिन छात्र-छात्राओं की कक्षा में उपस्थिति 75 प्रतिशत है, उन्हीं को इन योजनाओं का लाभ मिलेगा। इसको लेकर मेधा सॉफ्ट पर विद्यार्थियों की सूची अद्यतन की जा रही है, जो अंतिम चरण में है। इनमें वैसे विद्यार्थियों को अलग से चिह्नित किया गया है, जिनकी हाजिरी 75 प्रतिशत या उससे अधिक रही है। लंबे समय से इसकी तैयारी चल रही थी।

आंकड़ा सूचीबद्ध करने में हुई देर के कारण अब-तक राशि का भुगतान नहीं किया गया है। लगातार कई दिनों तक स्कूल से अनुपस्थित रहने वाले 24 लाख बच्चों के नाम काटे गये हैं। ऐसे बच्चों के नाम भी मेधा सॉफ्ट में अपलोड करना था। इस कार्य में जिलों द्वारा काफी सुस्ती बरती गई। इसके बाद यह जिम्मेदारी एनआईसी को दी गई।

मिली जानकारी के अनुसार, नाम काटे गये बच्चों में 75 प्रतिशत से अधिक की सूची मेधा सॉफ्ट में अद्यतन कर दी गई है। नौवीं के छात्र-छात्राओं को साइकिल राशि दी जाएगी। पोशाक और छात्रवृत्ति की राशि कक्षा एक से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को दी जाएगी। पदाधिकारी बताते हैं कि पहली से 12वीं कक्षा में नामांकित बच्चों की संख्या पौने दो करोड़ है। इनमें 75 प्रतिशत हाजिरी वाले को ही राशि मिलेगी, जिनकी संख्या डेढ़ करोड़ तक होने का अनुमान है।

हसदेव के विरोध की आवाज पहुंची दिल्ली तक, सियासत की गर्मी में आदिवासियों पर 'आप' की दिखी नर्मी

रायपुर.छत्तीसगढ़ के हसदेव में जंगल की कटाई कर कोल ब्लॉक स्थापित करने का मामला अब दिल्ली में गूंज रहा है। कांग्रेस पार्टी के आदिवासियों के साथ विरोध करने के बाद अब आम आदमी पार्टी इस मुद्दे को लेकर दिल्ली में बैठी मोदी सरकार और प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। हसदेव की सियासत के पारा से राजधानी दिल्ली में मामला गर्म हो चला है। हसदेव को लेकर आम आदमी पार्टी रायपुर से लेकर दिल्ली तक प्रदर्शन करने जा रही है?। छत्तीसगढ़ की आप प्रवक्ता ने दिल्ली में प्रेस वार्ता कर भाजपा की सरकार पर आदिवासियों के साथ छल करके उनके घरों को उजाड़ने का आरोप लगाया है।

आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर लगाया आरोप

दिल्ली में हसदेव मामले को लेकर बोलते हुए आम आदमी पार्टी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सराकर केंद्र सरकार के सह में प्रदेश के आदिवासियों के साथ अत्याचार कर रही है। कोयला खदान खोलने के चक्र में हसदेव के जंगलों को उजाड़ा जा रहा है। जंगल की कटाई को लेकर स्थानीय लोगों के द्वारा लगातार आंदोलन किया जा रहा है। वही भाजपा की डबल इंजन की सरकार आंदोलन को दबाने की कोशिश कर रही है। आप ने आरोप लगाया कि केंद्र में बैठी मोदी सरकार और राज्य की सरकार दोनों ही हसदेव के मुद्दे को लेकर जनता को गुमराह करने का काम कर रही है।

कांग्रेस भी कर चुकी विरोध

बतादें कि विधानसभा चुनाव में सत्ता जाने के बाद एक बार फिर से हसदेव के जंगल की कटाई शुरु हो गई । जिसके बाद छत्तीसगढ़ की विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने हसदेव को लेकर प्रदेश स्तर पर विरोध किया। कांग्रेस पार्टी का दल बीते दिनों हसदेव में आदिवासियों के आंदोलन में शामिल होकर मौजूदा साय सरकार पर हसदेव के पेड़ों की कटाई को फिर से शुरु कराने और आदिवासियों के साथ धोखा का आरोप लगाया है।

कुहासे-ठंड से चौपट हुई तिलहनी फसलें, आलू-सरसों की फसल भी बर्बाद, किसान हुए मासूम

राज्य में लगातार भीषण ठंड और कोहरे से तिलहनी फसलें चौपट हो गई है। वहीं आलू-सरसों की फसल को भी काफी नुकसान हुआ है। जिससे किसान मायूस हैं। गेंहू को छोड़ सभी फसलों को क्षति हुई है

पटना. बीते 30 दिनों से जारी कड़ाके की ठंड व कोहरे के कारण गेहूं को छोड़कर तिलहनी व दहलनी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। सबसे अधिक क्षति सरसों व आलू को हुई है। सरसों पर गलका रोग का प्रकोप दिख रहा है। वहीं अगात सरसों की फसल में जनवरी में 10 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान रहने से पुष्पण, फलन व परागण प्रभावित है। तिलहनी फसलों को 20 से 30 फीसदी का नुकसान हो सकता है। अधिकतर जिलों में आलू की 30 से 40 फीसदी फसल बर्बाद हो गई है।

गोपालगंज में 48 सौ हेक्टेयर में तिलहन की खेती हुई है। करीब 40 फीसदी फसल के बर्बाद होने का अनुमान है। उधर, झुलसा रोग लगने से आलू की करीब 70 फीसदी फसल प्रभावित हुई है। औरंगाबाद में अधिक ठंड के कारण आलू, दलहन और तिलहनी फसलों को नुकसान पहुंचा है। कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डॉ. अनूप चौबे ने बताया कि गेहूं की फसल में 10 फीसदी तक और दलहन व तिलहन फसलों में 15 फीसदी उत्पादन में कमी आएगी।

आरा में देर से बोये गये सरसों के पौधों में लाही का प्रकोप बढ़ गया है। 15 से 20 फीसदी नुकसान आलू की फसल को हुआ है। भोजपुर जिले में 9730 हेक्टेयर में चना, 7372 हेक्टेयर में मसूर, 4892 हेक्टेयर में सरसों और 60837 हेक्टेयर में गेहूं की खेती हुई है। हाजीपुर में समय से जिन किसानों ने आलू, दलहन और तिलहनी की बुआई की उनकी फसल सुरक्षित और अच्छी है। जिला कृषि पदाधिकारी डॉ. वेद नारायण सिंह ने बताया कि 10 जनवरी के बाद पाला गिरा है, जिससे लेट वेरायटी की फैसलों को क्षति हुई है।

सारण जिले में गेहूं को छोड़कर अन्य सभी फसलों को नुकसान पहुंचा है। अधिक ठंड के कारण सबसे अधिक नुकसान आलू, दलहन और तिलहनी फसलों को हुआ है। नवादा जिले में फसलों पर मौसम की मार न के बराबर ही हुई है। हालांकि टमाटर समेत कुछ सब्जियों पर ज्यादा ठंड के कारण झुलसा की मार पड़ी है। सीवान में ठंड से आलू, मटर, टमाटर, सरसों व अरहर को नुकसान पहुंचा है। 40 फीसदी तक आलू को नुकसान पहुंचा है। बेगूसराय में पिछले एक पखवाड़े से शीतलहर के कारण गेहूं को फायदा हुआ है। हालांकि, आलू व पिछात सरसों को कुछ नुकसान हुआ है। सहायक निदेशक पौध संरक्षण रीमा कुमारी ने बताया कि जिले में मौसम के कारण आलू में झुलसा की शिकायत मिली है। सासाराम में 50 प्रतिशत आलू की फसल बर्बाद हो गई है। इसबार जिले में करीब 6263 हेक्टेयर भूमि में आलू की खेती की गई थी। कैमूर, बक्सर में ठंड के कारण आलू व दलहनी फसल को नुकसान पहुंचा है।

कृषि विज्ञान केंद्र औरंगाबाद के मौसम वैज्ञानिक डॉ. अनूप चौबे ने बताया कि लगातार कोहरा छाये रहने से प्रकाश संश्लेषण की क्रिया सही तरीके से नहीं हो पाती है। और पौधों को पर्याप्त भोजन नहीं मिलता, इससे फसल की बढ़वार कम या रुक जाती है। इस वर्ष ऐसा ही हुआ है।

दोस्त और शिक्षक से परेशान छात्र ने की आत्महत्या, घर से मिले सुसाइड नोट पर उठे सवाल

यूपी के फर्रुखाबाद में एक छात्र ने अपने दोस्त और शिक्षक से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। हालांकि उसकी आत्महत्या के बाद कई सवाल खड़े हो गए हैं। परिजनों ने घर से मिले सुसाइड नोट को गलत बताया है।

फर्रुखाबाद. फर्रुखाबाद के शमसाबाद में 12वीं के छात्र रोहित उर्फ अनमोल पुत्र अनिल झा ने घर में पंखे से मफलर का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। छात्र की मौत के बाद परिवार में चीख पुकार मच गई। सूचना पर इलाका पुलिस भी पहुंच गई। परिजनों ने शव को आगरा रोड पर रखकर जाम लगा दिया। करीब चार घंटे परिजन हंगामा करते रहे, जिससे यातायात ठप हो गया। परिजनों ने साथी छात्र और शिक्षक पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है।

मृतक छात्र के दादा राम खिलाड़ी झा का आरोप है कि उनके नाती अनमोल को मधुपुर के दो युवक, जिनमें एक शिक्षक है, कई दिन से परेशान कर रहे थे। कोचिंग के रास्ते पर घेरकर और फोन पर धमका कर पैसे ऐंठ रहे थे। शिक्षक के बैंक एकाउंट में छात्र की ओर से कई बार रुपये भेजे गए हैं। मंगलवार सुबह भी पैसे मांगने के लिए मैसेज आया था, जिसके डिप्रेशन में आकर नाती ने आत्मघाती कदम उठाया है। चार दिन पूर्व शिकायत लेकर थाने गए थे परिजन बेटे के शव पर हाथ पीट पीटकर बाप बुरी तरह बिलख रहा था। चिल्ला-चिल्ला कर बोल रहा था कि पुलिस ने पहले ही कार्रवाई की होती तो मेरा बेटा मरता नहीं। बताया कि अनिल अपने भाई और पिता के साथ 25 जनवरी की रात करीब 10 बजे थाना शमसाबाद में दोनों आरोपियों की शिकायत करने भी गए थे। थाने पर प्रार्थना पत्र लिखकर नहीं दिया, इसलिए पुलिस ने कार्रवाई नहीं की और अगले दिन 26 जनवरी होने की वजह से अपनी दुकान पर बिजी हो गया। लापरवाही के चलते अनमोल हमें छोड़कर चला गया।

सुसाइड नोट ने मामले को उलझा दिया

छात्र अनमोल झा की मां ने स्कूल से वापस आने पर कमरा खोला तो अनमोल फंदे पर लटक रहा था। पुलिस को घटनास्थल से छात्र का सुसाइड नोट मिला। परिजनों ने बताया कि सुसाइड नोट अनमोल के द्वारा लिखा हुआ नहीं है, किसी अन्य व्यक्ति ने सुसाइड नोट कमरे में डाला है। थानाध्यक्ष शमसाबाद विरेश पाल गिरी ने बताया कि मृतक छात्र के दादा राम खिलाड़ी झा की तहरीर पर छात्र के दोस्त जतिन व अध्यापक प्रवेंद्र कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पढ़ने में तेज था अनमोल

अनमोल के पिता की आगरा रोड पर स्टेशनरी की दुकान है और इसके ऊपर ही मकान बना है। परिवार में मां, पिता और छोटा भाई था। मां लक्ष्मी देवी शिक्षिका हैं और छोटा भाई व अनमोल सीबीएसई से पढ़ाई कर रहे थे।

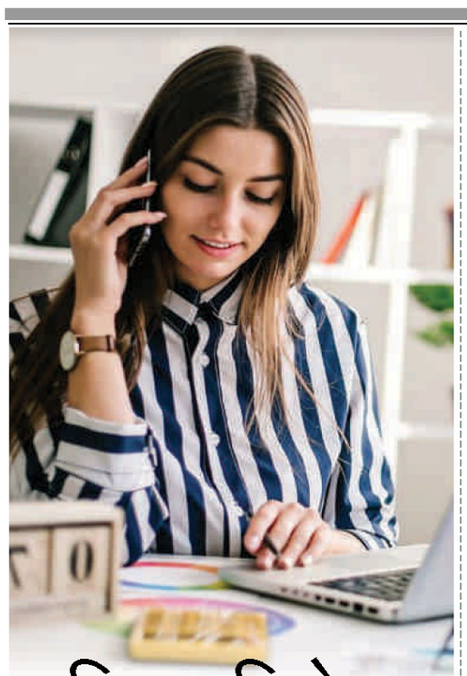

पब्लिक रिलेशन में बनाना है कॅरियर

अगर आप पीआर में अपना कॅरियर देख रहे हैं तो 12वीं के बाद, आप मास मीडिया, पत्रकारिता, या यहां तक कि जन संचार में स्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। ये आपको कम्युनिकेशन, समाजशास्त्र, डिजिटल विज्ञापन आदि जैसे विषयों में एक मुख्य आधार प्रदान करेंगी।

आज के समय में युवा कई अलग-अलग क्षेत्रों में अपने भविष्य की तलाश करते हैं। अगर आपको लोगों से मिलना अच्छा लगता है और आप हमेशा कुछ नया करना चाहते हैं तो ऐसे में आप पब्लिक रिलेशन में अपना करियर तलाश कर सकते हैं। यह एक ऐसा करियर ऑप्शन है, जिसे सबसे प्रतिष्ठित और अच्छी तनख्वाह वाली कंपनियों में से एक माना जाता है। हालांकि, पब्लिक रिलेशन में करियर बनाने के लिए आपको कई बातों का ध्यान रखना होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप पीआर में अपना करियर कैसे शुरू कर सकते हैं-

एजुकेशन पर दें ध्यान

अगर आप पीआर में अपना कॅरियर देख रहे हैं तो 12वीं के बाद, आप मास मीडिया, पत्रकारिता, या यहां तक कि जन संचार में स्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। ये आपको कम्युनिकेशन, समाजशास्त्र, डिजिटल विज्ञापन आदि जैसे विषयों में एक मुख्य आधार प्रदान करेंगी। यदि आप किसी विशिष्ट उद्योग क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो यह एक पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा करें। उदाहरण के लिए, यदि आप पीआर के बारे में जानने के लिए सब कुछ सीखना चाहते हैं, तो अपने कौशल को अगले स्तर तक ले जाने के लिए एमआईसीए और अपग्रेड के जनसंपर्क एमए प्रोग्राम देखें। इस कार्यक्रम के साथ, आप सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, ब्रांडिंग, मार्केटिंग विश्लेषण और उद्योग से संबंधित कई अन्य स्किल्स को सीख सकते हैं।

लें अनुभव

यह सच है कि किसी भी क्षेत्र अपना कॅरियर स्थापित करने के लिए अनुभव होना बेहद आवश्यक है। इसलिए, जब आप कॉलेज में हों तो इंटर्नशिप करना अच्छा रहेगा। यह न केवल आपको अपने पाठ्यक्रम में सीखी गई बातों को लागू करने में मदद करता है, बल्कि यह आपको उद्योग के कामकाज को समझने में भी सक्षम बनाता है। इस तरह, आपको पता चल जाएगा कि आपको किन स्किल्स को विकसित करने की आवश्यकता है । इतना ही नहीं, इंटर्नशिप करने के बाद आपके लिए एक अच्छी नौकरी प्राप्त करना भी अधिक आसान हो जाएगा।

प्रोफेशनल नेटवर्क करें बिल्डअप

अगर आप पीआर फील्ड में खुद को स्थापित करना चाहते हैं तो पहले आपको प्रोफेशनल नेटवर्क भी बिल्डअप करना होगा। शुरू में आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोफेशनल से संबंधित समूहों में शामिल हों जो आप कर सकते हैं। लिंक्डइन और यहां तक कि फेसबुक पर भी ऐसे कई ग्रुप हैं। आपको बस इतना करना है कि अपने आप को नियमित रूप से अपडेट रखें कि कौन अक्सर पोस्ट कर रहा है। ऐसा करने से, आप नवीनतम समाचारों पर भी अप-टू-डेट रहेंगे, कुछ नया सीखेंगे और उपयोगी व्यावसायिक संबंध विकसित करेंगे।

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन की ऐसे करें तैयारी

परीक्षाओं की तैयारी में लगे जो छात्र अच्छा स्कोर करना चाहते हैं, वे रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन की तैयारी पर ध्यान दे सकते हैं।

बैंकों व सरकारी संस्थानों में भर्ती का दौर शुरू हो गया है। इसमें रुकी हुई पुरानी भर्तियों के अलावा नई भर्तियां भी शामिल हैं। अब आप में से अधिकतर छात्र इन अवसरों का लाभ उठाने का प्रयास कर रहे होंगे, और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के बारे में योजनायें बना रहे होंगे। परीक्षा के दौरान अधिकतर छात्र असमंजस की स्थिति में होते है कि रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन को हल करने का प्रयास करें या न करें। यह आपका समय नष्ट कर सकता है साथ ही अगर किसी आर्थिक विषय पर आधारित गद्यांश आ जाएं तो यह छात्रों के लिए और मुसीबत वाला हो जाता हैं। हालांकि आपको यह समझना होगा कि रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन ही है जो आपको परीक्षा में अच्छे अंक प्रदान कर सकता है, क्योंकि इसमें व्याकरण से सम्बंधित नियम लागू नहीं होते और आपको उत्तर का अनुमान नहीं लगाना होता, आपको केवल गद्यांश को समझना होता है और आप सभी प्रश्नों का सही उत्तर दे सकते है। आज हम आपको बताएंगे इसे हल करने के कुछ स्ट्रैटेजी व टिप्स।

पैसेज पर एक सरसरी निगाह डालें

परीक्षा के दौरान सबसे पहले आप पैसेज को सरसरी निगाह से देख लें। यहां पर आपको पूरे पैसेज को पढ़ने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यहां पर आपका हर सेकंड कीमती होता है। देखने के बाद आप उस प्रश्न का उत्तर दे जिसके लिए आप पूरी तरह निश्चित हो।

पहले प्रश्न पढ़ें, फिर उत्तर दें

परीक्षा के दौरान जब एक एक सेकेंड मायने रखता है, तब एक रणनीति आपको सफल बनाने में सहायता कर सकती है। अपना समय पूरा पैसेज पढ़ने में नष्ट न करें, पैसेज पढ़ने के स्थान पर पहले प्रश्नों को पढ़ने का प्रयास करें और फिर उसी के अनुसार पैसेज को पढ़े। जब आप टए में आवश्यक पंक्ति को देख लेंगे तो प्रश्न के अनुसार उत्तर देना आपके लिए आसान हो जायेगा। यदि आप अब भी उत्तर नहीं जान पा रहे है तो उस प्रश्न को तुरंत छोड़कर अगले प्रश्न की ओर बढ़ जाइये, किसी भी प्रश्न पर समय नष्ट मत कीजिए। इस तरह से प्रयास करने पर आप कम समय में गद्यांश के विषय और झुकाव के बारे में जान पायेंगे।

शब्दावली आधारित प्रश्नों को हल करें

अगर आप कम समय में ज्यादा अंक अर्जित करना चाहते है, तो आपको शब्दावली आधारित प्रश्नों को हल करने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए आपको पुरे पैसेज को भी पढ़ने की आवश्यकता नहीं है। इन्हें हल करने में भी समय कम लगता है क्योंकि या तो आप शब्द का अर्थ जानते हो या नहीं जानते हो, यहां पर आप सही शब्द चुनने का प्रयास कर सकते हैं।

लेखक का दृष्टिकोण समझें

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में स्कोर करने के लिए लेखक का दृष्टिकोण समझना बहुत जरूरी है। आप यह समझने का प्रयास कीजिए कि लेखक क्या कहना चाहता है जैसे प्रश्नों से दूर रहने का प्रयास कीजिये, चूंकि ये सवाल आम तौर पर विवादास्पद और समय लेने वाले हैं और इसके लिए आपको पूरा पैसेज पढ़ना होगा।

अपना ध्यान केन्द्रित रखो

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में विषय सामग्री पर ध्यान दें। अपने दिमाग को भटकने से बचाए, क्योंकि यह दिन में सपने देखने से शुरू होता है। इसे वास्तविक जीवन पर केन्द्रित करें। अपने आप को समझाएं कि यह सपने आप परीक्षा देने के बाद देख सकते है। जब तक आप दृढ़ता से अध्ययन नहीं करेंगे तब तक आप अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकते है।

पैसेज के मुख्य आइडिया को समझे

सभी पैसेज का एक ऐसा मुख्य आइडिया होता है, जिस पर पूरा पैराग्राफ लिखा जाता है। कभी-कभी ऐसे प्रश्न भी पूछे जाते हैं जिससे पता चल सके कि आप पैराग्राफ में दिए गए मुख्य आइडिया को समझने में सक्षम हैं या नहीं। इसलिए, सबसे पहले पैसेज के आईडिया को समझें तभी आप अन्य प्रश्नों को जवाब दे पाएंगे।

निरंतर अभ्यास जरूरी

जो छात्र खुद को रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में कमजोर समझते हैं, वे अभ्यास नहीं करते है। अधिकतर छात्र इसे घर पर हल नहीं करते है और न ही कोशिश करते हैं, इसकी जगह वे बहुत से बहाने बनाते है। परन्तु यह बहाने आपको सफल नहीं बना सकते। सफलता आपको तब तक नहीं प्राप्त होगी जब तक आप अपने डर और कमजोरी को हरा ना दें।

पढ़ने की स्पीड बढ़ाएं

यह ध्यान रखें कि पैसेज पढ़ने के दौरान अपने होंठों को मत चलाइए, यह आपकी गति को धीमा कर देती है। रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन के लिए आपको स्मार्ट होने की आवश्यकता है और यह आपको अभ्यास से ही प्राप्त हो सकता है। आप मन में पढ़े और अपनी स्पीड बढ़ाएं।

हर प्रोफेशनल्स के लिए जरूरी है ये फोन एटिकेट्स

आज हम किसी से भी, कभी-भी और कहीं भी बात करने के लिए अपने सेलफोन का यूज करते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हमें जैसा चाहें वैसा फोन का उपयोग कर करें। प्रोफेशनल सेटिंग में फोन के उपयोग को लेकर समय और जगह को ध्यान रखना जरूरी होता है। आज हर प्रोफेशनल्स को इन 8 फोन एटिकेट्स को फॉलो करना जरूरी है :

- पहले अभिनवादन करें और अपना पूरा नाम बताएं। केवल अपना पहला नाम बताना हर प्रोफेशनल कॉल में बहुत अनौपचारिक लगता है, वहीं केवल आखिरी नाम बताना भी असभ्यता है।
- कुछ लोगों को यह अंदाजा नहीं होता है कि वे कितना तेज बोलते है, विशेष रूप से जब उनका पूरा ध्यान फोन पर बात कर रहे व्यक्ति पर होता है। अपने आसपास के माहौल के प्रति जागरूक रहें। आप कभी भी नहीं जानते कि आपकी बातों पर कौन ध्यान दे रहा है।
- सामने बैठे किसी व्यक्ति से आप बात कर रहे हैं, इतने में आपका फोन बज उठता है और फोन पर बात करने लगते हैं। यह एटिकेट्स नहीं है। अगर आप किसी महत्वपूर्ण कॉल के इंतजार में है और इसे रीशेड्यूल करना संभव न हो तो आप जिस शख्स से आप मिल रहे हैं, इसके बारे में उन्हें जानकारी दे दें।
- दूसरों से मीटिंग टेबल पर बात कर रहे हो तो अपना फोन टेबल पर न रखें। भले ही आप मीटिंग के दौरान फोन का जवाब न दें लेकिन यह ध्यान भटकाने के लिए काफी है।
- अगर आप मीटिंग या कॉन्फ्रेंस के बीच में है और ऐसे में आपका फोन बज उठता है तो यह अच्छी बात नहीं है ।इसे साइलेंट मोड पर रखें या बंद कर दें।
- प्रोफेशनल सेटिंग में यह बात भी मायने रखती है कि आपने अपने सेल का रिंगटोन क्या रखा है। लाउड और ब्लास्टिंग टोन रखने से पहले सोच लें कि इसे लेकर दूसरे क्या रिएक्ट करेंगे।
- अगर किसी प्रोफेशनल कॉल में आपको अपना फोन स्पीकर मोड पर रखना पड़ा हो तो आपको यह ध्यान रखना होगा कि उन्हें बता दें कि आप किसी के साथ बैठे हैं।
- लंबे वॉइसमेल्स न भेजें। छोटे और स्पष्ट संदेश छोड़ें। साफ बोले और व्यक्ति को यह बताएं कि आपने क्यों कॉल किया था। अगर आप फोन नंबर छोड़ रहे हैं तो इसे ये नंबर्स धीरे-धीरे बोले।

नौकरीपेशा लोगों के लिए बेहतर विकल्प है डिस्टेंस एजुकेशन

अगर आप किसी कारणों से नियमित कॉलेज नहीं जा सकें हो तो डिस्टेंस एजुकेशन एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। डिस्टेंस एजुकेशन से मिलने वाली डिग्री भी रेगुलर की तरह ही होती है जिसका इस्तेमाल आप अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए कर सकते हैं।

भारत जैसे देश में जहां आज भी बहुत सारे जिलों में कॉलेज या यनिवर्सिटीज नहीं हैं, वहां डिस्टेंस एजुकेशन का माध्यम खासा लोकप्रिय है। यह एक लचीला माध्यम है, जो छात्रों को पढ़ाई के दौरान दूसरे शौक को भी पूरा करने की छूट देता है। सबसे बड़ी बात यह कि यह कामकाजी और नौकरीपेशा वाले लोगों को भी उच्च शिक्षा की राह दिखा रहा है। इन डिस्टेंस लर्निंग सेंटर में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री और पीजी व मैनेजमेंट कोर्स चलाए जाते हैं। कई डिस्टेंस लर्निंग सेंटर प्रोफेशनल कोर्स भी संचालित करते हैं जो रोजगारोन्मुख होते हैं। इनमें जर्नलिज्म एंड मास निकेशन, लाइब्रेरी साइंस, कम्प्यूटर कोर्सेस आदि शामिल है।

ओपन यूनिवर्सिटी में दाखिला लेना मुश्किल नहीं हैं। ये यूनिवर्सिटीज अपने नियमों के मामले में काफी लचीली होती हैं। यहां कोर्स की फीस भी अमूमन सामान्य संस्थानों के मुकाबले कम होती है। अकादमिक जानकारियों के लिए इन यूनिवर्सिटीज के कोर्स बेस्ट माने जाते हैं। कई यूनिवर्सिटीज में वीकएंड क्लासेज होती हैं, जिससे कामकाजी लोगों को सहूलियत होती है। पढ़ाई और नौकरी के बीच के समय का इस्तेमाल करने वालों के लिए ये यूनिवर्सिटीज ई-क्लास से लेकर छोटी अवधि वाली रेगुलर क्लासेज तक चला रही हैं।

इग्नू और डिस्टेंस एजुकेशन

जो युवा नियमित कॉलेज नहीं जा सकते हैं, उनके लिए पढ़ाई करने और करियर बनाने के लिए एक बेस्ट यूनिवर्सिटी है। इग्नू की पढ़ाई का तरीका अन्य पारंपरिक यूनिवर्सिटीज से अलग है। इग्नू ने पढ़ाई का एक मल्टीमीडिया नजरिया अपनाया है। विज्ञान, कम्प्यूटर, नर्सिंग, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी में पाठ्यक्रम भी शामिल है। यहां बीए जनरल कोर्स के साथ ही बीएससी जनरल की पढ़ाई भी होती है, जिसमें गणित, भौतिकी, रसायन, बॉटनी और जूलॉजी जैसे विषय भी पढ़ाए जाते हैं। यहां बीकॉम भी है। इसके अलावा बीबीए इन रिटेलिंग, बैचलर ऑफ टूरिज्म स्टडीज, बैचलर ऑफ सोशल वर्क और बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन जैसे कोर्स हैं। इसके अलावा वोकेशनल ट्रेनिंग के रूप में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी है। यहां बीएड और डिप्लोमा इन एजुकेशन यानी डीएड कोर्स भी अब डिस्टेंस एजुकेशन में शामिल हो गया है।

डिस्टेंस एजुकेशन की विशेषताएं

- डिस्टेंस एजुकेशन में स्टूडेंट को नियमित तौर पर किसी संस्थान में जाकर पढ़ाई करने की जरूरत नहीं होती।
- सूचना क्रांति और इन्टरनेट के कारण डिस्टेंस एजुकेशन और आसान एवं प्रासंगिक हो गयी है।
- विजुअल क्लासरूम लर्निंग, इंटरैक्टिव ऑनसाइट लर्निंग और वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए स्टूडेंट्स देश के किसी भी राज्य में रहकर घर बैठे पढ़ाई कर सकते हैं।
- डिस्टेंस एजुकेशन से पढ़ाई करने की फीस काफी कम है।
- जॉब करने के साथ-साथ पढ़ाई की जा सकती है।
- कम अंक आने पर भी मनपसंद कोर्स में दाखिला मिल जाता है।
- किसी भी कोर्स के लिए उम्र बाधा नहीं होती है।
- साधारण कोर्स के साथ ही वोकेशनल कोर्स तथा प्रोफेशनल कोर्स भी किये जा सकते हैं।

प्रमुख डिस्टेंस एजुकेशन सेंटर्स

- इग्नू, दिल्ली
- सिम्बायोसिस सेंटर फॉर डिस्टेंट लर्निंग, पुणे
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली
- अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, तमिलनाडु
- पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, पुडुचुेरी
- हिमाचल यूनिवर्सिटी, शिमला
- गुरु जंभेश्वर, हिसार
- एमडीयू, रोहतक
- पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी
- सिक्किम मणिपाल यूनिवर्सिटी

बेन फोक्स ने माना- भारत में विकेटकीपिंग करना बेहद कठिन, बल्लेबाजी करना भी आसान नहीं

इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज बेन फोक्स ने माना है कि भारत में विकेटकीपिंग करना बेहद कठिन है। यहां तक कि बल्लेबाजी करना भी आसान नहीं है, क्योंकि यहां उछाल और स्पिन दोनों होता है।

नई दिल्ली. विशाखापट्टनम में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारत और इंग्लैंड की टीम यहां पहुंच चुकी हैं। लंबे समय के बाद इस स्टेडियम को कोई टेस्ट मैच मिला है। इससे पहले यहां दो ही टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें भारत को जीत मिली है। भारत की टीम यहां जीतती है तो सीरीज 1-1 से बराबर हो जाएगी, क्योंकि मेजबान टीम पहला मैच हार चुकी है। वहीं, अबू धाबी में तीसरे टेस्ट मैच से पहले एक शॉर्ट ब्रेक के लिए जाने से पहले इंग्लैंड की टीम सीरीज में 2-0 से आगे निकलने का प्रयास करेगी। टीम और विकेटकीपर के तौर पर आई चुनौतियों को लेकर बेन फोक्स ने बयान दिया।

हैदराबाद में स्पिन फ्रेंडली विकेट था, जहां मेजबान ही फंस गए। ऐसे में आशंका है कि विशाखापट्टन में और भी ज्यादा स्पिन फ्रेंडली विकेट दूसरे टेस्ट के लिए तैयार होगा। इंग्लैंड के जिन खिलाड़ियों ने 2021 में भारत का दौरा किया, उन्हें चेन्नई में अपनी शुरुआती जीत के बाद हुई तीन करारी हार अच्छी तरह से याद हैं। उस सीरीज के दूसरे टेस्ट में टीम में आए बेन फोक्स ने सीरीज को याद करते हुए क्रिकइंफो को बताया, ÷ये तीनों शायद सबसे खराब पिचें थीं, जिन पर मैंने बल्लेबाजी की है।÷ उन्होंने ये भी बताया कि एक विकेटकीपर के तौर पर उनके लिए मुश्किल हुई थी।

हालांकि, इंग्लैंड की टीम बेन स्टोक्स की कप्तानी और ब्रैंडन मैकुलम की कोचिंग मे बैजबॉल क्रिकेट खेल रही है, जिसके तहत वे आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं। इसी को लेकर फोक्स ने कहा, ÷पीछे जाकर मैं सोच रहा था कि ये भयानक विकेट हैं - मुझे बस इस पर बने रहने का एक रास्ता खोजने की जरूरत है। मुझे लगता है कि अब ग्रुप बड़ा है, यदि यही स्थिति है, तो आपको सकारात्मक रहना होगा; गेंदबाज पर वापस दबाव डालना होगा और उन्हें दबाव में लाना होगा।

उन्होंने आगे बताया, ÷पहले, आउट होने का डर अधिक था और इसने हमें अपने शेल्स में डाल दिया था। जबकि अब यह चिंता की बात नहीं है कि आप आउट हो रहे हैं और स्वीकार कर रहे हैं कि आप शायद उस तरह की सतहों पर हैं, लेकिन आप वास्तव में कैसे आगे बढ़ सकते हैं और समय-समय पर हावी भी हो सकते हैं?÷ ओली पोप ने इंग्लैंड के लिए पोस्टर ब्वॉय का काम किया। उन्होंने दूसरी पारी में 196 रन बनाकर भारत के लिए मुश्किलें पैदा की और भारत मैच हार गया।

उन्हें इस दौरे के लिए उन पिचों पर खेलने के उद्देश्य से चुना गया था जो बेदाग कीपिंग की मांग करती हैं। निजी कारणों से हैरी ब्रूक के स्वदेश लौटने से अंतिम एकादश में वापसी का रास्ता थोड़ा आसान हो गया, बेयरस्टो को पूरी तरह से नंबर 5 पर बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा गया। फोक्स को पहले टेस्ट में रन बनाने में कठिनाई हुई, लेकिन टॉम हार्टली की गेंद पर आर अश्विन और मोहम्मद सिराज की स्टंपिंग उनके लिए वरदान साबित हुई। पहले मैच में कुछ गलतियां उन्होंने बतौर विकेटकीपर कीं, लेकिन जल्द ही उनको सही भी किया। उन्होंने कहा, ÷आप खेल में हैं, इसलिए एक कीपर के रूप में यह अच्छा है।

शिवम दुबे के लिए आई अच्छी खबर, मुंबई की रणजी टीम में मिली बड़ी जिम्मेदरी

नई दिल्ली. भारत के ञ्20 ऑलराउंडर शिवम दुबे को मुंबई की क्रिकेट टीम के नए उपकप्तान नियुक्त किए गए हैं। मंगलवार को चयनकर्ताओं ने 2 फरवरी से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में बंगाल के खिलाफ खेले जाने वाले अगले मैच के लिए टीम चुनते समय शिवम दुबे को कप्तान अजिंक्य रहाणे के डिप्टी के रूप में प्रमोट करने का फैसला किया। शिवम दुबे को इसलिए प्रमोट किया गया है, क्योंकि मुंबई के नियमित उपकप्तान शम्स मुलानी को इंग्लैंड के खिलाफ चौथे अनाधिकारिक टेस्ट में इंडिया ए की ओर से खेलने के लिए चुना गया है।

30 वर्षीय शिवम दुबे ने सोमवार 29 जनवरी को उत्तर प्रदेश के खिलाफ मुंबई की दो विकेट की करीबी हार में अपनी सीम गेंदबाजी से पहली पारी में 32 रन देकर 3 विकेट लेने के अलावा 117 रन भी बनाए थे। मुंबई क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता राजू कुलकर्णी ने टीओआई को बताया, उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और इस सीजन में भारत और मुंबई दोनों के लिए अपनी योग्यता साबित की है। यह मुंबई क्रिकेट के लिए एक कदम आगे है। रहाणे, जिनकी यूपी मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग में ग्रेड 1 की चोट लगी थी और इस कारण वह अंतिम दिन फील्डिंग नहीं कर सके, अधिकारियों को उम्मीद है कि वह टीम का हिस्सा हैं और वे उम्मीद कर रहे हैं कि वह मैच के लिए फिट हो जाएंगे। इस बीच ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को मुंबई 23 टीम के लिए उनके शानदार फॉर्म का इनाम रणजी ट्रॉफी कॉलअप के साथ मिला। शेडगे ने 23 कर्नल सीके नायडू मैच में हरियाणा के खिलाफ मुंबई की पहली पारी में 133 गेंदों में 168 रन बनाए थे।

मयंक अग्रवाल ने शिकायत दर्ज कराई, फ्लाइट में हो गए थे बुरी तरह बीमार

अगरतला. कर्नाटक की टीम के कप्तान और लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल को नई दिल्ली के लिए उड़ान भरने को तैयार विमान में बीमार पड़ने के बाद अगरतला में एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब उनकी हालत में सुधार है, लेकिन इस घटना ने क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया है। मयंक ने किसी साजिश का आरोप लगाते हुए पुलिस में एक आधिकारिक शिकायत दर्ज करायी है।

उन्होंने पानी समझकर एक पाउच से एक पेय पदार्थ पीया था, जो इंडिगो एयरलाइन्स के विमान में उनकी सीट पर रखा था। इसे पीने के बाद वे बीमार पड़ गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था।

उनकी हालत अब खतरे से बाहर है। मयंक अग्रवाल ने अपने मैनेजर के जरिए पुलिस में एक औपचारिक शिकायत दर्ज करायी है।

पश्चिम त्रिपुरा के पुलिस अधीक्षक किरन कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'मयंक अग्रवाल एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी हैं। अब उनकी हालत स्थिर है, लेकिन उनके मैनेजर ने मामले की जांच के लिए एनसीसीपीएस (न्यू कैपिटल कॉम्प्लेक्स पुलिस थाने) में एक शिकायत दर्ज करायी है।

उन्होंने बताया, "उनके मैनेजर ने कहा है कि जब वह विमान में बैठ रहे थे तो उनके सामने एक पाउच रखा था। उन्होंने उसमें से थोड़ा-सा पेय पदार्थ पीया, लेकिन अचानक उनके मुंह में जलन होने लगी और वह कुछ बोल भी नहीं पाए और उन्हें आईएलएस अस्पताल लाया गया। उनके मुंह में सूजन और छाले थे। हालांकि, अब उनकी हालत स्थिर है।"

IND vs ENG: सरफराज खान को हरभजन सिंह की वॉर्निंग- जब विराट कोहली लौटेंगे तो...

नई दिल्ली. टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने इंडिया वर्सेस इंग्लैंड दूसरे टेस्ट मैच से पहले सरफराज खान को वॉर्निंग दी है। हरभजन सिंह चाहते हैं कि अगर सरफराज को खेलने का मौका मिले, तो वह इस मौके का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाएं। लगातार तीन रणजी ट्रॉफी सीजन में रनों का अंबार लगाने वाले सरफराज को आखिरकार भारतीय टेस्ट स्क्वॉड में जगह मिली है। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट मैच में केएल राहुल और रविंद्र जडेजा चोटिल हो गए, जिसके बाद सरफराज, सौरभ कुमार और वॉशिंगटन सुंदर को टेस्ट स्क्वॉड में शामिल किया गया। इसके अलावा विराट कोहली भी पहले दो टेस्ट मैचों के लिए इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। हरभजन सिंह ने कहा कि विराट की गैरमौजूदगी में अगर सरफराज मौके को बेकार करते हैं, तो ऐसे में शायद ही उन्हें दूसरा मौका मिल पाए। हरभजन सिंह ने कहा, सरफराज खान को इस मौके का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाना ही होगा क्योंकि जब विराट कोहली लौटेंगे, तो किसी को तो टीम से बाहर जाना होगा, तो उसके पास मौके को बेकार जाने देने का भी मौका नहीं है। उसने बहुत मेहनत की है और डोमेस्टिक क्रिकेट में काफी रन बनाए हैं।% दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारतीय स्क्वॉड में दो अनकैप्ड बैटर हैं, एक रजत पटिदार और दूसरे सरफराज खान।

भारतीय टीम को पहले टेस्ट मैच में 28 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। हैदराबाद में खेले गए टेस्ट मैच की दूसरी पारी में भारतीय टीम 202 रनों पर ऑलआउट हो गई थी। जडेजा और राहुल के चोटिल होने से वैसे ही टीम इंडिया की मुश्किलें बढ़ गई हैं, ऐसे में विशाखापट्टनम में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम थोड़ा प्रेशर में भी होगी। अब देखना होगा कि क्या सरफराज खान को प्लेइंग ङ्खढ्ढ में

बेन स्टोक्स ने टेस्ट सीरीज के दौरान किया एमएस धोनी का जिक्र, बोले- वह जो भी करते हैं...

नई दिल्ली. इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने एमएस धोनी और आईपीएल 2023 को लेकर भारत के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज के पहले मैच से पहले बात की। स्टोक्स से पूछा गया कि क्या एमएस धोनी और स्टीफन फ्लेमिंग के बीच आईपीएल में जो अंडरस्टैंडिंग है, क्या ऐसी ही समझ उनके और ब्रैंडन मैकुलम के बीच भी है? इस जवाब उन्होंने बेबाकी से दिया और बताया कि उनको आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा बनकर अच्छा लगा।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले रिकॉर्ड किए गए इंटरव्यू में जियोसिनेमा पर बेन स्टोक्स ने बताया, आप कहते हैं कि हम ट्रॉफी जीत गए, इस तरह मुझे टीएफसी अवॉर्ड मिला, थैंक्स फॉर कमिंग अवॉर्ड। जाहिर है, चोट और इस तरह की चीजों के कारण यह वैसा नहीं हुआ जैसा मैं चाहता था, लेकिन सिर्फ चेन्नई जैसी अविश्वसनीय फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनकर भी अच्छा लगा। मैंने पहले भी फ्लेमिंग और एमएस के साथ काम किया है, जब मैं पुणे में खेल रहा था।

उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि एमएस धोनी और स्टीफन फ्लेमिंग (सीएसके के हेड कोच) कैसे एक-दूसरे के पूरक थे, यह देखने वाली बात थी। उन्हें अपने निर्णयों पर भरोसा है, एक कोच के रूप में और एक कप्तान के रूप में। एमएस में खेल से बाहर होने की भावना होती है, जबकि कभी-कभी जब आप किनारे पर बैठे होते हैं,

विराट कोहली कप्तान होते तो टीम इंडिया पहला टेस्ट नहीं हारती, इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज का दावा

नई दिल्ली. इंग्लैंड की टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने माना है कि अगर हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच में विराट कोहली भारतीय टीम के कप्तान होते तो मेजबान टीम को हार नहीं मिलती। वॉन ने रोहित शर्मा की कप्तानी को स्विच ऑफ करार दिया। उन्होंने इससे पहले भी रोहित शर्मा की कप्तानी को औसत दर्जे का बताया था। अब इंग्लैंड के इस दिग्गज ने कहा है कि उन्होंने विराट कोहली की कप्तानी को टेस्ट क्रिकेट में मिस किया है।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले को लेकर बात करते हुए माइकल वॉन ने क्लब प्रैरी फायर पर कहा कि अगर विराट कोहली भारतीय टीम के कप्तान होते तो हैदराबाद में खेले गए टेस्ट मैच का नतीजा अलग हो सकता था। वॉन से पूछा गया था कि क्या मेजबानों ने विराट कोहली और मोहम्मद शमी को मिस किया? इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ने इनमें से कोई भी विकल्प नहीं चुना और इसके बजाय अलय राय दी।

उन्होंने माना कि अगर कोहली कप्तान होते तो भारत पहला टेस्ट नहीं हारता। मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा की महानता को स्वीकार करते हुए वॉन को लगा कि उन्होंने बस स्विच ऑफ कर दिया। वॉन ने कहा, ÷उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में विराट कोहली की कप्तानी को बहुत मिस किया। उस हफ्ते विराट की कप्तानी में भारत मैच नहीं हारता। रोहित एक दिग्गज और महान खिलाड़ी हैं, लेकिन मुझे लगा कि वह पूरी तरह से स्विच ऑफ हो गए हैं। इससे पहले टेलीग्राफ को लिखे अपने कॉलम में माइकल वॉन ने कहा था, ÷मुझे लगा कि रोहित शर्मा की कप्तानी बहुत ही ज्यादा औसत दर्जे की थी।

मुझे लगा कि वह इतना प्रतिक्रियाशीलन नहीं था, मुझे नहीं लगता कि उसने अपने क्षेत्र में बदलाव किया या अपनी गेंदबाजी में बदलाव के साथ सक्रिय था।

उनके पास ओली पोप के स्वीप या रिवर्स स्वीप का कोई जवाब नहीं था। भारत को इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापत्तनम में 2 फरवरी से दूसरा टेस्ट खेलना है।

केशव महाराज ने की भविष्यवाणी, बताया किन दो टीमों के बीच हो सकता है T20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल

साउथ अफ्रीका के दिग्गज स्पिनर केशव महाराज ने एक बड़ी भविष्यवाणी करते हुए उन दो टीमों का नाम बताया है, जिनके बीच जून में आईसीसी T20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल खेला जा सकता है।

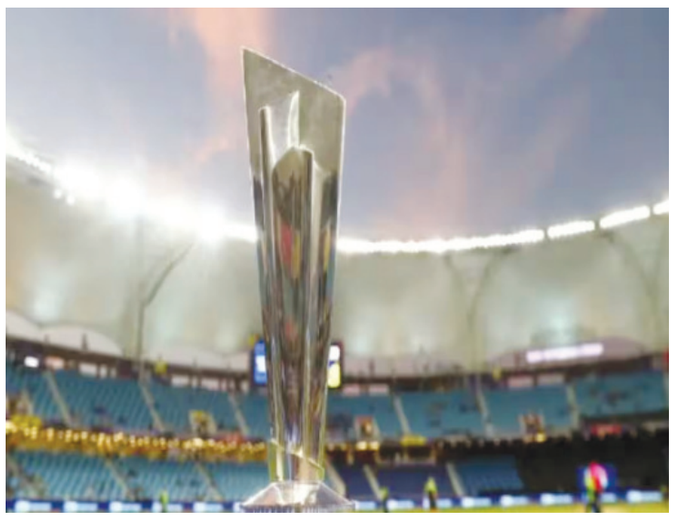

नई दिल्ली. साउथ अफ्रीका के दिग्गज लेफ्ट आर्म स्पिनर केशव महाराज ने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल को लेकर भविष्यवाणी की है। केशव महाराज ने उन दो टीमों का नाम बताया है, जिनके बीच टी20 विश्व कप का फाइनल हो सकता है। टी20 विश्व कप आईपीएल 2024 के ठीक बाद जून के महीने में यूएसए और वेस्टइंडीज में आयोजित होगा। इस बार टूर्नामेंट में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनको चार ग्रुप में बांटा गया है।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी ने संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) और वेस्टइंडीज की सह-मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए 29 दिनों का शेड्यूल जारी कर दिया है। इसमें युगांडा सहित 20 टीमें भाग ले रही हैं। टूर्नामेंट के 55 मैच वेस्टइंडीज और यूएसए के 9 मैदानों पर खेले जाएंगे। इनमें से 6 मैदान वेस्टइंडीज के हैं, जबकि 3 मैदान यूएसए के हैं। वेस्टइंडीज सुपर 8 के मैचों के साथ-साथ नॉकआउट मैचों की मेजबानी भी करेगा। टी20 वर्ल्ड कप 2024 की शुरुआत 1 जून से डालास के ग्रैंड प्रैरी स्टेडियम में होगी। पहला मैच मेजबान यूएसए और कनाडा के बीच आयोजित होगा। इसी मेगा इवेंट को लेकर केशव महाराज ने स्पोर्ट्स तक पर बताया कि उनकी इच्छा है कि इस बार के टी20 विश्व कप के फाइनल में साउथ अफ्रीका का सामना भारत से हो। भारत और साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड कप 2023 में दमदार खेल दिखाया था। भारत अंकतालिका में पहले और साउथ अफ्रीका दूसरे नंबर पर था।

केशव महाराज ने कहा, हम हमेशा विश्व कप जीतने की कोशिश करने का निर्देश लेकर वहां जाते हैं। उम्मीद है, हम इसे सुधार सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत फाइनल होना आश्चर्यजनक होगा। राउंड रॉबिन (2023 वनडे विश्व कप) के बाद, मैंने भारत में स्थानीय लोगों को यह कहते हुए सुना कि वे दक्षिण अफ्रीका-भारत फाइनल चाहते हैं। केशव महाराज एसए20 में डबरन सुपर जाएंट्स के कप्तान हैं और उन्होंने टीम को क्वॉलिफायर 1 में पहुंचा दिया है।

3 साल में केएल राहुल और रविंद्र जडेजा को 11 बार लगी है चोट, जानें कब-कब इंजरी से गुजरे ये खिलाड़ी

नई दिल्ली. भारतीय ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और बल्लेबाज केएल राहुल को एक बार फिर से नेशनल क्रिकेट एकेडमी यानी एनसीए का रुख करना पड़ा है। 35 वर्षीय जडेजा और 31 वर्षीय केएल के लिए एनसीए जाना नई बात नहीं है। इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले से बाहर होने के बाद इन खिलाड़ियों को चोट से संबंधित समस्याओं के चलते बेंगलुरु स्थित एनसीए जाना पड़ा है। इन दिग्गज खिलाड़ियों ने पिछले 3 साल में 11 बार चोट का सामना किया है। इससे लगता है कि पिछले 36 महीनों में इनका शरीर किसी कांच की तरह रहा है, जो अक्सर टूटता-फूटता रहता है।

वर्तमान में रविंद्र जडेजा और केएल राहुल वास्तव में जितने मैच खेल नहीं रहे, उससे ज्यादा मैच मिस कर रहे हैं और इससे भारतीय टीम को ही नुकसान झेलना पड़ रहा है। उनकी मौजूदा चोटों ने इंग्लैंड के खिलाफ जारी सीरीज में टीम संयोजन की बैंड बजा दी है। पिछले तीन वर्षों में रविंद्र जडेजा पांच बार इंजर्ड हो चुके हैं, जबकि केएल राहुल 6 बार चोटिल हुए हैं। सवाल ये भी है कि ये खिलाड़ी इतने ज्यादा चोटिल क्यों हो रहे हैं? क्या उम्र बढ़ती जा रही है? क्या ज्यादा खेलना एक वजह है? इसका जवाब है- शायद हां, लेकिन इस बात से भी किनारा नहीं किया जा सकता है कि इनका शरीर कमजोर हो रहा है।

रविंद्र जडेजा की बात करें तो उन्होंने जनवरी से मार्च 2021 में क्रिकेट नहीं खेली। वे थंब इंजरी के कारण टीम से बाहर थे। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान उनका अंगूठा डिस्लोकेट हुआ था। उसी साल की आखिर में नवंबर में वे फोरआर्म इंजरी का शिकार हुए और फरवरी 2022 तक टीम से बाहर रहे। जडेजा को तीसरी चोट रिब इंजरी के तौर पर लगी और वे मई-जून 2022 में क्रिकेट नहीं खेल पाए। आईपीएल 2022 के कई मैच उन्होंने मिस किए। दो महीने बाद उनको घुटने की चोट का सामना करना पड़ा और वे अगस्त 2022 से फरवरी 2023 तक क्रिकेट से दूर रहे। 5वीं चोट अब जनवरी 2024 में हैमस्ट्रिंग के तौर पर लगी। वे दूसरे टेस्ट से बाहर हो चुके हैं और अगर चोट गहरी होती हैं तो कुछ और भी मैच मिस कर सकते हैं। वहीं, अगर बात केएल राहुल की चोटों की करें तो जनवरी 2021 में उनको रिस्ट स्ट्रेन का सामना करना पड़ा था और वे सिडनी में तीसरा टेस्ट नहीं खेल पाए थे। वे पहले दो मैचों का भी हिस्सा नहीं थे और उनको एनसीए लौटना पड़ा था। उसी साल मई में एपेंडिक्स का शिकार केएल राहुल थे और इसके लिए उनको सर्जरी के दौर से गुजरना पड़ा था। आईपीएल 2021 में उन्होंने कई मैच मिस किए थे। नवंबर 2021 में उनको थाई स्ट्रेन हुआ और होम टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड के खिलाफ वे नहीं खेले। चौथी चोट उनको जून 2022 में लगी, जो स्पोर्ट्स हर्निया के रूप में थी। ग्रोइन इंजरी के कारण उनको कई मैच मिस करने पड़े। मई 2023 में आईपीएल के दौरान उनको थाई इंजरी हुई और वे आईपीएल के साथ-साथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी नहीं खेले थे और कई सीरीज मिस की थीं। अब जनवरी 2024 में उनको क्वाडरसिप्स इंजरी के सामना करना पड़ा। वे अब वाइजैग टेस्ट में नहीं खेलेंगे।

सिक्का उछालकर फिल्मों में आईं

प्रीति जिंटा

शाह रुख नहीं ऋतिक के साथ होने वाला था डेब्यू

बॉलीवुड की बबली एक्ट्रेस कहलाई जाने वालीं प्रीति जिंटा (Preity Zinta) ने 90 के दशक और अर्ली 2000 में फिल्म इंडस्ट्री पर खूब राज किया है। लाखों दिलों की धड़कन डिंपल गर्ल प्रीति जिंटा की फिल्म लाइन में एंट्री भी कमाल की रही। पहली ही मूवी में उन्हें बॉलीवुड के बादशाह शाह रुख खान (Shah Rukh Khan) के साथ काम करने का मौका मिला।

पहली ही फिल्म से लाइमलाइट में आ गई थीं प्रीति

मॉडलिंग से करियर की शुरुआत करने वालीं प्रीति जिंटा ने दिल से (Dil Se) फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा था। भले ही इस मूवी में एक्ट्रेस का रोल छोटा था, लेकिन उन्होंने अपनी एक्टिंग से लोगों के दिलों गहरी छाप छोड़ी थी। मगर आपको ये जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है कि आर्मी बैकग्राउंड से ताल्लुक रखने वालीं प्रीति ने फिल्म लाइन में आने का फैसला एक सिक्के की बदौलत लिया था।

आर्मी बैकग्राउंड से ताल्लुक रखती हैं प्रीति

प्रीति जिंटा के फिल्म लाइन और डेब्यू की दिलचस्प कहानी जानने से पहले एक नजर डालते हैं उनके फैमिली बैकग्राउंड पर। उनके पिता दुर्गानंद जिंटा भारतीय थलसेना में ऑफिसर थे। जब प्रीति जिंटा सिर्फ 13 की थीं तो एक कार एक्सीडेंट में उनके पिता की मौत हो गई। इस हादसे में उनकी मां निलप्रभा को भी काफी गंभीर चोंटें आई थीं, जिसकी वजह से वो दो साल तक बिस्तर पर ही रहीं। इस हादसे के बाद घर की पूरी जिम्मेदारी प्रीति के कंधो पर आ गयी थी। प्रीति के बड़े भाई दीपांकर आर्मी में ही ऑफिसर है और छोटा भाई मनीष कैलिफोर्निया में रहते हैं।

सिक्का उछालकर किया था ग्लैमर वर्ल्ड में आने का फैसला

प्रीति जिंटा ने शिमला के कॉन्वेंट ऑफ जीजस मेरी एंड बोर्डिंग स्कूल से पढ़ाई की है। इसके बाद इंग्लिश में ऑनर्स और साइकॉलजी में पोस्ट ग्रैजुएशन किया। प्रीति ने मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की थी। हालांकि, बॉलीवुड में आने का फैसला सिक्का उछालकर किया था।

ना सलमान खान, ना अनिल कपूर, इन 3 स्टार्स के साथ बनाया जा रहा है नो एंट्री का सीक्वल

साल 2005 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म नो एंट्री का सीक्वल बनने जा रहा है. इस फिल्म के लिए मेल स्टारकास्ट को फाइनल कर लिया गया है. 19 साल पहले आई नो एंट्री में सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान अहम रोल में थे, लेकिन इस बार इन तीनों में से कोई भी फिल्म में नहीं दिखेगा.पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक नो एंट्री के सीक्वल में मेकर्स ने वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ को साइन कर लिया है. रिपोर्ट में सोर्स के हवाले से बताया गया है कि फिल्म का निर्देशन पहले की तरह ही अनीस बाज़मी ही करेंगे. फिल्म का लेखन भी उन्होंने ने ही किया है. वरुण, अर्जुन और दिलजीत को स्क्रिप्ट काफी पसंद आई है और उन्होंने फिल्म के लिए हां कर दी है.वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ से फिल्म के प्रोड्यूसर बोनी कपूर ने पिछले 6 महीने में कई बार मुलाकात की है. नो एंट्री 2 की शूटिंग इसी साल के अंत में दिसंबर में शुरू होगी. अगले साल 2025 में फिल्म को बड़े पैमाने पर रिलीज़ करने की योजना है. दरअसर मेकर्स चाहते हैं कि नो एंट्री के 20 साल पूरे होने के मौके पर ही इसके दूसरे पार्ट को रिलीज़ किया जाए.

एक्ट्रेसेस की तलाश जारी

हालांकि तीन हीरो के अलावा मेकर्स अभी एक्ट्रेसेस की तलाश में हैं. बताया जा रहा है कि फिल्म में कई कलाकार नज़र आएंगे. जल्द ही मेकर्स फिल्म को लेकर आधिकारिक ऐलान भी करने वाले हैं.

कब रिलीज़ हुई थी नो एंट्री

आपको बता दें कि अनीस बाजमी के निर्देशन में बनी नो एंट्री 26 अगस्त 2005 को आई थी. करीब 20 करोड़ रुपये के बजट में बनी नो एंट्री ने 74 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिज़नेस किया था. इस फिल्म में सेलिना जेटली, बिपाशा बसु, लारा दत्ता और ईशा देओल जैसी एक्ट्रेसेस नज़र आई थीं. इस कॉमेडी फिल्म को उस वक्त खूब पसंद किया था.

29 दिन कोमा में रहीं, होश आया तो सालों तक खुद को भी नहीं पहचान पाईं आशिकी की अनु अग्रवाल, हुआ था भयानक हादसा

बॉलीवुड अभिनेत्री अनु अग्रवाल अपने जमाने की बेहतरीन अदाकाराओं में से एक रही हैं. उन्होंने अपनी एक्टिंग से दर्शकों को खूब एंटरटेन किया था. यही नहीं, जब पॉप कल्चर डिक्शनरी में नेशनल क्रश शब्द का चलन भी नहीं था तब अनु ने इस मुकाम को हासिल कर लिया था. हाल ही में, उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने अपनी पहली फिल्म आशिकी कब देखी थी. साथ ही, एक्ट्रेस ने अपने भयानक एक्सीडेंट का भी जिक्र किया जब उनकी याददाश्त चली गई थी.1990 में महेश भट्ट के डायरेक्शन में बनी आशिकी ने फिल्म के दोनों लीड स्टार्स को रातों रात सेंसेशन बना दिया. इस फिल्म के बाद राहुल रॉय और अनु अग्रवाल की किस्मत बदल गई. लेकिन, एक्ट्रेस को क्या पता था कि उनकी जिंदगी में इतने स्टारडम के बाद एक भूचाल आने वाला है. दरअसल, अनु ने ताजा इंटरव्यू में बताया कि करियर के पीक पर उन्होंने फिल्मी दुनिया को अलविदा कह दिया. सफलता के पांच सालों बाद अनु ने किसी को बिना बताए ही एक्टिंग छोड़ दी.' नागिन ' में नजर आईं तेजस्वी प्रकाश बिग बॉस 15 में दिखीं और अपने जबरदस्त गेम से विनर रहीं.

क्यों लगा करियर पर फुलस्टॉप ?

अनु के साथ 1999 में एक ऐसी दुर्घटना हुई जिसने उनके करियर पर फुलस्टॉप लगा दिया. इस एक्सीडेंट के बाद उन्होंने खुद को 29 दिनों के लिए कोमा में पाया. दुख की बात तो ये है कि इस हादसे में उनकी याददाश्त भी चली गई थी. इन दिनों अनु अपने कमबैक को लेकर एक स्क्रिप्ट लिख रही हैं. जहां उन्होंने एक्टिंग छोड़ी थी अब वहीं से वो शुरुआत करना चाह रही हैं. अपने करियर के बारे में बातें करते हुए उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी फिल्म आशिकी कब देखी थी.

अनु की जिंदगी का वो भयानक एक्सीडेंट

अनु ने बताया कि एक्सीडेंट के बाद जब उनकी याददाश्त चली गई थी तब उन्होंने अपनी फिल्म आशिकी देखी थी. उनकी मां ने फिल्म लगाई लेकिन अनु स्क्रीन पर दिख रही लड़की से खुद को रिलेट नहीं कर पा रही थीं. एक्ट्रेस ने बताया मेरी मां कह रही थीं ये तुम हो. और, मैं एक छोटे बच्चे की तरह स्क्रीन पर देख रही थी लेकिन, पहचान नहीं पा रही थी. उस वक्त आशिकी 2 रिलीज हुई थी लेकिन ये सब मेरे लिए समझ से परे था.

जब अनु की मां ने दिलाई आशिकी की याद

अनु की मां ने उन्हें आगे कहा कि देखो ये तुम्हारी फिल्म है 'आशिकी' और अब उन्होंने 'आशिकी 2' बनाई है. इसपर मैंने मां से पूछा- 2 क्या है? क्योंकि उस वक्त मुझे किसी भी नंबर के बारे में कोई जानकारी नहीं थी. मुझे 1, 2 और 3 का कोई ग्यान नहीं था. यहां तक कि मैं खुद को भी शीशे में पहचान नहीं पा रही थी. जब मैंने स्क्रीन पर खुद को देखा तो पहचान नहीं पाई लेकिन मुझे कुछ महसूस हुआ. वो ऐसी फिल्म थी जो खूब सारे इमोशन से भरी थी. शायद इसीलिए आज भी लोग इसके बारे में बातें करते हैं. अनु ने बताया कि एक्टिंग से पहले वो मॉडलिंग किया करती थीं और उसी से कमाई कर रही थीं.

आइरा खान

ने पापा Aamir Khan के साथ Cute फोटोज कीं शेयर, बेटी को कॉपी करते दिखे मिस्टर परफेक्शनिस्ट

मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले आमिर खान (Aamir Khan) एक बेहतरीन अभिनेता होने के साथ-साथ एक लविंग पिता भी हैं। वह अपने बच्चों के बहुत करीब हैं और उनके लिए समय निकालने में जरा भी कंजूसी नहीं करते हैं।आमिर खान का अपनी बेटी आइरा खान (Ira Khan) के साथ बहुत खास बॉन्ड है, जो अक्सर पिता-बेटी की तस्वीरों में दिखाई दे जाता है। हाल ही में, आइरा ने सोशल मीडिया पर पिता के साथ कुछ प्यारी फोटोज शेयर की हैं, जिसमें अभिनेता अपनी लाडली के साथ मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं।

आइरा खान और आमिर खान की क्यूट पिक्चर्स

30 जनवरी को आइरा खान ने इंस्टाग्राम हैंडल पर पिता आमिर के साथ अनदेखी फोटोज शेयर की हैं। ये तस्वीरें आइरा के मेहंदी सेरेमनी की हैं। मेहंदी फंक्शन में आमिर ने अपनी बेटी के टैटू का सेम डिजाइन अपने हाथ में मेहंदी के रूप में कॉपी की थी। दोनों के हाथ में दो स्टार्स और चांद बना हुआ है।

बेटी आइरा संग मस्ती करते दिखे आमिर

पहली फोटो में आमिर और आइरा को अपनी मेहंदी और टैटू को फ्लॉन्ट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक तस्वीर में पिता-बेटी टैटू-मेहंदी को फ्लॉन्ट करते हुए मुस्कुरा रहे हैं। वहीं, आखिरी फोटो में आमिर ने अपनी लाडली के गाल पर किस किया। बेज कलर की ड्रेस में आइरा बहुत प्यारी लग रही थीं। दूसरी ओर 58 साल के आमिर स्काई ब्लू आउटफिट में जच रहे थे।इन तस्वीरों को शेयर करते हुए आइरा ने कहा कि अच्छा हुआ उन्होंने उस वक्त कछुए नहीं बनवाया था, वरना वो भी आमिर खान कॉपी कर लेते। कैप्शन में आइरा ने लिखा, भगवान का शुक्र है कि उस वक्त मैंने कछुए नहीं बनवाए थे। हम बहुत क्यूट हैं। पिता-बेटी के इस प्यारे बॉन्ड पर फैंस भी अपना दिल हार गए हैं।